रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:80 | बुधवार,26 नवम्बर | ₹5 | Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

कनेक्शन देना पर्याप्त नहीं, पाइप से पानी भी आना चाहिए,

एजंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर घर जल पहुंचाने के केंद्र सरकार की योजना जल जीवन मिशन को लेकर सख्त हैं. पीएम ने अधिकारियों को कहा है कि इस योजना में करप्शन और गड़बड़ियों पर जीरो टॉलरेंस होना चाहिए. पीएम का निर्देश है कि केवल बस्ती में पानी देने से काम नहीं चलेगा बल्कि नल से पानी हर गांव हर बस्ती के हर घर तक पाइप से जाना चाहिए. हाल ही में योजना को लेकर हुई समीक्षा बैठक में पीएम मोदी ने कहा था कि पहले इस योजना में आई शिकायतों, गड़बड़ियों के मामलों को दूर किया जाए, करप्शन करने वालों से सख्ती से निपटा जाए उसके बाद ही आगे का फंड दिया जाएगा. समीक्षा बैठक में पीएम मोदी ने ये भी कहा था कि सिर्फ पानी का कनेक्शन देना पर्याप्त नहीं, पाइप से पानी भी आना चाहिए.

छत्तीसगढ़ में 28 नक्सलियों ने किया आत्म समर्पण

एजंसी

नारायणपुर : छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में मंगलवार को 89 लाख के इनामी 19 महिला सहित कुल 28 नक्सलियों ने बस्तर आईजी सुंदराज पी. को कुल 3 हथियार 1 एसएलआर, 1 इंसास एवं 303 रायफल सौंपकर आत्मसमर्पण कर दिया है। नक्सलियों में माड़ डिवीजन के डीवीसीएम सदस्य, पीएलजीए की कंपनी नंबर छह के मिलिट्री सदस्य, एरिया कमेटी और टेक्निकल टीम के सदस्य, मिलिट्री प्लाटून के पीपीसीएम और सदस्य, एसजेडसीएम भास्कर की गार्ड टीम, सप्लाई टीम, एलओएस सदस्य तथा जनताना सरकार के नक्सलीकैडर शामिल है।

दिल्ली के ज्वाला नगर में छत ढहने से पांच घायल

एजंसी

नयी दिल्ली : राजधानी दिल्ली के उत्तर-पूर्वी इलाके ज्वाला नगर में एक चार मंजिला मकान की नयी बनी छत ढह जाने से एक महिला सहित कम से कम पांच लोग घायल हो गए। एक दमकल अधिकारी ने यह जानकारी दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, उन्हें सुबह करीब 9:50 बजे घटना के बारे में एक कॉल मिली। इसके बाद अग्निशमन की पांच गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। टीम ने यह पता लगाने के लिए बचाव अभियान शुरू किया गया कि क्या मलबे में कोई फंसा हुआ है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि परिवार के एक सदस्य अविनाश ने कहा कि तीसरी मंजिल पर एक हॉल बनाने के लिए निर्माण कार्य चल रहा था, तभी छत गिर गयी।

पीएम मोदी ने अयोध्या राम मंदिर पर लहराई धर्म ध्वजा, मंदिरों में किया दर्शन-पूजन

राम भेद से नहीं भाव से जुड़ते हैं : प्रधानमंत्री

एजेंसी

अयोध्या : उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने ध्वज फहराया। इससे पहले श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के जरिए 'संकल्प सिद्धि' के लिए रामनगरी पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी का जोरदार स्वागत हुआ। रोड शो और पूजा अर्चना के बाद उन्होंने संघ प्रमुख भागवत के साथ ध्वजारोहण का कार्य पूरा किया। इस दौरान जयश्रीराम, जय जय हनुमान के गगनभेदी नारों संग अयोध्यावासियों ने प्रधानमंत्री के काफिले पर पुष्पवर्षा भी की।

प्रधानमंत्री ने विभिन्न मंदिरों में शीश झुकाया

प्रधानमंत्री ने सप्त मंदिर में भी पूजा- अर्चना की। मंदिर परिसर में महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वाल्मीकि, देवी अहिल्या, निषादराज गुह्य और माता शबरी मंदिर में पहुंचकर प्रधानमंत्री ने शीश झुकाया। प्रधानमंत्री ने शेषावतार मंदिर व माता अन्नपूर्णा मंदिर में भी दर्शन-पूजन किया।

श्रीराम की अयोध्या ने प्रधानमंत्री का पूरे रास्ते में अभूतपूर्व स्वागत किया। अयोध्यावासियों के एक हाथ में भगवा ध्वज तो दूसरे हाथ में तिरंगा फहरा रहा था। वहीं स्वागत से अभिभूत प्रधानमंत्री ने भी हाथ हिलाकर अयोध्यावासियों का अभिवादन किया। अयोध्या पहुंचने पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'हम सब जानते हैं कि हमारे राम भेद से नहीं भाव से जुड़ते हैं। उनके लिए व्यक्ति का कुल नहीं, उसकी भक्ति महत्वपूर्ण है। उन्हें वंश नहीं, मूल्य प्रिय है। उन्हें शक्ति नहीं, सहयोग महान लगता है। आज हम भी उसी भावना से आगे बढ़ रहे हैं।' प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि पिछले 11 वर्षों में महिला, दलित, पिछड़े, अति-पिछड़े, आदिवासी, वंचित, किसान, श्रमिक और युवा हर वर्ग को विकास के केंद्र में रखा गया है। उन्होंने कहा, जब देश का हर व्यक्ति, हर वर्ग, हर क्षेत्र सशक्त होगा, तब संकल्प की सिद्धि में सबका प्रयास लगेगा और सबके प्रयास से ही 2047 में जब देश आजादी के 100 साल मनाएगा, तब तक हमें विकसित भारत का निर्माण करना ही होगा। गौरतलब है कि श्री मोदी आज सुबह अयोध्या पहुंचे। साकेत महाविद्यालय पर उनका हेलीकॉप्टर उतरा। वहां से काफिले संग टेढ़ी बाजार होते हुए उन्होंने श्रीराम मंदिर परिसर में प्रवेश किया। इस दौरान अयोध्यावासियों ने जयश्रीराम, जय जय हनुमान के गगनभेदी नारों संग उनका स्वागत किया। अयोध्यावासी एक हाथ में भगवा ध्वज तो दूसरे हाथ में तिरंगा फहराते हुए प्रधानमंत्री का स्वागत करते रहे। प्रधानमंत्री ने भी पूरे रास्ते में हाथ हिलाकर अयोध्यावासियों का अभिवादन किया। मोदी अयोध्या में साकेत विश्वविद्यालय हे।

जबरदस्त उत्साह : राजधानी के युवाओं में सिर चढ़कर बोल रहा क्रिकेट का जुनून

टिकट खरीदने के लिए देर रात से ही लग गई लाइन

संवाददाता

रांची। रांची के जेएससीए स्टेडियम में आगामी 30 नवंबर को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच होने वाले वनडे मैच के लिए क्रिकेट प्रेमियों का उत्साह चरम पर है. स्टेडियम में आज सुबह 9 बजे से टिकटों की बिक्री शुरू हो रही है, लेकिन क्रिकेट प्रेमियों का जोश इतना ज्यादा है कि लोग देर रात से ही टिकट काउंटर के बाहर कतार में लग गए. रातभर स्टेडियम के बाहर डटे रहे फैंस :कई

युवा और क्रिकेट प्रेमी सुबह की भीड़ से बचने के लिए रात में ही स्टेडियम परिसर पहुंच गए. कई फैंस ने तो रातभर वहीं इंतजार किया, ताकि सुबह सबसे पहले टिकट खरीदने वालों में उनका नाम शामिल हो. सुबह होने से पहले ही खरउअ स्टेडियम के बाहर लंबी लाइनें नजर आने लगीं. भीड़ को संभालने के लिए कड़ी सुरक्षा : बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने सख्त सुरक्षा इंतजाम किए हैं. स्टेडियम परिसर और आसपास के क्षेत्रों में

अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है. भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग की गई है. पार्किंग और प्रवेश मार्गों पर भी पुलिस की कड़ी निगरानी रखी जा रही है. टिकट बिक्री के लिए बने हैं 6 काउंटर : जेएससीए स्टेडियम में टिकट की बिक्री के लिए कुल 6 काउंटर बनाए गए हैं. इनमें से एक काउंटर सिर्फ महिलाओं के लिए है, ताकि वो बिना किसी परेशानी के आसानी से टिकट ले सकें. राजधानी रांची में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच होने वाले वनडे मैच को लेकर जहां उत्साह चरम पर है, वहीं टिकट बिक्री में अव्यवस्था की वजह से क्रिकेट प्रेमियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. धुर्वा स्थितखर स्टेडियम के बाहर सुबह होते-होते दो किलोमीटर से भी लंबी कतारें लग गई. रात से लाइन में खड़े लोग टिकट मिलने की उम्मीद में जमे रहे, लेकिन धीमी रफ्तार से चल रही टिकट बिक्री ने उनका उत्साह कम कर दिया.भीड़ लगातार बढ़ रही है और कतारें छोटी होने के बजाय और लंबी हो रही हैं. कई युवाओं ने बताया कि वे रात 2 बजे से लाइन में खड़े हैं, लेकिन सुबह तक भी लाइन मुश्किल से आगे बढ़ पाई.वहीं, कई परिवारों और बुजुर्गों ने कहा कि इतनी बड़ी भीड़ के लिए यह व्यवस्था नाकाफी है. ठंड में बच्चों और महिलाओं को घंटों खड़ा रहना पड़ रहा है. टिकट काउंटर के बाहर सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग तो की गई है, लेकिन दर्शकों का कहना है कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त पुलिसकर्मी मौजूद नहीं हैं. कई स्थानों पर धक्का मुक्की की स्थिति बनी, जिससे असंतोष बढ़ता जा रहा है. क्रिकेट प्रेमियों ने सुरक्षा व्यवस्था पर उठाया सवाल : क्रिकेट प्रेमियों का आरोप है कि प्रशासन ने भीड़ का अंदाजा लगाया जरूर, लेकिन इंतजाम उस हिसाब से नहीं किए गए. टिकट खरीदना किसी बड़ी परीक्षा जैसी हो गई है. इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए विधि-व्यवस्था संभाल रहे डीएसपी ने कहा कि पुलिस की ओर से पूरी तैयारी

हेमंत को झटका, हाईकोर्ट ने पहले के अंतरिम आदेश को कर दिया समाप्त

संवाददाता

रांची :एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट यानी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन की अवहेलना से जुड़े मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से दाखिल व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट से जुड़ी याचिका पर मंगलवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। एमपी-एमएलए कोर्ट ने संबंधित याचिका पहले ही खरीफ कर दी थी। इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। इस मामले में राज्य सरकार की ओर से कोर्ट से समय देने का आग्रह किया गया। कोर्ट ने मामले में 4 दिसंबर 2024 को जारी अंतरिम आदेश को समाप्त कर रांची की एमपी-एमएलए कोर्ट को ट्रायल की प्रक्रिया जारी रखने और इस मामले को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया है। ईडी की ओर से अधिवक्ता अमित कुमार दास ने पक्ष रखा। गौरतलब है कि 4 दिसंबर 2024 को मामले में कोर्ट ने अंतरिम आदेश देते हुए समन अवहेलना मामले

में सीएम हेमंत सोरेन को एमपी-एमएलए कोर्ट में व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दी थी। सीएम हेमंत सोरेन की ओर से एमपी-एमएलए कोर्ट के उक्त आदेश को रद्द करने का आग्रह करते हुए को याचिका दाखिल की गई थी। मुख्यमंत्री की ओर से दाखिल व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट से संबंधित सीआरपीसी की धारा 205 के तहत दाखिल पिटीशन को एमपी- एमएलए मामले के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने खारिज कर दिया था।

एसआईआर मामले पर बंगाल में सियासी घमासान, ममता बनर्जी ने केंद्र पर साधा निशाना

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर जबरदस्त भूचाल आ गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार और भाजपा को अब तक की सबसे बड़ी और सीधी चेतावनी दे दी है। एक जनसभा के दौरान ममता ने भरे मंच से ऐलान किया कि अगर उन पर किसी भी तरह का हमला हुआ, तो वह पूरा भारत हिला देंगी। हेलीकॉप्टर रोके जाने और वोटर लिस्ट रिवीजन को लेकर चल रहे विवाद के बीच उनकी इस तीखी टिप्पणी ने सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। ममता बनर्जी ने बताया कि उन्हें हेलीकॉप्टर से यात्रा करनी थी, लेकिन सुबह अचानक

खबर मिली कि उड़ान की अनुमति नहीं है। इसे अपने खिलाफ एक गहरी साजिश बताते हुए वह पैदल ही लोगों के बीच पहुंच गईं। उन्होंने भाजपा को सीधे ललकारते हुए कहा कि विरोधी उन्हें छू भी नहीं पाएंगे क्योंकि वह उनका खेल समझ चुकी हैं। ममता ने साफ कर दिया कि चुनाव शुरू होने से पहले ही उन्हें परेशान करने और रोकने की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन वह झुकने वाली नहीं हैं। ममता ने मतुआ बाहुल्य इलाके में रैली करते हुए कहा कि एसआईआर महज एक बहाना है, असल में यह एनआरसी को पिछले दरवाजे से लाने की एक बड़ी साजिश है। चूंकि यह क्षेत्र भाजपा का गढ़ माना जाता है, इसलिए यहीं से उन्होंने केंद्र सरकार पर तीखे वार किए। उन्होंने बीएसएफ की भूमिका पर भी सवाल उठाए और पूछा कि अगर घुसपैठिए बंगाल में हैं, तो उन्हें सीमा पार करने किसने दिया और वे अंदर कैसे आए। टीएमसी ने बाद में स्पष्ट किया कि ममता के बयान का मतलब पार्टी के किसी भी कार्यकर्ता पर हमला बर्दाश्त न करना है और वह इसके खिलाफ।

राबड़ी देवी को खाली करना होगा 10 सर्कुलर रोड का सरकारी आवास

एजेंसी

पटना : बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव की पत्नी राबड़ी देवी को पटना स्थित 10-सर्कुलर रोड का सरकारी आवास खाली करने का आदेश दिया गया है। भवन निर्माण विभाग ने इस संबंध में आधिकारिक निर्देश जारी कर दिए हैं। भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने जानकारी दी कि राबड़ी देवी को नया आवास आवंटित किया जा चुका है। उन्हें 39 हार्डिंग रोड स्थित बिहार विधान परिषद सदस्यों के लिए बने आवास में स्थानांतरित होना होगा। विभाग की ओर से उन्हें नोटिस दे दी गई है। राबड़ी देवी पिछले 20 वर्षों से 10-सर्कुलर रोड के आवास में रह

रही थीं। भवन निर्माण विभाग के इस निर्णय के बाद राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हो गई है। राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल ने कहा कि सरकार जानबूझकर परेशान करने की नीयत से ऐसा कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया, 'यह सब किसके इशारे पर हो रहा है, सबको पता है। आखिर 20 वर्षों बाद ऐसी क्या आवश्यकता आ गई कि राबड़ी देवी को आवास खाली करने को कहा गया?' गौरतलब है कि 10- सर्कुलर रोड लंबे समय से लालू परिवार का मुख्य निवास रहा है।

टिप्पणी | नफरत भरे भाषण पर हर मामले में दखल देने का इरादा नहीं

हेट स्पीच की घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट बोला- हर घटना की निगरानी नहीं कर सकते

एजेंसी

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह देश भर में हेट स्पीच की हर घटना पर कानून बनाने या उसकी निगरानी करने के लिए तैयार नहीं है, क्योंकि विधायी उपाय, पुलिस थाने और हाई कोर्ट पहले से ही मौजूद हैं। यह टिप्पणी जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने की, जो एक विशेष समुदाय के सामाजिक और आर्थिक बहिष्कार के कथित आह्वान के मुद्दे को उठाने वाले एक आवेदन पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा, 'हम इस याचिका की आड़ में कोई कानून नहीं बना रहे हैं। निश्चिंत रहें, हम इस देश के किसी भी छोटे-मोटे हिस्से में होने वाली हर छोटी-बड़ी घटना पर कानून बनाने या उसकी निगरानी करने के पक्ष में नहीं हैं। यहां उच्च न्यायालय हैं, पुलिस थाने हैं, विधायी उपाय हैं।ये सब पहले से ही मौजूद हैं।' शीर्ष अदालत ने शुरू में आवेदक को अपनी शिकायत संबंधित उच्च

न्यायालय में ले जाने को कहा था। पीठ ने आवेदक की ओर से मामले में उपस्थित वकील से कहा, 'यह अदालत देश भर में ऐसी सभी घटनाओं की निगरानी कैसे कर सकती है? आप अधिकारियों से संपर्क करें। उन्हें कार्रवाई करने दें, अन्यथा उच्च न्यायालय जाएं।' वकील ने कहा कि उन्होंने एक लंबित रिट याचिका में आवेदन दायर किया है जिसमें हेट स्पीच का मुद्दा उठाया गया है। उन्होंने कहा, 'मैंने निर्देश देने के लिए एक आवेदन दायर किया है, तथा न्यायालय के संज्ञान में आर्थिक बहिष्कार के लिए शुरू किए गए आह्वान के कुछ अतिरिक्त उदाहरण भी लाए हैं।' जब पीठ ने कहा कि इस तरह के कॉल कुछ व्यक्तियों द्वारा किए गए हैं, तो वकील ने कहा कि कुछ जनप्रतिनिधि भी इसी तरह के कॉल जारी कर रहे हैं। न्यायालय में उपस्थित सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि जनहित किसी एक धर्म विशेष तक सीमित नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, 'सभी धर्मों के बीच गंभीर घृणास्पद भाषण चल रहे हैं। मैं अपने मित्र (आवेदक) को ये विवरण दूंगा। उन्हें इसे जोड़ने दीजिए और सर्व-धर्म के आधार पर उस सार्वजनिक मुद्दे का समर्थन करने दीजिए।' आवेदक के वकील ने कहा कि उन्होंने यह मामला अदालत के संज्ञान में लाया है, क्योंकि अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। उन्होंने तर्क दिया कि घृणास्पद भाषण मामले में शीर्ष अदालत ने पहले कहा था कि यदि राज्य द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जाती है, तो पुलिस द्वारा स्वतः कार्रवाई की जाएगी, ऐसा न करने पर अवमानना कार्यवाही शुरू की जाएगी।

टीम इंडिया के सितारे रांची पहुंचे

जेएससीए में 30 को भारत-द. अफ्रीका का होगा वनडे मैच

एजेंसी

रांची : भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 30 नवंबर को होने वाले वनडे मुकाबले से पहले रांची में क्रिकेट का उत्साह चरम पर पहुंच गया है। सोमवार से टीम इंडिया के खिलाड़ियों का रांची पहुंचना शुरू हो गया है। सबसे पहले अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचे, जहां फैंस ने उनका जोरदार स्वागत किया। दोनों खिलाड़ी शाम 6.45 बजे फ्लाइट से रांची पहुंचे। एयरपोर्ट पर भारी संख्या में मौजूद दर्शकों ने खिलाड़ियों के साथ तस्वीरें लेने का प्रयास किया और उनका हौसला बढ़ाया। खिलाड़ियों की सुरक्षा और होटल तक उनके ट्रैवल प्लान को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जेएससीए प्रबंधन लगातार

खिलाड़ियों के मूवमेंट पर नजर बनाए हुए है। जेएससीए के उपाध्यक्ष संजय पांडे ने बताया कि आने वाले 24 घंटों में भारत और दक्षिण अफ्रीका– दोनों टीमों के और खिलाड़ी रांची पहुंच जाएंगे। प्रैक्टिस सेशन का शेड्यूल भी जल्द जारी होगा। जेएससीए ग्राउंड पर अभ्यास संबंधी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इधर जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में मुकाबले को लेकर तैयारियां तेज हैं। पिच और आउटफील्ड का अंतिम निरीक्षण किया जा रहा है। साथ ही सुरक्षा, पार्किंग, दर्शक सुविधा और टिकटिंग व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई है। मैच के दौरान भारी भीड़ को देखते हुए सभी व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया 'उरांव धर्म एवं प्रथाएं' पुस्तक का लोकार्पण

रांची, संवाददाता ।

राज भवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने प्रख्यात मानवशास्त्री शरत चन्द्र राय की पुस्तक ह्यउरांव धर्म एवं प्रथाएंह्ल के हिंदी अनुवाद का लोकार्पण किया. इस कृति का अनुवाद डॉ. राज रतन सहाय ने किया है. कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, विधायक डॉ. रामेश्वर उरांव, सरयू राय, पूर्व सांसद सुदर्शन भगत, पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर सहित अनेक विद्वान, शोधकर्ता और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े लोग उपस्थित रहे.

यह पुस्तक जनजातीय संस्कृति का जीवंत दस्तावेज- राज्यपाल

राज्यपाल ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि यह कृति भारत की जनजातीय परंपराओं, सामाजिक संरचना, आस्था और सांस्कृतिक जीवन को समझने का एक अमूल्य स्रोत है. शरत चन्द्र राय ने उरांव समाज के जीवन-दर्शन, परंपराओं और मान्यताओं को अत्यंत गहराई और संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया है. उन्होंने अनुवादक डॉ. राज रतन सहाय को बधाई देते हुए कहा कि अनुवाद किसी संस्कृति के ज्ञान को विस्तृत समाज तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है. यह हिंदी संस्करण मुख्यधारा के पाठकों को उरांव समाज की सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण सेतु सिद्ध होगा.

जनजातीय गौरव दिवस और स्वतंत्रता संग्राम में योगदान का उल्लेख

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को ह्यजनजातीय गौरव दिवसह्ल के रूप में मनाया जाना गौरव की बात है. उन्होंने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, सिद्धो-कान्हू, फूलो-झानो, वीर बुधु भगत जैसे असंख्य वीरों ने स्वतंत्रता संग्राम में उल्लेखनीय योगदान दिया. उन्होंने याद किया कि टाना भगत आंदोलन, जो उरांव समुदाय की सत्य, अहिंसा और आत्मसंयम की विचारधारा पर आधारित था, ने राष्ट्रीय आंदोलन को नई दिशा दी. राज्यपाल ने कहा कि भारत की जनजातीय विरासत राष्ट्र की सांस्कृतिक जड़ों का अभिन्न हिस्सा है और ऐसे शोध-आधारित प्रकाशनों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए. उन्होंने पुस्तक के व्यापक प्रसार की शुभकामनाएं दीं.

भाजपा आरोप लगाती रहे, अबुआ सरकार काम करती रहेगी : झामुमो प्रवक्ता विनोद पांडेय

रांची, संवाददाता ।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय ने भाजपा के आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि झारखंड की अबुआ सरकार को बदनाम करने का भाजपा का लगातार किया जा रहा प्रयास अब बेतुके आरोपों के नए चरण में पहुंच गया है. उन्होंने कहा कि भाजपा का पूरा बयान तथ्यों से रहित, भ्रामक और राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित है. पांडेय ने सवाल उठाया कि पैरामेडिकल स्टाफ की चिंता भाजपा को आज अचानक कैसे होने लगी, जबकि केंद्र में अपने शासनकाल में उन्होंने इन्हें उपेक्षित ही रखा. उन्होंने कहा कि जिन पैरामेडिकल कर्मियों के प्रति भाजपा अचानक संवेदना जता रही है, उन्हीं की न्यूनतम वेतन, सुरक्षित कार्य वातावरण और पुरानी पेंशन की मांगों पर केंद्र सरकार ने कभी कोई कदम नहीं उठाया. पांडेय ने आरोप लगाया कि भाजपा के शासनकाल में स्वास्थ्य ढांचा जर्जर हुआ और संविदा कर्मियों का शोषण बढ़ा.

गजट की गलत व्याख्या कर रहे हैं भाजपा नेता

विनोद पांडेय ने कहा कि श्रम विभाग की गजट अधिसूचना को भाजपा नेता चुनिंदा रूप से पढ़ रहे हैं, जबकि सरकार पैरामेडिकल स्टाफ के वेतनमान, कौशल श्रेणी और मानदेय संरचना को अपडेट करने की प्रक्रिया पर पहले से काम कर रही है. उन्होंने पूछा कि भाजपा अपने शासनकाल में स्वास्थ्यकर्मियों की वेतन संरचना को सुधारने के मामले में 17 से 18 वर्ष तक चुप क्यों बैठी रही.

आउटसोर्सिंग पर भाजपा का आरोप राजनीतिक नौटंकी

पांडेय ने कहा कि सदर अस्पताल रांची में आउटसोर्सिंग व्यवस्था भाजपा शासनकाल से ही लागू है और उसी दौरान भ्रष्ट एजेंसियों व दलाली तंत्र को संरक्षण मिला. उन्होंने कहा कि अब जब अबुआ सरकार आउटसोर्सिंग एजेंसियों की पूरी प्रणाली की समीक्षा और ऑडिट कर रही है, तो भाजपा बौखला गई है.

भाजपा संविदा कर्मियों की हमदर्द नहीं, शोषक रही है

उन्होंने कहा कि भाजपा संविदा कर्मियों की पीड़ा को दूर करने के बजाय उसे राजनीतिक लाभ में बदलने का प्रयास करती रही है. यदि भाजपा वास्तव में संविदा कर्मियों के लिए संवेदनशील होती, तो देशभर में उनके लिए समान नीति बनाती, पर आज तक ऐसा नहीं किया गया. पांडेय ने कहा कि झारखंड सरकार सभी स्वास्थ्यकर्मियों के मानदेय, सेवा शर्तों और सुरक्षा को लेकर स्पष्ट और मजबूत नीति तैयार कर रही है.

भाजपा की राजनीति तथ्यहीन आरोपों का खेल

महासचिव पांडेय ने कहा कि झारखंड में भाजपा की राजनीति अब झूठे आंकड़ों और तथ्यहीन आरोपों पर आधारित हो गई है. यदि भाजपा के पास कोई ठोस दस्तावेज है तो उसे सरकार को सौंपे, कैमरे के सामने कहानी गढ़ने से केवल राजनीतिक ऑक्सीजन मिल सकता है, सत्य नहीं. उन्होंने कहा कि अबुआ सरकार श्रमिकों, युवाओं और स्वास्थ्यकर्मियों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है. पांडेय ने दावा किया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में नर्सों की भर्ती, लैब तकनीशियनों की बहाली, जिला स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और संविदा कर्मियों की सुरक्षा को लेकर कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं, जो भाजपा शासनकाल में कभी संभव नहीं था.

वक्फ संपत्तियों को लेकर हुए कार्यशाला में पहुंचे 200 से अधिक प्रतिनिधि

रांची, संवाददाता ।

झारखंड हज हाउस में आज वक्फ संपत्तियों से जुड़े प्रबंधकों के लिए प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया. संयुक्त मुस्लिम संगठन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मस्जिद, मदरसा, ईदगाह, कब्रिस्तान, मजार और खानकाह के प्रबंधन से जुड़े 200 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया. कार्यशाला में विशेषज्ञ एस. अली ने बताया कि राज्य में निबंधित और अनिबंधित मिलाकर हजारों वक्फ संपत्तियां मौजूद हैं. नए वक्फ कानून 2025 की धारा 3बी के अनुसार, सभी संपत्तियों का पूरा विवरण 5 दिसंबर 2025 तक उम्मीद सेंट्रल पोर्टल-2025 पर अपलोड करना अनिवार्य है. अब तक झारखंड की कुल 196 संपत्तियों जिनमें 44 निबंधित और 152 अनिबंधित शामिल हैं. इसका विवरण पोर्टल पर डाला जा चुका है. पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि कई वक्फ संपत्तियां पुराने कागजों, मौखिक परंपराओं या वक्फ बाई यूजर के आधार पर स्थापित हैं, जिनका रिकॉर्ड पोर्टल पर डालना चुनौतीपूर्ण हो रहा है. उन्होंने कहा कि मालिकाना हक से जुड़े विवाद भी सामने आ रहे हैं. इन समस्याओं के समाधान के लिए वे अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री और मुख्यमंत्री से मिलकर उचित कदम उठाने की मांग करेंगे. कार्यक्रम में मौलाना साबिर मजाहरी, जियाउल होदा, मौलाना अबुल कलाम, मुन्तजिर अहमद रजा, जलील अंसारी, मेराज गद्दी, तनवीर अहमद, नदीम खान, मुस्लिम अंसारी, मजकूर आलम, मियाजान अंसारी, आदि थे।

किन्नर के साथ मारपीट मामला: बार संचालक ने दी सफाई, कहा- विवाद में नहीं थी भूमिका, हो रहा लाखों का नुकसान

रांची, संवाददाता ।

अरगोड़ा चौक स्थित एक लिकर बार में किन्नर के साथ हुई मारपीट का मामला अब तूल पकड़ने लगा है. बीते दिन बार में पहुंचे एक ग्राहक द्वारा किन्नर के साथ बदसलूकी और मारपीट की घटना सामने आई थी. इस घटना ने न सिर्फ स्थानीय क्षेत्र में तनाव बढ़ाया, बल्कि किन्नर समुदाय ने इसका विरोध करते हुए अरगोड़ा चौक में कैंडल मार्च निकालकर न्याय की मांग की. मामले के तूल पकड़ने के बाद उत्पाद विभाग और पुलिस ने संयुक्त रूप से बार परिसर का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान बार की लाइसेंसिंग, माइक्रोब्रुअरी अनुमति, बिक्री पंजी, सीसीटीवी फुटेज और सुरक्षा व्यवस्था की जांच की गई.

ग्राहक ने की थी विवाद की शुरूआत

सीसीटीवी फुटेज में यह स्पष्ट हुआ कि एक ग्राहक ने बार के भीतर किन्नर के साथ दुर्व्यवहार किया. जब किन्नर ने विरोध किया तो स्थिति हाथापाई में बदल गई. इसके बाद अन्य ग्राहक भी विवाद में शामिल हो गए और माहौल बिगड़ गया. हंगामा बढ़ने पर पुलिस पहुंची और स्थिति को शांत किया.

बार मालिक ने दी सफाई, कहा- स्टाफ की कोई गलती नहीं

बार मालिक ने बताया कि घटना पूरी तरह ग्राहकों के बीच हुई थी और स्टाफ ने माहौल शांत कराने की कोशिश की. उनका कहना है कि न तो किसी कर्मचारी ने किन्नर के साथ कोई बदसलूकी की और न ही विवाद में उनकी कोई भूमिका थी. बार मालिक ने यह भी कहा कि घटना के बाद प्रशासन ने एहतियातन बार को बंद करा दिया है. जिसके कारण रोजाना लाखों का नुकसान हो रहा है. उन्होंने कहा कि वे सभी नियमों का पालन कर रहे थे. लाइसेंस, माइक्रोब्रुअरी की अनुमति, मापतौल का सत्यापन और सभी दस्तावेज वैध हैं. बार संचालक ने कहा कि घटना ग्राहकों के बीच हुई और उसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ रहा है. दूसरी ओर किन्नर समुदाय ने घटना को गंभीर बताते हुए कहा कि शहर में अब भी उनके प्रति असम्मान और हिंसा की मानसिकता मौजूद है. कैंडल मार्च के दौरान किन्नर समुदाय के सदस्यों ने कहा कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो।

रूणुझुणु की थीम पर होगा रांची विश्वविद्यालय में युवा महोत्सव का आगाज

रांची। रांची विश्वविद्यालय में 27 से युवा महोत्सव शुरू होगा जो 28 नवंबर तक चलेगा. महोत्सव में युवाओं को छिपी प्रतिभा स्टेज पर दिखाने को मौका मिलेगा. रुणु झुणु की थीम पर आर्यभट्ट सभागार हॉल में आयोजित होगा. इसमें पोस्टर मेकिंग, रंगोली, आदिवासी नृत्य, सामूहिक गीत, हिंदी-अंग्रेजी में वाद विवाद, फाइन आर्ट ऑन द स्पोर्ट्स पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी होगा. इसके हिंदुस्तानी और कर्नाटक शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति होगी. एकल वाद्य यंत्र और सामूहिक लोक नृत्य की प्रस्तुति किए जायेंगे. यह कार्यक्रम युवाओं के लिए होगा. जिसमें वो अपनी प्रतिभा का छटा बिखेरेंगे. इसके साथ ही पारंपरिक वेश भूषा में सैकड़ों विद्यार्थी दिखेंगे. युवा महोत्सव को देखते हुए जनजातिय भाषा विभाग के नौ विभाग में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं. जिसमें मुंडारी, कुडुख, हो, खडिया, खोरठा समेत नागपुरी शामिल है.

रांची में क्रिकेट का क्रेज, जेएससीए स्टेडियम में टिकट के लिए देर रात से लगी लंबी कतारें

रांची, संवाददाता ।

रांची के जेएससीए स्टेडियम में आगामी 30 नवंबर को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच होने वाले वनडे मैच के लिए क्रिकेट प्रेमियों का उत्साह चरम पर है. खरउअ स्टेडियम में आज सुबह 9 बजे से टिकटों की बिक्री शुरू हो रही है, लेकिन क्रिकेट प्रेमियों का जोश इतना ज्यादा है कि लोग देर रात से ही टिकट काउंटर के बाहर कतार में लग गए. कई युवा और क्रिकेट प्रेमी सुबह की भीड़ से बचने के लिए रात में ही स्टेडियम परिसर पहुंच गए. कई फैंस ने तो रातभर वहीं इंतजार किया, ताकि सुबह सबसे पहले टिकट खरीदने वालों में उनका नाम शामिल हो. सुबह होने से पहले ही खरउअ स्टेडियम के बाहर लंबी लाइनें नजर आने लगीं. बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने सख्त सुरक्षा इंतजाम किए हैं. स्टेडियम परिसर और आसपास के क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है. भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग की गई है. पार्किंग और प्रवेश मार्गों पर भी पुलिस की कड़ी निगरानी रखी जा रही है. जेएससीए स्टेडियम में टिकट की बिक्री के लिए कुल 6 काउंटर बनाए गए हैं. इनमें से एक काउंटर सिर्फ महिलाओं के लिए है, ताकि वो बिना किसी परेशानी के आसानी से टिकट ले सकें.

रोजाना करोड़ों का व्यापार, फिर भी बदहाल अपर बाजार महावीर चौक, सड़कों व सुविधाओं में शून्य निवेश

रांची, संवाददाता ।

रांची के व्यस्त कारोबारी इलाके अपर बाजार स्थित महावीर चौक की हालत इन दिनों बेहद चिंताजनक बनी हुई है. इलाके की सड़कें जगह-जगह टूटी और गड्ढों से भरी पड़ी हुई हैं, जिसके कारण रोजाना लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. खराब सड़कों की वजह से दुर्घटनाएं भी लगातार बढ़ रही हैं. इलाके में स्ट्रीट लाइटों की स्थिति भी खराब है. कई लाइटें लंबे समय से बंद पड़ी हैं, जिसके कारण शाम होते ही पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूब जाता है. अंधेरा होने से आम लोगों और व्यापारियों को आवाजाही में दिक्कत होती है. नगर निगम वार्ड संख्या 20 के इस प्रमुख व्यापारिक इलाके में प्रतिदिन करोड़ों रुपये का कारोबार होता है, लेकिन बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है. न शौचालय की व्यवस्था है, न साफ पेयजल उपलब्ध है और न ही नियमित सफाई होती है. कचरा उठाव की अनियमितता के कारण सड़कें गंदगी से अटी रहती हैं. इलाके की नालियों का निर्माण भी अव्यवस्थित तरीके से हुआ है, जिससे सफाई संभव नहीं हो पाती है. बाजार में पार्किंग की कोई व्यवस्था न होने से सड़क पर ही वाहन खड़े रहते हैं, जिससे जाम की समस्या रोजाना बढ़ रही है. सबसे बड़ी परेशानी महिलाओं के लिए शौचालय की उपलब्ध नहीं है. जबकि आसपास हजारों दुकानदार और ग्राहक रोज आते हैं. इतना बड़ा व्यापारिक इलाका होने के बावजूद निगम की ओर से एक भी शौचालय नहीं बनाया गया है. स्थानीय लोगों ने दिए सुझाव कि सभी जर्जर सड़कों की जल्द मरम्मत कराई जाए, बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को ठीक किया जाए,महावीर चौक के पास मॉड्यूलर शौचालय का निर्माण हो और नालियों की नियमित सफाई की जाए ताकि जलजमाव न हो. लोगों का कहना है कि शहर की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला यह प्रमुख बाजार उपेक्षा का शिकार है, और तुरंत ठोस कदम उठाना बेहद जरूरी है.

विमेंस कॉलेज में युवा महोत्सव में एक मंच पर दिखा सात राज्यों का लोकनृत्य

क्लासिकल, फोक और ट्राइबल डांस प्रतियोगिता का आयोजन

रांची, संवाददाता ।

विमेंस कॉलेज के मैत्रेयी हॉल सभागार में मंगलवार को युवा महोत्सव नवरंग के बैनर तले क्लासिकल, फोक और ट्राइबल डांस प्रतियोगिता का आयोजन हुआ. इसमें विभिन्न विषयों विभाग के छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. इसके साथ ही सात राज्यों का लोकनृत्य एक मंच पर दिखा. जिसमें बंगाल, असम, उतराखंड, झारखंड, कश्मीर और बिहार राज्यों की लोकनृत्य की प्रस्तुति हुई. कार्यक्रम का संचालन डॉ. शैलजा बाला ने किया. जजमेंट पैनल में डॉ. सीमा प्रसाद, डॉ. पूनम धान और डॉ. राजबाला कुमारी शामिल रहीं. जिन्होंने प्रतिभागियों की प्रस्तुति का निर्देशन और मूल्यांकन किया. क्लासिकल डांस प्रतियोगिता में समाजशास्त्र विभाग की सेमेस्टर-1 की छात्रा अरसीता भट्टाचार्य का आकर्षण रहा. उनके साथ सीए विभाग की नरसी कुमारी, भूगोल विभाग और संगीत विभाग की छात्राओं ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का ध्यान खींचा और खूब तालियां बटोरी. फोक डांस प्रतियोगिता में पूर्वोत्तर से लेकर कश्मीर और झारखंड तक की सांस्कृतिक झलकिया एक मंच पर दिखी. छात्राओं ने बिहू, बांग्ला, कश्मीरी, झिझिया, असमीया और उत्तराखंड के पारंपरिक लोक नृत्यों को मनमोहक अंदाज में प्रस्तुत किया.

बिहार के 4 अपहरणकर्ता गिरफ्तार, शादी समारोह से अगवा किए गए युवक को रांची पुलिस ने सकुशल बचाया

रांची, संवाददाता ।

जिले के एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक हाई-प्रोफाइल अपहरण के मामले को 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया है. बीते 23 नवंबर की देर रात दलादली ओपी क्षेत्र स्थित द पैलेस बैंक्वेट हॉल अपनी बहन की शादी में शामिल हुए एक युवक को अगवा कर लिया गया था. पुलिस ने न केवल अगवा किए गए युवक सुमित सोनी को सकुशल बरामद किया, बल्कि फिरौती मांगने वाले चार आरोपियों को भी बिहार के डोभी, गया से धर दबोचा. यह घटना तब सामने आई जब 24 नवंबर को पीड़ित के पिता शिवशंकर प्रसाद (उम्र करीब 65 वर्ष, निवासी ग्राम गुडहट्टी गली, वार्ड नं0-25, थाना नगर थाना, आरा, जिला भोजपुर, बिहार) ने नगर थाना, आरा में आकर इसकी सूचना दी. शिवशंकर प्रसाद ने बताया कि 23 नवंबर की रात रांची के द पैलेस बैंक्वेट हॉल में उनकी बेटी की शादी थी. देर रात करीब दो बजे, उनके बेटे सुमित सोनी ने उन्हें फोन कर बताया कि चार अपराधियों ने उसे अगवा कर लिया है. अपहरणकताओं ने सुमित की रिहाई के बदले में बीस लाख रुपये की फिरौती की मांग की थी और धमकी दी थी कि यदि राशि नहीं दी गई तो उसे जान से मारकर फेंक दिया जाएगा.

पुलिस की त्वरित कार्रवाई और टीम गठन

घटना की गंभीरता को देखते हुए, एसएसपी ने कार्रवाई का निर्देश दिया. जिसके बाद ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया. गठित टीम ने तकनीकी और गोपनीय सूचनाओं के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, अपहरण किए गए सुमित सोनी को सकुशल बरामद कर लिया और चारों अपहरणकताओं को बिहार के डोभी, गया से पकड़कर रांची लाया गया. गिरफ्तार किए गए अपराधकर्मियों में नारायण कुमार, सोनू कुमार विश्वकर्मा, सुमित कुमार और हर्ष कुमार शामिल है. पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि अपहरण की यह घटना फिरौती के लिए की गई एक सोची-समझी षडयंत्र थी. चारों अपराधकर्मी आरा, बिहार से एक सफेद रंग के वाहन से रांची आए थे. जांच में यह पता चला कि इन अपराधियों ने पीड़ित सुमित सोनी को कर्ज के रूप में कुछ राशि दी थी, जिसे प्राप्त करने के उद्देश्य से ही उन्होंने यह कदम उठाया.

रांची में भारत-साउथ अफ्रीका वनडे मैच को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, क्रिकेट खिलाड़ियों का आगमन शुरू

रांची, संवाददाता ।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच रांची में होने वाले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच को लेकर क्रिकेट खिलाड़ियों का रांची आगमन मंगलवार से शुरू हो जाएगा. ऐसे में एयरपोर्ट से होटल तक खिलाड़ियों के लिए ट्रैफिक पुलिस के द्वारा विशेष तैयारी की गई है.

स्टार खिलाड़ियों का आगमन मंगलवार से

भारतीय टीम के कई खिलाड़ी मंगलवार को ही रांची पहुंच रहे हैं. जबकि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे स्टार खिलाड़ी बुधवार को रांची पहुंचेंगे. वहीं बाकी पूरी भारतीय टीम और दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 27 नवंबर को रांची पहुंचेगी. अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के रांची आगमन को लेकर रांची ट्रैफिक पुलिस के द्वारा विशेष इंतजाम किए गए हैं. रांची पुलिस के द्वारा एयरपोर्ट से लेकर होटल रेडिसन ब्लू तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम तो किए ही गए हैं. साथ ही साथ खिलाड़ियों को एयरपोर्ट से सुरक्षित होटल पहुंचने के लिए विशेष कारकेड का इंतजाम किया गया है.

जगह-जगह की गई जवानों की तैनाती

इस संबंध में रांची के ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने बताया कि खिलाड़ियों के रांची आगमन को लेकर मंगलवार से ही ट्रैफिक रूट पर जवानों का डेप्लॉयमेंट कर दिया गया है. रांची एयरपोर्ट से होटल तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ियों को सुगमता से पहुंचने के लिए ट्रैफिक जवानों को जगह-जगह पर तैनात किया गया है.

प्रैक्टिस सेशन के लिए भी विशेष इंतजाम

भारत और दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 28 नवंबर और 29 नवंबर को स्टेडियम में पहुंचकर प्रैक्टिस सेशन में भी भाग लेगी. ऐसे में होटल से लेकर स्टेडियम तक क्रिकेट खिलाड़ियों को ले जाने के लिए भी ट्रैफिक रूट का निर्धारण कर दिया गया है. रूट पर एक दर्जन से ज्यादा ट्रैफिक के जवान तैनात रहेंगे. इसके अलावा सुरक्षा के लिए पुलिस बल की भी तनाती की गई है.

कौन-कौन खिलाड़ी पहुंच रहे हैं पहले

आपको बता दें कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रहे टेस्ट मैच की वजह से भारतीय टीम के अधिकांश खिलाड़ी 27 नवंबर को रांची पहुंचेंगे. जानकारी के अनुसार एक दिवसीय टीम में शामिल ऋतुराज गायकवाड, हर्षित राणा, तिलक वर्मा, प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षदीप सिंह मंगलवार को ही रांची पहुंच जाएंगे. जबकि रोहित शर्मा और विराट कोहली बुधवार को रांची पहुंचेंगे.

हायर मुस्लिम एजुकेशनल सोसायटी रांची ने सर्वधर्म सद्भावना समिति के अध्यक्ष मो. इसलाम सहित विभिन्न सामाजिक संगठन के प्रमुख लोगों को सम्मानित किया

संवाददाता । रांची

रांची। हायर मुस्लिम एजुकेशनल सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित मौलाना अबुल कलाम आजाद जयंती शिक्षा दिवस के अवसर पर सोसायटी के अध्यक्ष (शासी निकाय) मोख्तार अंसारी एवं मौलाना आजाद कालेज के प्रिंसिपल डॉ. परवेज अख्तर ने संयुक्त रूप से सामाजिक कार्यों में उत्कृष्ट कार्य करने के फलस्वरूप सर्वधर्म सद्भावना समिति के अध्यक्ष मो. इसलाम, झारखंड मुस्लिम युवा मंच के अध्यक्ष शाहिद अय्यूबी, पार्षद नसीम गद्दी, मौलाना तौफीक कादरी एवं सामाजिक कार्यकर्ता मो. नईम को शाल,मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर मौलाना आजाद अवार्ड से नवाजते हुए वसम्मानित किया। उक्त अवसर पर सोसायटी के अध्यक्ष (शासी निकाय) मोख्तार अंसारी एवं मौलाना आजाद कालेज के प्रिंसिपल डॉ. परवेज अख्तर ने कहा कि सर्वधर्म के सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में उपरोक्त सभी लोगों को उत्कृष्ट सहयोग एवं सराहनीय भूमिका के फलस्वरूप सोसायटी द्वारा मौलाना आजाद डे के अवसर पर सम्मानित किया गया एवं आने वाले वर्ष में भी समाज हित में अच्छे कार्य करने वाले प्रबुद्ध लोगों को सोसायटी द्वारा सम्मानित किया जाएगा। उक्त अवसर पर अब्दुल खालिक (नन्हू), परवेज आलम, महमूद आलम, अमानुल्लाह एडवोकेट, प्रोफेसर मालती शर्मा, परवेज अहमद,गुलफरा, खालिद अहमद,मो. फारूक सहित हायर मुस्लिम एजुकेशनल सोसायटी रांची एवं मौलाना आजाद कालेज रांची के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मांडर कॉलेज में हाहाकार, नागपुरी-उर्दू सहित कई विभागों में शिक्षक शून्य, पानी की बूंद को तरस रहे छात्र!

संवाददाता । रांची

रांची।मांडर कॉलेज, मांडर में शिक्षकों की भारी कमी, बुनियादी सुविधाओं के अभाव और प्रशासनिक उदासीनता के खिलाफ आज एनएसयूआई ने कॉलेज परिसर में शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ धरने में शामिल हुए और कॉलेज प्रशासन एवं रांची विश्वविद्यालय से तत्काल ठोस कार्रवाई की मांग की।

धरना एनएसयूआई रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष अधिवक्ता कैफ अली के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। आंदोलन का नेतृत्व एनएसयूआई मांडर कॉलेज अध्यक्ष अमन शहजाद, एनएसयूआई रांची विश्वविद्यालय महासचिव अबू राफे, तथा कॉलेज उपाध्यक्ष अबू सानीब ने किया।

छात्र नेताओं ने बताया कि कॉलेज में उर्दू, नागपुरी, इंग्लिश, एंथ्रोपॉलॉजी, संस्कृत सहित कॉमर्स विभाग में भी एक भी शिक्षक उपलब्ध नहीं है। इसके कारण सैकड़ों छात्रों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है और कक्षाएँ नियमित रूप से संचालित नहीं हो पा रही हैं।इसके अतिरिक्त कॉलेज में पीने योग्य स्वच्छ पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। शौचालयों की हालत अत्यंत खराब है, जिससे छात्र-छात्राओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

छात्रों ने यह भी बताया कि नए विद्यार्थियों को अब तक आइडेंटिटी कार्ड उपलब्ध नहीं कराए गए, जिसके चलते वे लाइब्रेरी का उपयोग भी नहीं कर पा रहे हैं।

धरने के दौरान एनएसयूआई रांची विश्वविद्यालय महासचिव अबू राफे ने कॉलेज प्रशासन को 7 दिनों की समय-सीमा दी और स्पष्ट चेतावनी जारी की ह्यदि 7 दिनों के भीतर सभी मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो एनएसयूआई अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेगी और आंदोलन को और तेज किया जाएगा।ह्व एनएसयूआई ने कहा कि छात्रों के अधिकारों, शिक्षा की गुणवत्ता और बुनियादी सुविधाओं को लेकर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि प्रशासन ने समय पर कार्रवाई नहीं की, तो जिम्मेदारी भी उसी की होगी।

नहीं रहे 'गरीबों के मसीहा' डॉ. नागेंद्र सिंह

संवाददाता । रांची

के मसीहा कहे जाने वाले डॉ. नागेंद्र सिंह (70) का सोमवार की रात निधन हो गया। उन्हें कुछ दिनों से सांस लेने में गंभीर दिक्कत हो रही थी। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें रविवार शाम को एयर एंबुलेंस से नई दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके निधन की खबर फैलते ही शहर में शोक की लहर दौड़ गई है। डॉ. सिंह का जन्म बिहार के दरभंगा जिला अंतर्गत पनिहार गांव में 1955 को एक किसान परिवार में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा कमतौल गांव में हुई। अनुग्रह नारायण मेडिकल कॉलेज से उन्होंने एमबीबीएस की डिग्री ली। रांची के रिम्स से मास्टर ऑफ सर्जन (एमएस) की पढ़ाई की। उनका अंतिम संस्कार बुधवार को सुबह करीब 9 बजे होगा। डॉ. नागेंद्र सिंह को समाज के प्रति अतुलनीय योगदान और मानवीय दृष्टिकोण के लिए जाना जाता था। उन्होंने 15 हजार से अधिक मरीजों का निश्शुल्क इलाज किया था। आदिम जनजाति सबर समुदाय के पांच गांवों को गोद लेकर वहां के लोगों की मेडिकल जरूरतों को खुद पूरा करते थे। इलाज, दवा से लेकर जरूरत पड़ने पर मरीजों को घर तक छोड़ने की व्यवस्था भी वे करते थे। उनकी इसी सेवा भावना को देखते हुए झारखंड सरकार ने दो बार केंद्र सरकार को उनका नाम पद्मश्री के लिए भेजा था। अपनी मां गंगा देवी की स्मृति में वे हर वर्ष स्वास्थ्य शिविर लगाते थे, जिसमें गरीब मरीजों के निःशुल्क सर्जिकल उपचार से लेकर अन्य चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराते थे। डॉ. नागेंद्र सिंह अपने पीछे पत्नी, एक पुत्री और एक पुत्र छोड़ गए हैं। उनकी पुत्री भी डॉक्टर है, जबकि पुत्र एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा है। हाल ही में उनकी बेटी का विवाह एमजीएम मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. एसी अखौरी के पुत्र से हुआ था। उनके निधन पर आईएमए, जमशेदपुर ने गहरी संवेदना व्यक्त की है।

बहरागोड़ा में सबसे पहले खोला था नर्सिंग होम

बहरागोड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 1989 में पदस्थापित चिकित्सक एवं गरीबों की सेवा से पहचान बनाने वाले डॉ. नागेंद्र सिंह ने सबसे पहले 1990 में बहरागोड़ा में गंगा नर्सिंग होम खोला था। इसी बीच 1995 को इस नर्सिंग होम में भयंकर डकैती हुई थी। इसके बाद उन्होंने 1996 में घाटशिला स्थित राजस्टेट गांव में एक किराए के मकान में सिंह नर्सिंग खोला। पहली बार 2003 में लेप्रोस्कोपी विधि से ऑपरेशन की शुरूआत की थी। वर्ष 2008 में मानगो के डिमना रोड पर गंगा मेमोरियल नर्सिंग होम एंड रिसर्च सेंटर शुरू किया।

शादी समारोह से अगवा किए गए युवक को पुलिस ने सकुशल बचाया, 4 अपराधी धराए

संवाददाता । रांची

जिले के एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक हाई-प्रोफाइल अपहरण के मामले को 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। बीते 23 नवंबर की देर रात दलादली ओपी क्षेत्र स्थित द पैलेस बैंक्वेट हॉल अपनी बहन की शादी में शामिल हुए एक युवक को अगवा कर लिया गया था। पुलिस ने न केवल अगवा किए गए युवक सुमित सोनी को सकुशल बरामद किया, बल्कि फिरौती मांगने वाले चार आरोपियों को भी बिहार के डोभी से धर दबोचा। अपहरणकर्ताओं ने सुमित की रिहाई के बदले में बीस लाख रुपये की फिरौती की मांग की थी और धमकी दी थी कि यदि राशि नहीं दी गई तो उसे जान से मारकर फेंक दिया जाएगा। घटना की गंभीरता को देखते हुए, एसएसपी ने कार्रवाई का निर्देश दिया। जिसके बाद ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने तकनीकी और गोपनीय सूचनाओं के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, अपहरण किए गए सुमित सोनी को सकुशल बरामद कर लिया और चारों अपहरणकर्ताओं को बिहार के डोभी, गया से पकड़कर रांची लाया गया। गिरफ्तार किए गए अपराधकर्मियों में नारायण कुमार, सोनू कुमार विश्वकर्मा, सुमित कुमार और हर्ष कुमार शामिल है।

मौसम में बदलाव के कारण ओपीडी में बढ़ गई इंफ्लुएंजा मरीजों की तादाद

संवाददाता । रांची

मौसम पल-पल बदल रहा है। दिन में तेज धूप और दोपहर के बाद तापमान में अचानक गिरावट से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इसका बच्चों के स्वास्थ्य पर सीधा असर देखा जा रहा है। वहीं बड़े लोग भी इससे अछूते नहीं हैं। हालात ये है कि हर तीसरा व्यक्ति वायरल की चपेट में है। वहीं तापमान में गिरावट से सर्दी-खांसी तो आम हो गई है। वहीं इसे ठीक होने में भी सामान्य की तुलना में ज्यादा समय लग रहा है। ऐसे में डॉक्टरों के पास मरीजों की लंबी लाइन लगी है। वहीं हॉस्पिटलों की बात करें तो वहां भी ओपीडी में मरीजों की तादाद में इजाफा हुआ है। डॉक्टर लोगों को खुद से यामेडिकल स्टोर से पूछकर एंटी बायोटिक दवाएं लेने से मना कर रहे है, ताकि लोगों के शरीर पर इसके दुष्प्रभाव को रोका जा सके। रांची के विभिन्न हॉस्पिटलों और क्लिनिकों में वायरल इंफेक्शन से पीड़ित बच्चों की संख्या तेजी से बढ़ी है। पेडियाट्रिक के डॉक्टरों का कहना है कि पिछले एक सप्ताह में ठंड के साथ-साथ दिन और रात के तापमान में उतार-चढ़ाव ने बच्चों को ज्यादा संवेदनशील बना दिया है। प्रदूषण और खराब एयर क्वालिटी ने भी स्थिति को गंभीर कर दिया है। इस वजह से बच्चों में इंफेक्शन बढ़ा हुआ है। अगर यही स्थिति रही तो आने वाले दिनों में बच्चों को और ज्यादा परेशानी हो सकती है।

राज्य सरकार पर लगाया 2000 रुपये का जुर्माना

झारखंड हाईकोर्ट ने सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर लगाई रोक

संवाददाता । रांची

देवघर जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र में दर्ज मामले को रद्द करने की मांग को लेकर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे की ओर से दायर याचिका पर झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत में राज्य सरकार की ओर से दूसरी बार जवाब दायर करने के लिए समय मांगने पर अदालत ने 2000 रुपये का जुमार्ना लगाया है। सांसद निशिकांत दुबे ने मोहनपुर थाना कांड संख्या 281/2024 में दर्ज प्राथमिकी और उनके विरुद्ध दायर चार्जशीट को चुनौती देते हुए उसे निरस्त करने का अनुरोध किया है। अदालत ने इस प्रकरण में दुबे के खिलाफ किसी भी तरह की पीड़क कार्रवाई पर रोक जारी रखी है। सांसद के खिलाफ दर्ज मामले में आरोप है कि मोहनपुर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति, जो बाजार में बैल की खरीदी-बिक्री करता था, उसे निशिकांत दुबे ने बांग्लादेशी घुसपैठिया बताते हुए मारपीट की और उसका बैल भगा दिया था। बाद में उस व्यक्ति को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया था। दुबे का कहना है कि उस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा गाय-बैलों की तस्करी की जाती है, जिसकेसंदेह में उन्होंने कार्रवाई की थी।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा जागरूकता कार्यक्रम

RAH सोसाइटी की टीम ने बागदा पंचायत ओर मुदुलसुदी पंचायत में चलाया अभियान

संवाददाती

बेरमो - सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखंड सरकार की ओर से संचालित जागरूकता कार्यक्रम के तहत आज बागदा पंचायत ओर मृदुल सुदी में विशेष अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन फअल सोसाइटी की टीम ने किया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। कार्यक्रम में टीम ने सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता एवं जनकल्याण से जुड़ी सूचनाओं को सरल भाषा में ग्रामीणों तक पहुँचाया। अभियान का नेतृत्व टीम लीडर कुमार गौरव ने किया। टीम लीडर कुमार गौरव का बयान सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान का उदेश्य ग्रामीणों को योजनाओं की सही जानकारी उपलब्ध कराना है। बागदा और मृदुलसुदी में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे यह स्पष्ट है कि जागरूकता की जरूरत और महत्व दोनों को लोग समझ रहे हैं। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में बहुत सुविधा होती है।

ब्रीफ न्यूज

रांची के कलाकारों ने स्व धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि अर्पित की

संवाददाता ।

रांची। रांची के कलाकारों एवं संगीत प्रेमियों ने स्वर्गीय धर्मेंद्र जी को श्रद्धांजलि अर्पित की उनके 60 साल के फिल्मी करियर पर अपने-अपने विचार व्यक्त किया उनकी याद में उनकी फिल्म के गाने भी गुनगुनाए। उनकी पहली 1960 की फिल्म ₹ दिल भी तेरा हम भी तेरे ₹ का गीत , पल पल दिल के पास इत्यादि गाकर श्रद्धांजलि अर्पित की । धर्मेंद्र की एक फिल्म आने वाली है जिसमें महानायक अमिताभ बच्चन का पोता ने अभिनय किया है। बॉलीवुड एक्टर देवेश खान ने बताया कि धर्मेंद्र जी एक महान कलाकार थे सदाबहार कलाकार थे और बहुत अच्छे इंसान भी थे। मैंने उनके घर जाकर अपनी शादी का कार्ड दिया उन्होंने आने का वादा किया था और उन्होंने अपना वादा पूरा भी किया वह मेरी शादी में आए थे । इस मौके बुलंद अख्तर,आनंद जालान, कुमार गहलोत, गिरिजा शंकर, किशन अग्रवाल आदि मौजूद थे।

उभरते हुए प्रतिभाशाली कलाकारों के हुनर को प्रकाश में लाने का प्रयास प्रिंट स्टोरीज फ्रॉम रेड सॉइल

संवाददाता ।

रांची।मुंबई के व्यस्ततम व्यावसायिक इलाके फोर्ट में एक नया वैकल्पिक कला स्पेस मंडपो की शुरूआत हुई है इसकी संकल्पना और संचालन नई पीढ़ी के प्रतिभाशाली मल्टीडिसीप्लिनरी सुजित पोद्दार की है जो खुद ही झारखंड के है, उनका जन्म स्थान चाईबासा है और वर्तमान में चांडिल ये सपरिवार रहते है इन्होंने अपनी पढ़ाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स पटना यूनिवर्सिटी से करने के बाद अपना कला की अभ्यास बडौदा और मुंबई जैसे महानगर में करते रहे, इसी दरम्यान इन्हें एक स्पेस खोलने का मौका मिला वैकल्पिक कला स्पेस हैं जो और जिसका नाम मंडपों हैं ,बहुत कम समय में इसकी पहचान उभरते हुए प्रतिभाशाली कलाकारों के हुनर को प्रकाश में लाने वाले स्पेस के रूप में हुई है . इन दिनों मंडपो में ह्लप्रिंट स्टोरीज फ्रॉम रेड सॉइलह्व प्रदर्शनी चल रही है. इसमें नौ ऐसे कलाकार सम्मिलित हैं जो झारखंड के सुता रा आर्ट स्टूडियो के साथ सहयोग किया है, इन कृतियों को रांची की कलाकार हेम लता ने क्यूरेट किया है, प्रदर्शनी में रांची के अजीत दुबे , रामानुज शेखर और विनोद रंजन जैसे वरिष्ठ कलाकार हैं अर्चना जैन छत्तीसगढ़ और मोना गुप्ता उड़ीसा से साथ ही अभिजीत सिंह , जयश्री सिंह देव और विजय बेनीवाल की कृतियाँ भी प्रदर्शित की गई हैं , इन प्रिंट कलाकृतियों को देख कर लगता है कि प्रिंट कला का रूप किसी कलाकार को कल्पना, रचनात्मकता, शारीरिक परिश्रम, तकनीकी प्रक्रियाओं, नवाचार और आनंद–इन सभी पड़ावों से गुजरते हुए एक अनोखी यात्रा पर ले जाता है. युवा तुर्की कलाकार अलेव ओगुज ने कहा था कि कला एक मुक्त आत्मा की यात्रा है , यह बात मंडपो में प्रदर्शित कलाकारों की कृतियों में स्पष्ट दिखाई देती है . अभी यह प्रदर्शनी २५ नवम्बर तक जारी रहेगी .

इरफान के आगे गिरगिट भी शरमा जाएगा मानसिक इलाज की आवश्यकता : सीपी सिंह

संवाददाता ।

रांची।: एसआईआर को लेकर दिए गए बयान के बाद विवादों में आए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। चुनाव आयोग द्वारा जामताड़ा जिला प्रशासन से मांगी गई रिपोर्ट के बाद, मंत्री इरफान अंसारी पर प्रशासनिक कार्रवाई का शिकंजा कसने की संभावना बढ़ गई है। हालांकि उन्होंने अपने बयान से मुकरते हुए बीजेपी पर दुष्प्रचार का आरोप लगाया है। बीजेपी विधायक सीपी सिंह ने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के बयान की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से गिरगिट रंग बदलता है, ठीक उसी तरह मंत्री इरफान अंसारी भी बयान बदलते हैं, उनके सामने गिरगिट भी शर्मा जाएगा। बीजेपी विधायक ने मंत्री द्वारा बयान बदलने पर कहा कि देश में एक 'पप्पू' है और दूसरा 'पप्पू' इरफान अंसारी झारखंड में बनना चाहते हैं क्योंकि वे अपनी तुलना कांग्रेस नेता राहुल गांधी से कर रहे हैं। बीजेपी विधायक ने कहा कि मंत्री इरफान अंसारी को इलाज की जरूरत है और जिस व्यक्ति को खुद इलाज की जरूरत है, वह झारखंड के सवा तीन करोड़ जनता के स्वास्थ्य का क्या ख्याल रखेगा? बीजेपी विधायक ने मीडिया से इरफान अंसारी की बातों को महत्व नहीं देने की अपील की।

युवाओं के साथ क्रूर मजाक कर रही हेमंत सरकार : प्रतुल शाहदेव

संवाददाता ।

रांचीः झारखंड सरकार के श्रम विभाग की नई गजट अधिसूचना को लेकर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि अबुआ सरकार की गजब कहानी है। 11 मार्च 2024 को श्रम नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा जारी गजट में अतिकुशल श्रेणी में राजमिस्त्री, भट्ठा मजदूर, ईंट पारने वाले और बावर्ची तक को शामिल किया गया है। लेकिन, वर्षों की तकनीकी पढ़ाई करने वाले स्टाफ नर्स, लैब टेक्नीशियन, एक्स-रे टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट और अन्य पैरामेडिकल कर्मियों का कोई उल्लेख नहीं किया गया है। उन्होंने इसे युवाओं के साथ क्रूर मजाक बताते हुए कहा कि लाखों रुपए खर्च कर तीन वर्ष की पढ़ाई करने वाले युवाओं को सरकार ने न तो कुशल और न ही अति कुशल श्रेणी में रखा, जिससे उनकी नियुक्ति और वेतन दोनों अनिश्चित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पैरामेडिकल स्टाफ को विभिन्न विभाग और आउटसोर्सिंग एजेंसियां अपनी सुविधा के अनुसार सामान्य या कुशल श्रेणी में भुगतान करती हैं, जबकितकनीकी रूप से उन्हें अति कुशल श्रेणी में होना चाहिए।तमाड़ थाना अंतर्गत कुबासाल बाजार में तमाड़ पुलिस ने अफीम की खेती के विरुद्ध अभियान चलाया। ग्रामीणों को अफीम की फसल की बजाय सब्जी की खेती करने की अपील की गई। बता दें कि तमाड़ पुलिस एक सप्ताह से दर्जनों गांव में पोस्ता की खेती रोकने को लेकर अभियान चलाया गया है। साथ ही पिछले वर्ष प्रशासन की ओर से की गई कार्रवाई से भी ग्रामीणों को अवगत कराया गया। इसी कड़ी में पुलिस अफीम की खेती के विरुद्ध लगातार अभियान चला रही है।

एसी कमरों से नहीं, गांव और ग्रामीणों के विकास के लिए गांव से ही चल रही हेमंत सरकार : संजीव सरदार

जमशेदपुर, संवाददाता

पोटका विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में विधायक संजीव सरदार ने कुल 36 लाख 78 हजार रुपए की लागत राशि से स्वीकृत 7 विकास योजनाओं का विधिवत शिलान्यास किया। सभी कार्यक्रमों की शुरूआत पारंपरिक रूप से पूजा-अर्चना व नारियल फोड़कर की गई। इस दौरान ग्रामीणों ने अपने पारंपरिक नृत्य-संगीत के साथ नगाड़ा बजाकर विधायक का स्वागत भी किया। विधायक निधि से निर्मित हो रही ये योजनाएं ग्रामीणों की मूल आवश्यकताओं को पूरा कर गांवों को आधारभूत सुविधाओं से मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इस अवसर पर विधायक संजीव सरदार ने कहा कि गांवों की मांग और जनभागीदारी को प्राथमिकता देते हुए योजनाओं का चयन किया गया है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार योजनाएं बनाती थी। ताकि उनके पूंजीपति मित्रों को लाभ हो सके। लेकिन हेमंत सोरेन सरकार योजनाएं इसीलिए लाती है कि जनता को सीधा लाभ मिले। हमारा लक्ष्य है कि विकास अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई भी जरूरतमंद परिवार वंचित न रहे। आगे उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और पोटका विधानसभा में विकास कार्यों को और तेज गति देने का कार्य निरंतर जारी है। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों से आगामी 21 नवंबर से 15 दिसंबर तक चल रहे कार्यक्रम 'आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वारह्ल में शामिल होने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि इस दौरान प्रखंड, अंचल और विभिन्न विभागों के अधिकारी गांवों तक पहुंचकर योजनाओं की जानकारी देने के साथ लाभ भी उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता तक नहीं, जनता के द्वार तक पहुंचना चाहिए। इसलिए यह कार्यक्रम आपके सुविधा, आपके अधिकार और आपके सशक्तिकरण के लिए है। आप सब इसका अधिक से अधिक लाभ उठाएं। मौके पर पूर्व पार्षद चंद्रावती महतो, हीरामनी मुर्मू, झामुमो पोटका प्रखंड अध्यक्ष सुधीर सोरेन, झामुमो नेता सुनील महतो समेत अन्य भी मौजूद थे।

इन योजनाओं का हुआ शिलान्यास :-

1. हाथीबिंधा पंचायत-कोकदा मुंडा टोला में दिलीप पात्र के घर से रोड़े मुंडा के घर तक पेबर्स ब्लॉक पथ निर्माण
2. आसनबनी पंचायत - दिगारसाई में गोपाल वान्ड्रा के घर से विक्रम सिंह के घर तक पेबर्स ब्लॉक पथ निर्माण
3. कुलडीहा पंचायत - कालापाथर में अनिरूद्ध भकत के घर से शंकर भकत के घर तक पेबर्स ब्लॉक पथ निर्माण
4. भाटीन पंचायत - एनपीएस हरिजन बस्ती से पुलिया तक पक्का नाली निर्माण
5. हाड़तोपा पंचायत - मुगाघुंटू पल्ली समिति में किचन शेड निर्माण
6. माटकु पंचायत - खिकड़ीघुटू में सुनाराम मुर्मू के घर से सुधीर मार्डी के घर तक पेबर्स ब्लॉक पथ निर्माण
7. शंकरदा पंचायत - भुटका में भोदो मार्डी के तालाब में स्नान घाट निर्माण।

हर गांव-हर घर पहुंच रही सेवा, सरकार आपके द्वार अभियान ने ग्रामीणों को दी ताकत

जमशेदपुर, संवाददाता

पोटका प्रखंड अंतर्गत बालिजुरी पंचायत में आयोजित आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक संजीव सरदार ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे और ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए शिविर में तुरंत सेवाएं भी प्रदान की। पंचायत स्तर पर आयोजित यह कैंप ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखकर आयोजित किया गया। ताकि लोग बिना किसी परेशानी के सीधे अपने पंचायत में लाभ प्राप्त कर सकें। वहीं कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और अनेक विभागों द्वारा पेंशन, आवास, जाति प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा, खाद्यान्न एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन और स्वीकृति पत्र प्राप्त किए। साथ ही अधिकारियों ने मौके पर ही कई मामलों का समाधान किया। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर पूरे राज्य में चलाया जा रहा है। ताकि हर पात्र परिवार सरकारी योजनाओं से जुड़ सके और किसी को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इस अवसर पर विधायक संजीव सरदार ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार जनता के द्वार तक पहुंच रही है। हमारी मंशा साफ है कि हर परिवार को योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा और बिना किसी देरी के मिले। एक भी पात्र परिवार वंचित न रहे, यही हमारा संकल्प है। उन्होंने सभी ग्रामीणों से अपील की है कि वे इस अभियान का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने गांव के विकास में सक्रिय रूप से भाग लें। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार जनहित के लिए निरंतर कार्य कर रही है और विकास को सबसे पहले लोगों तक पहुंचाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मौके पर सीओ निकिता बाला, बीडीओ अरुण मुंडा, पूर्व जिला परिषद हीरामणि मुर्मू, पूर्व जिला परिषद चन्द्रवती महतो, झामुमो नेता सुनील महतो समेत अन्य भी मौजूद थे।

बोकारो थर्मल पावर प्लांट से विद्युत का उत्पादन 12 दिनों से है बन्द, डीवीसी को अब तक रु70 करोड़ का नुकसान

बेरमो। डीवीसी बोकारो थर्मल पावर प्लांट का उत्पादन विगत बारह दिनों से बंद होने के कारण प्रतिदिन 5.71 करोड़ रुपए विद्युत उत्पादन का नुकसान हो रहा है । अब तक रु 70 करोड़ का नुकसान हो चुका है। उक्त की जानकारी वरीय महाप्रबंधक सुशील कुमार अरजरीया ने देते हुए बताया कि डीवीसी की एस पौंड से छाई ट्रांसपोर्टिंग हाइवा एसोसिएशन के आंदोलन के कारण 15 जुलाई से लगातार चार महीनों से बंद है जिससे एस पौंड में छाई पूरी तरह से भर गई है। अब एस पौंड खाली करने की प्रक्रिया शुरू किया गया है और ट्रांसपोटर को जल्दी एस पौंड को खाली करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही कहे कि प्लांट के टरबाइन में कुछ तकनीकी खराबी आई है जिसका भी भेल कंपनी के द्वारा मरम्मत करवाया जा रहा है। सब ठीक ठाक रहा तो आज रात्रि तक प्लांट चालू कर देने की बात कही।साथ ही कहे कि बोकारो थर्मल प्लांट से रेलवे रैक के द्वारा भी एक हजार टन प्रतिदिन सुखा छाई ट्रांसपोर्ट करने की योजना है। बोकारो थर्मल के इस पावर प्लांट से 500 मेगावाट विद्युत उत्पादन की क्षमता है।

भाकपा माले झारखंड की स्थाई कमिटी बैठक धनबाद में संपन्न, बिहार चुनाव और श्रम संहिता पर हुई समीक्षा

धनबाद, संवाददाता

भाकपा माले झारखंड राज्य की स्थाई कमिटी की बैठक शुक्रवार को धनबाद परिसदन में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता राज्य सचिव कॉ. मनोज भक्त ने की, जबकि बैठक को राष्ट्रीय महासचिव कॉ. दीपंकर भट्टाचार्य ने संबोधित किया। बैठक के मुख्य एजेंडा में बिहार चुनाव की समीक्षा, देश के विभिन्न राज्यों में मतदाता पुनरीक्षण कार्यों की समीक्षा, और 21 नवंबर को लागू हुए चार श्रम संहिता पर चर्चा प्रमुख रूप से शामिल थे। कॉ. दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि बिहार चुनाव में रक्फ़ ने काफी प्रभाव डाला। 70 लाख मतदाताओं के नाम काटे गए और बाद में 25 लाख लोगों के नाम जोड़ना संदेहास्पद रहा। उन्होंने कहा कि श्रम संहिता मजदूरों के हितों को नुकसान पहुंचाने वाली है और इसे मजदूरों की गुलामी का दस्तावेज करार दिया। उन्होंने किसानों और आदिवासियों के अधिकारों पर दबाव और नक्सल के नाम पर उत्पीड़न को भी चिंता का विषय बताया। बैठक में माइक्रोफाइनेंस कर्ज में फंसी महिलाओं की दयनीय स्थिति पर भी चर्चा की गई और आंदोलन के माध्यम से सुधार की बात कही गई।

पार्टी संगठन और प्रशिक्षण पर जोर

पोलित ब्यूरो सदस्य सह पूर्व विधायक कॉ. आनन्द महतो ने कहा कि पार्टी की मजबूती के लिए गांव स्तर पर जनसंगठनों का विस्तार करना आवश्यक है। कार्यकताओं को समय-समय पर पार्टी क्लास के माध्यम से मार्क्सवाद से लैस किया जाएगा और सांगठनिक ढांचे को मजबूत किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि स्थानीय रोजगार, विस्थापन और श्रमिक हितों को लेकर 20 जनवरी को राज्यस्तरीय कन्वेंशन धनबाद में आयोजित किया जाएगा।

बैठक में उपस्थित प्रमुख सदस्य

पोलित ब्यूरो सदस्य हलधर महतो, केंद्रीय कमिटी सदस्य शुभेंदु सेन, केंद्रीय कमिटी सह निरसा विधायक कॉ. अरूप चटर्जी, सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो, पूर्व विधायक कॉ. विनोद कुमार सिंह, पूर्व विधायक राजकुमार यादव, निताई महतो, सीताराम सिंह, मोहन दत्ता, नीरज कुमार, अशोक पासवान, बीएन सिंह, जयंती चौधरी, देवदीप सिंह दिवाकर, रविन्द्र राम, बिंदा पासवान, कार्तिक प्रसाद, भुनेश्वर केवट, विजय पासवान सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

घड़बड़ पंचायत में सरकार आपके द्वार शिविर का आयोजन

धनबाद, संवाददाता

बलियापुर प्रखंड अंतर्गत घड़बड़ पंचायत में आज मंगलवार को आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का विधिवत उदघाटन प्रखंड उप प्रमुख आशा देवी, विधायक प्रतिनिधि देवाशीष पांडे, मुखिया मिठू सरखेल, पंचायत समिति सदस्य प्रतिमा देवी, पूर्व मुखिया दिलीप सरखेल, बीपीओ विशाल कुमार आदि ने दीप प्रज्वलित कर किया। आज के शिविर में सभी विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। जिसमें मुख्य रूप से मैया सम्मान योजना, पैंशन योजना, मनरेगा जॉब कार्ड, आयुष्मान कार्ड, कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ विभाग, उद्योग विभाग, सावित्री बाई फुले किशोरी योजना, मातृ योजना, राजस्व विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, सर्वजन पेंशन योजना, आपूर्ति विभाग, पशुधन योजना, कृषि विभाग आदि के स्टॉल लगाए गए। इन स्टालों में ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही थी तथा आवेदन लेकर प्राप्त आवेदनों को निष्पादित भी किया जा रहा था। इस अवसर पर उप प्रमुख आशा देवी ने उपस्थित सभी नागरिकों से विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि आप सबों के लिए यह बहुत ही अच्छा अवसर है कि एक ही जगह पर सरकार के विभिन्न योजनाओं की जानकारी और लाभ मिल सकता है। सरकार के कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लें। आज के शिविर काफी भीड़ देखी गई। मौके पर डा.वंशी प्रामाणिक, स्वपन महतो, पंचायत सचिव मोदीजुद्दीन अंसारी, रोजगार सेवक रवि कुमार, पर्यवेक्षिका पूर्णिमा मरांडी, एलियो पुष्पा कुमारी, रंजीत रजवार, कमलेश रजवार आदि उपस्थित थी।

आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार निरसा उत्तर पंचायत में कार्यक्रम का आयोजन

धनबाद, संवाददाता

झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार के तहत मंगलवार को निरसा उत्तर पंचायत में शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना एवं जन समस्याओं का मौके पर निदान करना रहा। शिविर में ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी तथा विभिन्न योजनाओं के प्रति लोगों में उत्साह देखते ही बनता था। शिविर का उद्घाटन एवं संचालन मुख्य रूप से भाकपा (माले) जिला कमिटी सदस्य मनु सिंह, झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला अध्यक्ष लखी सोरेन, मुखिया दिनेश सिंह एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी इंद्रलाल ओहदार की मौजूदगी में हुआ। मुख्य आकर्षण एवं उपलब्ध सुविधाएं: विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए, जिनमें राशन कार्ड, जॉब कार्ड, वृद्धावस्था/ विधवा/ दिव्यांग पेंशन, स्वास्थ्य सेवाएं, कृषि योजनाएं, बिजली बिल सुधार शामिल रहीं ।सैकड़ों ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं एवं योजनाओं से संबंधित आवेदन मौके पर जमा किए, जिनमें से कई का त्वरित निष्पादन भी किया गया।प्रखंड विकास पदाधिकारी इंद्रलाल ओहदार ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा कहा कि इस कार्यक्रम से लोगों को अब ब्लॉक-जिला कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष लखी सोरेन ने सरकार की इस जनकल्याणकारी पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा ग्रामीणों को सभी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि अधिक से अधिक संख्या में ऐसे शिविरों का लाभ उठाएं। कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा तथा हजारों की संख्या में लाभुकों ने विभिन्न योजनाओं का लाभ लिया तथा अपनी समस्याओं का मौके पर समाधान प्राप्त किया।

विगत 2 वित्तीय वर्ष के मुकाबले इस वित्तीय वर्ष में दोगुनी साइकिल वितरण की स्वीकृति

धनबाद, संवाददाता

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश पर आठवीं वर्ग में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ीं जाति के छात्र, छात्राओं के बीच शत प्रतिशत योग्य लाभुको को साईकिल वितरण किया जाना है। उक्त आलोक में उपायुक्त आदित्य रंजन के निदेर्शानुसार कल्याण विभाग तथा शिक्षा विभाग के समन्वय से इस वित्तीय वर्ष में लगभग बीस हजार छात्र - छात्राओं को साइकिल वितरण के अनुमोदन को स्वीकृति प्रदान की गई है। उपायुक्त के अथक प्रयास तथा सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक के बेहतर कार्य से इस वर्ष पिछले 2 वित्तीय वर्ष के मुकाबले दोगुने लाभुकों को इसका लाभ प्रदान किया जा रहा है। अब छात्रों के लिए स्कूल तक पहुंचना आसान हो जाएगा। वे अपनी साइकिल पर सवार होकर समय पर विद्यालय पहुंचेंगे। गौरतलब है कि वित्तीय वर्ष 2022- 2023 में कुल 10097 लाभुको को इसका लाभ दिया गया था। वहीं वित्तीय वर्ष 2024-2025 में 10980 लाभुक लाभान्वित हुए थे। जबकि उपायुक्त के प्रयास से वित्तीय वर्ष 2025-2026 में अब तक कुल 19493 लाभुकों को इसका लाभ दिया गया है। शेष लाभुकों को योजना का लाभ प्रदान किया जा रहा है।

बोकारो इस्पात प्रबंधन की नीतियों के खिलाफ भूखंडधारियों व व्यापारियों का महाधरना

बोकारो, संवाददाता

बोकारो इस्पात प्रबंधन की कथित मनमानी नीतियों के खिलाफ मंगलवार को भूखंडधारियों और व्यापारियों ने नगर सेवा विभाग के समक्ष जोरदार महाधरना दिया। बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के नेतृत्व में हुए इस आंदोलन में सैकड़ों होटल, रेस्टोरेंट, मेडिकल शॉप, नर्सिंग होम, डेंटल क्लिनिक सहित विभिन्न प्रतिष्ठानों के संचालक बड़ी संख्या में शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि बीएसएल प्रबंधन लीज नवीकरण के नाम पर मनमाने ढंग से अत्यधिक शुल्क वसूलने पर आमादा है। चैंबर के महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने बताया कि सिटी सेंटर में अलग-अलग आकार के प्लॉटों का लीज शुल्क पहले बेहद सीमित था। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि 501 वर्गमीटर के प्लॉट का वन-टाइम लीज कॉस्ट पहले लगभग 33 हजार रुपये होता था, जिसकी अवधि 33 साल रहती थी। लेकिन अब उसी प्लॉट के नवीकरण के लिए प्रबंधन द्वारा करीब 35 लाख रुपये की मांग की जा रही है, जो पूर्व शुल्क से सैकड़ों गुना अधिक है। उन्होंने इसे पूरी तरह अव्यावहारिक और शोषणकारी बताया। इसी तरह सालाना लीज रेंट और सर्विस चार्ज, जो पहले कुल 848 रुपये लिया जाता था (600 रुपये सर्विस चार्ज तथा 248 रुपये लीज रेंट), उसे बढ़ाकर अब करीब 3,93,558 रुपये सालाना कर दिया गया है। व्यापारियों का कहना है कि इतनी भारी-भरकम वृद्धि किसी भी तरह उचित नहीं है और यह छोटे व मध्यम व्यवसायों के लिए अस्तित्व का संकट बन चुकी है। कई व्यापारियों ने आरोप लगाया कि दुकानें जारी रखने पर लीज रद्द करने और जबरन वसूली जैसी धमकियाँ भी दी जा रही हैं। व्यापारियों ने नई प्रतिबंधित ट्रेड पॉलिसी को भी अव्यावहारिक और व्यवसाय-विरोधी करार दिया। उनका कहना है कि नीति लागू होने से कई प्रतिष्ठान बंद होने की कगार पर पहुँच गए हैं। चैंबर ने यह भी स्पष्ट किया कि पहले से ही लीज रेंट, सर्विस चार्ज और अन्य मदों में राशि ली जाती है।

वरीय महाप्रबंधक सह परियोजना प्रधान डीवीसी बोकारो थर्मल प्लांट

बोकारो, संवाददाता

सीसीएल ढ़ोरी क्षेत्र के एएडीओसीएम (अमलो) चेकपोस्ट से पंडित दीनदयाल उपाध्याय चोक तक बन रहे पीसीसी सड़क निर्माण का निरीक्षण मंगलवार को पीओ राजीव कुमार सिंह, एरिया सेल ऑफिसर राजेश कुमार, एसओसी मनोज कुमार, सिविल विभाग के अधीक्षण अभियंता रामलखन, सहायक अभियंता विक्की कुमार और ईएंडएम इंजीनियर अभिषेक कुमार ने चेकपोस्ट से लेकर दीनदयाल उपाध्याय चौक के बीच चले रहे पीसीसी निर्माण कार्य का स्थल पर जाकर गंभीरता से निरीक्षण किया. अधिकारियों ने निर्माण कार्य को संतोषजनक बताते हुए कहा कि 65 लाख की लागत से लगभग 300 मीटर पीसीसी सड़क की मोटाई 14 इंच तैयार हो रही यह सड़क अमलो परियोजना की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जिससे कोयला डिस्पैच को सीधा लाभ मिलेगा। निरीक्षण के दौरान सिविल विभाग के अधिकारियों ने पीओ को निर्माण की प्रगति और गुणवत्ता संबंधी जानकारी दी। पीओ ने संबंधित विभाग को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और कार्य तय समय पर पूरा किया जाए और गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाए. सड़क के किनारे वर्षा की पानी के निकासी के लिए नाला निर्माण कराया जायेगा।

आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में राष्ट्रीय कर्मयोगी कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

धनबाद, संवाददाता

आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में राष्ट्रीय कर्मयोगी कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण प्रशासनिक भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में हुआ, जिसमें डायरेक्टर प्रो. सुकुमार मिश्रा और डिप्टी डायरेक्टर प्रो. धीरज कुमार की उपस्थिति ने कार्यक्रम को महत्वपूर्ण बनाया। कार्यक्रम में डीन, पूर्व डीन, वरिष्ठ फैकल्टी सदस्य और संस्थान के रजिस्ट्रार प्रबोध पांडे भी शामिल हुए। इस प्रशिक्षण का संचालन संयुक्त रजिस्ट्रार श्री रंती देव शर्मा और उप रजिस्ट्रार एवं मास्टर ट्रेनर श्री संजय सिंह ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न सत्रों के माध्यम से प्रशासनिक समझ बढ़ाने, व्यवहारिक कौशल विकसित करने और जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से निभाने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण में डीन (कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस) प्रो. रजनी सिंह, डीन (एकेडमिक) प्रो. मृ?त ुंजय कुमार सिंह, डीन (फैकल्टी) प्रो. सरत कुमार दास, डीन (इन्फ्रास्ट्रक्चर) प्रो. अमित राय दीक्षित, डीन (कंटिन्यूइंग एजुकेशन प्रोग्राम) प्रो. केका ओझा और अन्य वरिष्ठ प्रोफेसरों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। राष्ट्रीय कर्मयोगी कार्यक्रम केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य पारंपरिक प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, प्रभावी और जन-केंद्रित प्रणाली में बदलना है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने स्थितिजन्य अभ्यासों और समूह गतिविधियों के माध्यम से अपनी भूमिकाओं पर विचार किया और यह समझा कि उनकी जिम्मेदारियाँ किस प्रकार राष्ट्रीय लक्ष्यों से जुड़ी हैं। कार्यक्रम का मुख्य जोर सेवा भाव, कौशल विकास, जिम्मेदारी, और जन-प्रथम दृष्टिकोण को विकसित करने पर रहा। प्रशिक्षण में मिशन कर्मयोगी की व्यापक सोच पर भी चर्चा हुई, जिसमें निरंतर सीखने की संस्कृति को बढ़ावा दिया गया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से कभी भी, कहीं भी सीखने की सुविधा को इस पहल का अहम हिस्सा बताया गया। प्रशिक्षण के कैस्केड मॉडल, जिसके तहत मास्टर ट्रेनर आगे अन्य बैचों को प्रशिक्षित करते हैं, को भी विस्तार से समझाया गया। कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि आईआईटी (आईएसएम) धनबाद एक अधिक जवाबदेह, संवेदनशील और सेवा-उन्मुख संस्थागत वातावरण विकसित करने की दिशा में अपने प्रयास जारी रखेगा।

बागदा पंचायत में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार शिविर में मिला त्वरित समाधान

बोकारो, संवाददाता

आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत बागदा पंचायत सचिवालय में मंगलवार को जनसेवा शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने लोगों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया। आय, निवास, जाति प्रमाण पत्र, पेंशन, राशन कार्ड सुधार, मनरेगा और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े कई कार्यों का त्वरित निष्पादन किया गया, जिससे ग्रामीणों में संतोष देखा गया। पंचायत की मुखिया गीता देवी ने कहा कि शिविर से वर्षों से लंबित मामलों का समाधान हुआ है। पंचायत समिति सदस्य मो. भट्टाचार्य ने इसे जनता के लिए राहतकारी पहल बताते हुए कहा कि ऐसे शिविर नियमित रूप से आयोजित होने चाहिए। पंचायत सेवक मोहम्मद इमरोज ने बताया कि ग्रामीणों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी देने के साथ कई प्रमाण पत्र तुरंत उपलब्ध कराए गए। रोजगार सेवक अनिल कुमार महतो ने बताया कि मनरेगा से संबंधित सभी आवेदनों का निपटारा मौके पर किया गया। मौके पर विक्रम सिंह, लालू महतो, नीरज भट्टाचार्य सहित सभी विभागों के कर्मी उपस्थित रहे।

कैबिनेट बैठक के बाद रोजगार पर सीएम नीतीश कुमार ने दिया ब्लू प्रिंट

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शपथ ग्रहण के बाद ही युवाओं और रोजगार को लेकर अपनी तैयारी दिखा दी थी। उन्होंने बिहार में उद्योग की संभावना बढ़ाने की तैयारी पहले ही बता दी थी। मंगलवार को इधर कैबिनेट की बैठक में उद्योग और विकास की बात हुई तो दूसरी तरफ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने युवाओं को अगले 5 साल में रोजगार उपलब्ध कराने को लेकर अपनी पूरी योजना बताई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर क्या लिखा, आगे उसे शब्दशः पढ़ें।

राज्य में अधिक से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार मिले, यह शुरू से ही हमलोगों की प्राथमिकता रही है। सात निश्चय-2 के तहत वर्ष 2020-25 के बीच राज्य में 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी एवं रोजगार दिया गया है। अगले 5 वर्षों (2025-30) में हमलोगों ने 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

न्यू ऐज इकोनॉमी के निर्माण का लक्ष्य रखा गया

नई सरकार के गठन के पश्चात राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने एवं अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए हमलोगों ने तेजी से काम शुरू कर दिया है। बदलते बिहार के विकास की गति को बल देने हेतु बिहार में प्रौद्योगिकी और सेवा आधारित नवाचारों की न्यू ऐज इकोनॉमी के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु इस क्षेत्र से संबंध रखने वाले बिहार के अग्रणी उद्यमियों के सुझाव प्राप्त कर योजनाओं एवं नीतियों का निर्धारण किया जाएगा। साथ ही बिहार को एक 'वैश्विक बैक एंड हब एवं 'ग्लोबल वर्कप्लेस' के रूप में विकसित एवं स्थापित करने हेतु महत्वपूर्ण विभागों तथा प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों एवं विशेषज्ञों के सहयोग से एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

उद्योगों का जाल बिछाने हेतु वृहद कार्ययोजना तैयार की जाएगी- बिहार की जनसंख्या में युवाओं की भागीदारी काफी अधिक है। इसको सार्थक दिशा देने पर बिहार देश का सबसे तेजी से विकास करने वाला राज्य बन सकता है। बिहार में बड़ी संख्या में उपलब्ध युवा मानव संसाधन को ध्यान में रखते हुए बिहार को पूर्वी भारत के नए टेक्नोलॉजी हब के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए बिहार में डिफेंस कॉरिडोर, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग पार्क, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स, मेगा टेक सिटी व फिनटेक सिटी की स्थापना की जाएगी एवं उद्योगों का जाल बिछाने हेतु वृहद कार्ययोजना तैयार कर योजनाओं को क्रियान्वित किया जाएगा।

बिहार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन की स्थापना की जाएगी- राज्य में नई चीनी मिलों की स्थापना एवं पुरानी बंद पड़ी चीनी मिलों को पुनः चालू करने हेतु नीति एवं कार्ययोजना बनाई गई है। इसके साथ ही राज्य के सभी प्रमुख शहरों को बेहतर एवं सुंदर बनाने की योजना पर कार्य करने हेतु तैयारी की जा रही है, तथा नई तकनीकों का उपयोग कर राज्य को अग्रणी बनाने हेतु बिहार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन की स्थापना की जाएगी।

उक्त सभी बिंदुओं पर कार्ययोजना तैयार करने हेतु मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आज उच्चस्तरीय समिति गठित कर दी गई है। यह समिति राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने एवं युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने से संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन तथा अनुश्रवण का कार्य करेगी।

नई सरकार बड़े पैमाने पर उद्योग लगाने हेतु कृतसंकल्पित- आप सभी को पता है कि पिछले कुछ वर्षों में बिहार में औद्योगीकरण ने रफ्तार पकड़ी है। बिहार की नवनिर्वाचित नई सरकार दुगुनी ताकत से राज्य में बड़े पैमाने पर उद्योग लगाने हेतु कृतसंकल्पित है। इसके लिए औद्योगिक कॉरिडोर, उच्च गुणवत्ता वाली आधारभूत संरचना, हाई क्वालिटी पावर सप्लाई, जल प्रबंधन एवं कुशल मानव संसाधन आवश्यक हैं, जो अब बिहार में उपलब्ध हैं। राज्य में औद्योगिक विकास एवं अगले 5 वर्षों में युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने के लिए हमलोगों ने तेजी से काम शुरू कर दिया है और जो काम हमलोग शुरू करते हैं, उसे पूरा करते हैं।

बिहार में अब चीनी की मिठास बढ़ेगी, मिलों पर नीतीश कैबिनेट का बड़ा फैसला, छह प्रस्ताव पास

पटना, एजेंसी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेतृत्व में नई सरकार आज अपनी पहली कैबिनेट की। सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में सभी मंत्री कैबिनेट की बैठक में शामिल हुए। इसके बाद मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उद्योग और रोजगार पर पूरा फोकस कर रही है। हमारी प्राथमिकता बिहार में अधिक से अधिक रोजगार का सृजन हो। अगले पांच साल में एक करोड़ नौकरी और रोजगार के लक्ष्य को प्राप्त करना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बिहार को पूर्वी भारत नया टेक हब के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से डिफेंस कॉरिडोर, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग पार्क को मंत्री परिषद् ने स्वीकृति दे दी।

मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य में नई चीनी मिलों की स्थापना एवं पुरानी बंद पड़ी चीनी मिलों को पुनः चालू करने हेतु नीति एवं कार्ययोजना बनाई गई है। इसके साथ ही राज्य के सभी प्रमुख शहरों को बेहतर एवं सुंदर बनाने की योजना पर कार्य करने हेतु तैयारी एवं नई तकनीकों का उपयोग कर राज्य को अग्रणी बनाने हेतु बिहार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन की स्थापना की जाएगी।

राज्य में अधिक से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार मिले, ये शुरू से ही हमलोगों की प्राथमिकता रही है। सात निश्चय-2 के तहत वर्ष 2020-25 के बीच राज्य में 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी एवं रोजगार दिया गया है। अगले 5 वर्षों (2025-30) में हमलोगों ने एक करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने कहा कि अबिहार के प्रमुख शहरों की बढ़ती जनसंख्या, मास्टर प्लान आधारित विकास की अपरिहार्यता एवं भविष्य के जनसंख्या दबाव, शहरों की बढ़ती आवश्यकताओं को देखते हुए राज्य में नियोजित, पर्यावरण-सम्मत एवं आधुनिक टाउनशिप के विकास की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए राज्य में सुनियोजित एवं गुणवत्ता युक्त शहरी विकास हेतु 11 शहरों यथा-09 प्रमंडलीय मुख्यालय शहर, सोनपुर एवं सीतामढ़ी (सीतापुरम) में नये सैटेलाइट टाउनशिप या ग्रीनफिल्ड टाउनशिप के विकास के सैद्धान्तिक सहमति तथा प्रस्ताव तैयार करने की स्वीकृति प्रदान की गयी, जिससे राज्य में सैटेलाइट टाउनशिप या ग्रीनफिल्ड टाउनशिप का विकास किया जाएगा।

सम्राट बोले- बिहार में यूपी नहीं नीतीश मॉडल ही चलेगा गृहमंत्री की कुर्सी संभालने के पहले हरिहरनाथ मंदिर में की पूजा, राज्यपाल ने संभाला कामकाज

पटना, एजेंसी। बिहार में नई सरकार के गठन के बाद कई मंत्रियों ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। आज प्रदेश के गृहमंत्री सम्राट चौधरी अपना कामकाज संभालेंगे। गृह विभाग का पदभार संभालने से पहले सम्राट चौधरी ने सोनपुर स्थित हरिहरनाथ मंदिर में भोले नाथ की पूजा की। इस दौरान उन्होंने बिहार में यूपी मॉडल की चर्चा को लेकर कहा कि, बिहार में सुशासन कायम रहेगा। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में जिस तरह का सुशासन है, उसी तरह का सुशासन आगे भी कायम रहेगा। गृहमंत्री की कुर्सी संभालने से पहले सम्राट का योगी अंदाज इससे पहले सोमवार को सम्राट चौधरी ने मुंगेर में 45 किलोमीटर लंबा रोड शो किया। सम्राट योगी अंदाज में नजर आए। रोड शो से पहले उन्होंने रत्नेश्वर महादेव मंदिर में अभिषेक किया।

बेगूसराय में जमीन विवाद में 2 पक्षों के बीच गोलीबारी

● 20 राउंड फायरिंग की सूचना, 3 खोखा बरामद; कब्जा करने की नीयत से हथियार लेकर पहुंचे थे

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में जमीन पर कब्जा करने को लेकर दो पक्षों के बीच गोलीबारी हुई है। 20 राउंड फायरिंग की सूचना है। मौके से 3 खोखे बरामद हुए हैं सूचना मिलते ही तेघड़ा डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। इस बीच सभी उपद्रवी फरार हो गए। घटना फुलवड़िया थाना क्षेत्र के बरौनी नगर परिषद के वार्ड नंबर-15 की है।

समर्थकों के साथ जमीन पर कब्जा करने पहुंचे थे- जानकारी के मुताबिक बरौनी गंजपर निवासी राजा करीम के ससुर जमींदार थे। 37 कट्ठा जमीन पूर्व मुखिया हरिवंश नारायण सिंह ने रजिस्ट्री कराया था। लेकिन अपने ससुर के हिस्से की जमीन पर राजा के परिजन खेती कर रहे थे। वह जमीन छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे। जिसको लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा है। राजा करीम के परिवार वालों ने विवादित जमीन पर फसल लगाई गई थी। सोमवार को हरिवंश नारायण सिंह के समर्थकों ने जमीन पर कब्जा करने के लिए ट्रैक्टर चलाना शुरू कर दिया। जानकारी मिलते ही करीम के लोग मौके पर पहुंचे गए। जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया।

पुलिस के पहुंचने पर उपद्रवी फरार हो गए- स्थानीय लोगों के अनुसार करीब 20 राउंड गोली चली है। हालांकि जब पुलिस टीम पहुंची तो गोलीबारी करने वाले सभी लोग फरार हो गए। पुलिस समय पर नहीं आती तो बड़ी घटना हो सकती है। अभी तक किसी पक्ष की ओर से थाने में आवेदन नहीं दिया गया है। तेघड़ा डीएसपी कृष्ण कुमार ने फुलवड़िया थानाध्यक्ष को मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

विरोध करने पर दबंगों ने गोली चाल दी- एक पक्ष के मो. दानिश ने बताया कि वार्ड नंबर-15 में अपने भाई के साथ डेरा पर था। इस बीच मधुरापुर बाघमारा के दबंग अपने सैकड़ों समर्थकों से डेरा वाले खेत पर पहुंच गए। मक्का, सरसों और आलू लगे खेत पर कब्जा करने की नीयत से ट्रैक्टर से जोतने लगे। मेरे भाई ने इसका विरोध किया। मोबाइल से वीडियो बनाने लगा। इस बाद दबंगों ने फायरिंग शुरू कर दी। माहौल बिगड़ता देख अपने परिजन को फोन किया। पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई है। राइफल, पिस्टल, लाठी-डंडा लेकर आए थे।

आवेदन के आधार पर कार्रवाई की जाएगी- इस संबंध में फुलवड़िया थानाध्यक्ष विजय सहनी ने कहा कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। जमीन विवाद को लेकर गोलीबारी की घटना हुई है। घटनास्थल से तीन खोखे मिले हैं। किसी पक्ष ने अभी आवेदन नहीं दिया है। आवेदन मिलने के बाद उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आरा-बक्सर एनएच पर सड़क हादसे में पति-पत्नी घायल

● डॉक्टर से चेकअप के बाद बाइक से घर लौट रहे थे, अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर; पटना रेफर

आरा (भोजपुर), एजेंसी। आरा-बक्सर एनएच पर सोमवार देर शाम सड़क हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी घायल हो गए। डॉक्टर से चेकअप के बाद घर लौट रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। घटना शाहपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर बाजार से आगे फोरलेन की है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों को सदर अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों की पहचान बक्सर जिले के डुमरांव थाना क्षेत्र के नया भोजपुर निवासी निर्मल कुमार यादव (54) और उनकी पत्नी शिव कुमारी देवी (50) के तौर पर हुई है।

फरार ड्राइवर की तलाश की जा रही है- घायल निर्मल यादव ने बताया कि मेरी पत्नी शिव कुमारी देवी को पथरी की समस्या है। इलाज कराने के लिए बाइक से सोमवार को आरा गए थे। इलाज कराने के बाद शाम में दोनों बाइक से वापस गांव लौट रहे थे। शाहपुर के पास फोरलेन पर तेज रफ्तार से वाहन ने बाइक में सीधे टक्कर मार दी और चालक फरार हो गया। वहीं, पुलिस ने बताया कि हाइवे पर लगे सीसीटीवी फुटेज की मदद से वाहन की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि वाहन किस दिशा से आया और हादसे के बाद किस तरफ भागा। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में पटना रेफर कर दिया गया है।

नालंदा के सरकारी स्कूलों में 5,679 नए शिक्षक: फिर भी लगातार घट रही छात्रों की संख्या एक साल में 33,666 स्टूडेंट्स की कमी

नालंदा, एजेंसी। नालंदा जिले के सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या घट गई है। बीपीएससी के माध्यम से तीन चरणों में 5,679 नए शिक्षकों की बहाली हुई है और स्कूलों में बुनियादी संसाधन भी बढ़े हैं। इसके बाद भी स्कूलों 33,666 छात्रों की संख्या घटी है। यू-डायस पोर्टल के अनुसार, शैक्षणिक सत्र 2023-24 में जिले के सरकारी विद्यालयों में कुल 4,50,026 छात्रों का एडमिशन था। यह संख्या सत्र 2024-25 में घटकर 4,42,817 रह गई। यानी 7,211 विद्यार्थियों की कमी। लेकिन असली झटका तब लगा जब चालू शैक्षणिक सत्र 2025-26 के आंकड़े सामने आए।

इस सत्र में केवल 4,09,151 विद्यार्थियों ने ही नामांकन कराया है। यानी पिछले एक साल में ही 33,666 विद्यार्थी गायब हो गए। यह संख्या किसी एक छोटे शहर के समस्त स्कूली बच्चों के बराबर है। दो वर्षों में कुल 40,877 छात्रों की कमी हुई है।

विभाग के प्रयास बेअसर

शिक्षा विभाग लगातार नामांकन बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चला रहा है। कभी 'नामांकन अभियान' तो कभी 'विशेष प्रवेशोत्सव अभियान' के माध्यम से अभिभावकों को प्रेरित किया जा रहा है कि वे अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में दाखिला दिलाएं। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि ये प्रयास परिणाम देने में विफल साबित हो रहे हैं।

फर्जी नामांकन का खुला राज- शिक्षा विभाग के जानकार एक और पहलू की ओर इशारा करते हैं। उनका कहना है कि वास्तव में विद्यार्थियों की संख्या में इतनी बड़ी गिरावट नहीं आई है, बल्कि पहले जो फर्जी नामांकन होता था, वह अब रुक गया है। ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर छात्रों का आधार कार्ड अनिवार्य करने के बाद फर्जी नामांकन पर लगाम लगी है। इससे पहले कई स्कूलों में कागजों पर तो सैकड़ों बच्चे नामांकित होते थे, लेकिन वास्तविकता में उनकी संख्या बहुत कम होती थी।

मिड-डे-मील के खाद्यान्न और राशि के गबन के कई मामले सामने आ चुके हैं। अधिक बच्चों की हाजिरी दिखाकर राशि हड़पने वाले कई प्राचार्यों पर कार्रवाई भी हुई है। समग्र शिक्षा के डीपीओ मो. शाहनवाज का कहना है कि आधार आधारित इंट्री शुरू होने के बाद वास्तविक नामांकन की तस्वीर सामने आई है।

अब बनेगी ऑनलाइन हाजिरी

फर्जी नामांकन और फर्जी अटेंडेंस को पूरी तरह रोकने के लिए अब जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में छात्रों की ऑनलाइन हाजिरी बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए राज्य परियोजना निदेशक (एसपीडी) ने फिर से जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) को पत्र भेजा है।

समग्र शिक्षा के डीपीओ मो. शाहनवाज ने बताया कि टैबलेट के माध्यम से बच्चों की ऑनलाइन हाजिरी बनाने के लिए जिला स्तरीय टीम का गठन कर लिया गया है। विभाग ने इसके लिए एक एजेंसी का चयन भी कर लिया है।

जल्द ही प्राचार्यों और शिक्षकों को टैबलेट से बच्चों की उपस्थिति दर्ज करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे छात्रों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जा सकेगी।

डीआरआई की बड़ी कार्रवाई, कार के सीक्रेट चैंबर से 32 किलो गांजा जब्त; दो बंगाली तस्कर गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई), मुजफ्फरपुर की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। यह कार्रवाई मधुबनी जिले के कोसी टोल प्लाजा के पास की गई, जहां टीम ने चेकिंग के दौरान एक कार से 32 किलो गांजा जब्त किया। तस्करों ने मादक पदार्थ को कार में बने सीक्रेट चैंबरनुमा बॉक्स में छिपाकर रखा था।

डीआरआई ने कार में सवार दो तस्करों उदयलाल राय और शंभू सरकार, दोनों पश्चिम बंगाल (कूचबिहार और जलपाईगुड़ी) के रहने वाले को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। बरामद गांजा गुवाहाटी (असम) से मधुबनी ले जाया जा रहा था।

संदिग्ध कार से गांजा बरामद- जानकारी के अनुसार, डीआरआई टीम को पहले से ही एक गुप्त सूचना मिली थी कि एक कार से मादक पदार्थ की खेप बिहार की ओर लाई जा रही है। इसके बाद टीम ने कोसी टोल प्लाजा के निकट वाहनों की जांच शुरू की और संदिग्ध कार से गांजा बरामद किया।

बॉक्स बनाकर गांजे के बंडल छिपाए थे- बताया जाता है कि तस्करों ने कार में विशेष रूप से एक गुप्त बॉक्स बनाकर गांजे के बंडल छिपाए थे। गौरतलब है कि इसी मार्ग पर 23 अगस्त को भी डीआरआई ने एक कंटेनर से 225 किलो गांजा बरामद कर मध्य प्रदेश के दो तस्करों को गिरफ्तार किया था। वहीं, पकड़े गए दोनों तस्करों से पूछताछ जारी है और डीआरआई की टीम आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

बिहार के 4 शहरों में 10 डिग्री के करीब पारा: 2 दिन बाद और बढ़ेगी ठंड

● कोहरे की वजह से 100 मीटर हो सकती है विजिबिलिटी

पटना, एजेंसी। बिहार में ठंड ने दस्तक दे दी है। मंगलवार को पटना, बेतिया, बगहा, समस्तीपुर गोपालगंज, मधेपुरा, सुपौल, बेगूसराय, जहानाबाद समेत कई जिलों में सुबह घना कोहरा देखने को मिला। मौसम विभाग ने 48 घंटे के अंदर न्यूनतम तापमान में एक से तीन डिग्री की गिरावट की संभावना जताई है। सुबह में कोहरा छा सकता है। कई इलाकों में विजिबिलिटी 100 मीटर या उससे नीचे जा सकती है। हालांकि दिन चढ़ने के साथ ही आसमान साफ रहेगा, धूप निकलने से मौसम सामान्य बना रहेगा। वहीं, रात के तापमान में भी लगातार गिरावट दर्ज की जाएगी।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में पटना में भी न्यूनतम तापमान 1-2 डिग्री तक गिर सकता है। दिन में हल्की धूप रहेगी, जबकि शाम के बाद ठंड में बढ़ोतरी महसूस होगी। इसके बाद तापमान स्थिर रह सकता है। बीते 24 घंटे में पटना, खगड़िया, गोपालगंज, सारण, बेगूसराय समेत 10 शहरों में सुबह-सुबह घना कोहरा देखने को मिला।

किन जिलों में विजिबिलिटी सबसे कम- गोपालगंज, खगड़िया, बेगूसराय, सारण, किशनगंज सहित उत्तर-पूर्वी और उत्तरी बिहार के कई जिलों में कल सुबह घना कोहरा छाया रहा। कई जगह विजिबिलिटी 100-200 मीटर तक दर्ज की गई, जिसके कारण आम लोगों के साथ वाहनों की रफ्तार पर भी असर पड़ा। मौसम विभाग ने ऐसे हालात अगले कुछ दिनों तक बने रहने की संभावना जताई है।

बिहार में ठंड बढ़ने का कारण- मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, पिछले 48 घंटों में उत्तर भारत से आ रही ठंडी और शुष्क हवाओं का असर बिहार में साफ तौर पर दिख रहा है। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम बनी रहने से तापमान में गिरावट हुई है। साथ ही वातावरण में नमी की मात्रा बढ़ने से रात और सुबह कोहरे का निर्माण तेज हो गया है। यही वजह है कि दिन में धूप होने के बावजूद सुबह और रात की ठंड में हल्का इजाफा दर्ज किया जा रहा है। मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि बिहार फिलहाल उत्तर भारत के प्रभाव में है। ठंडी हवाओं की वजह से पारा लगातार गिर रहा है।

पटना में बैटरी कारोबारी से बाहुबली विधायक के नाम पर मांगी 2 करोड़ की रंगदारी बच्चे को उठाने की दी धमकी

पटना, एजेंसी। राजधानी पटना के चित्रगुप्त नगर क्षेत्र में एक बैटरी कारोबारी से फोन पर 2 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. धमकी देने वाले ने खुद को बाहुबली विधायक का करीबी बताते हुए 48 घंटे में पैसे न देने पर जान से मारने की धमकी दी है.

पहला कॉल 16 नवंबर को आया: पीड़ित कारोबारी आशीष कुमार सिन्हा के पिता सुरेंद्र सिंह को 16 नवंबर को मोबाइल नंबर 9708229920 से पहला कॉल आया. कॉल करने वाला बार-बार मोकामा से बोलने की बात कह रहा था और नाम-पता पूछ रहा था. बातचीत संदिग्ध लगने पर सुरेंद्र सिंह ने फोन काट दिया. बच्चे को उठाने की धमकी: 22 नवंबर को उसी नंबर से फिर कॉल आया, जिसे आशीष की पत्नी ने उठाया. इस बार कॉलर ने सीधे धमकी दी कि 'सुरेंद्र सिंह के बच्चे को उठा लेंगे'. यह सुन परिवार में दहशत फैल गई और सभी सतर्क हो गए.

तीसरा कॉल- 2 करोड़ की सुपारी: 23 नवंबर को तीसरी बार कॉल आया और इस बार धमकी सीधे आशीष कुमार सिन्हा को दी गई. कॉलर ने खुद को बाहुबली विधायक का आदमी बताते हुए 2 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी. पैसे न देने पर पूरे परिवार की हत्या करने तक की धमकी दी गई.

बच्चे घर से बाहर नहीं निकल रहे: लगातार मिल रही धमकियों से पूरा परिवार खौफ के साए में जी रहा है. आशीष सिन्हा ने बताया कि उनके छोटे बच्चे भी डर के मारे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं.

कॉलर ने विधायक का नाम लेकर बनाया दबाव: पीड़ित के अनुसार धमकी देने वाला व्यक्ति पूरी तरह प्रोफेशनल अंदाज में बात कर रहा था. वह बार-बार विधायक का नाम लेकर दबाव बना रहा था और कह रहा था कि 'विधायक जी का हुक्म है, पैसे नहीं दिए तो कोई नहीं बचा पाएगा'. थाने में दर्ज हुई शिकायत: आशीष कुमार सिन्हा ने तुरंत चित्रगुप्त नगर थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई. थाना प्रभारी रोशनी कुमारी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि शिकायत मिलते ही तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है. कॉल डिटेल, लोकेशन और कॉलर की पहचान का पता लगाया जा रहा है.

पत्नी-पिता को गोली मारी फिर खुद को किया शूट: रोहतास में एक घर से मिले तीनों के शव सभी के सिर पर बुलेट के निशान

सासाराम, रोहतास, एजेंसी। रोहतास में एक शख्स ने पहले पत्नी और उसके बाद अपने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों को गोली मारने के बाद उसने खुद को भी शूट कर लिया। मंगलवार की सुबह एक घर में तीन लाश मिलने के बाद हड़कंप मच गया। तीनों शवों के सिर में गोली के निशान हैं। मृतकों की पहचान अमित, शालिग्राम और नीतू देवी के रूप में हुई है।

घटना जिले के बिक्रमगंज अनुमंडल के भानस थाना अंतर्गत डिहरा गांव की है। एसडीपीओ संकेत कुमार के मुताबिक अमित सिंह ने लाइसेंसी बंदूक से सोमवार की देर रात करीब 12:30 बजे पहले अपनी पत्नी नीतू देवी को गोली मारी। फायरिंग के बाद घर के लोग इधर-उधर भागने लगे और उसने खुद को कमरे में बंद कर लिया। पत्नी की हत्या के बाद अमित घर के आंगन में पहुंचा। जहां अमित के पिता शालिग्राम ने उसे रुकने को कहा। इस पर अमित ने अपने पिता को भी गोली मार दी। पत्नी और पिता की हत्या करने के बाद अमित ने खुद को भी शूट कर लिया।

बड़ा भाई बोला- पति-पत्नी में हुआ था झगड़ा- अमित सिंह के बड़े भाई राजेश ने बताया कि, घर में सब लोग सो रहे थे। तभी 12 बजे के आस पास पहले फ्लोर से गोली चलने की आवाज आई। हमलोग घबरा कर उठे और कमरे से बाहर निकले। मैंने देखा कि, अमित गुस्से में हाथ में बंदूक लिए अपने कमरे से नीचे उतर रहा है। हमलोग भागकर उसके कमरे में गए। कमरे में अमित की पत्नी की डेड बॉडी पड़ी थी। उसके सिर में गोली मारी गई थी।

अमित पत्नी की हत्या करने के बाद आंगन की तरफ बढ़ा। तभी पिताजी ने अमित से बंदूक छीनने की कोशिश की, लेकिन अमित ने उन्हें धक्का दिया। दोनों के बीच बहस हुई। इसी बीच अमित ने पिताजी के सिर में गोली मार दी। हम सब लोग डर गए। घर की महिलाओं ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। उसके सिर पर खून सवार था। कोई उसके पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। पिता की हत्या करने के बाद अमित ने बंदूक की नली अपने सिर पर लगाई और पैर से ट्रिगर दबाकर खुद को शूट कर लिया।

राजेश सिंह का कहना है कि, अमित की मानसिक हालत ठीक नहीं थी। उसका बनारस में इलाज चल रहा था। कई बार घर में आए दिन छोटे-बड़े विवाद होते रहते थे। सोमवार रात भी पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था।

तीनों डेड बॉडी के सिर पर गोली के निशान

एएसपी अंकित कुमार ने बताया कि, मंगलवार की सुबह हमें जानकारी मिली की एक ही परिवार के तीन लोगों का शव उनके घर पर मिला है। हमलोग सुबह 6 बजे घटनास्थल पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। परिवार वालों ने बताया कि, रात 12 से 1 बजे के करीब जब घर में सभी लोग सोए हुए थे तो फर्स्ट फ्लोर से अचानक गोली चलने की आवाज आई। उनलोगों की नींद खुली तो देखा अमित हाथ में बंदूक लिए अपने कमरे से बाहर आ रहा है। कमरे में नीतू की डेड बॉडी पड़ी थी। उसके सिर से खून बह रहा था। वहीं, जब अमित को उसके पिता रोकने गए तो आरोपी ने उनपर भी फायरिंग कर दी। इसमें अमित के पिता की भी मौके पर ही मौत हो गई।

लंदन से 17 गुना बड़ा सऊदी का सिंदलाह द्वीप, यहां का वॉटर स्पोर्ट्स सबसे खास

दुनिया में कच्चे तेल और आलीशान जिंदगी के लिए मशहूर सऊदी अरब ने अपने पहले नियोजित मेगा सिटी नियोम के पहले हिस्से सिंदलाह द्वीप को आम लोगों के लिए खोल दिया है। यह द्वीप 8 लाख 40 हजार वर्ग मीटर में फैला हुआ है। मेगासिटी का पहला हिस्सा अल्ट्रालक्स द्वीप रिजॉर्ट के साथ खुला है। इस शानदार द्वीप को इतावली स्टूडियो लुका दीनों डिजाइन एंड आर्किटेक्चर द्वारा डिजाइन किया गया है। 30 हजार मजदूरों की मदद से इस द्वीप को बनाया गया है। यह स्मार्ट सिटी लंदन के आकार से लगभग 17 गुना बड़ी है। प्रोजेक्ट को लगभग 500 अरब डॉलर की कीमत से तैयार किया जा रहा है। सऊदी सरकार की इस परियोजना के पीछे मोहम्मद बिन सलमान का मकसद देश की अर्थव्यवस्था को निर्भरता को तेल से हटाने की है। सिंदलाह को 2028 तक प्रतिदिन 2,400 आगंतुकों की मेजबानी करने की उम्मीद है। नियोम प्रोजेक्ट को 2017 में क्राउन प्रिंस बिन सलमान द्वारा लॉन्च किया गया था।

द्वीप पर दुकानें और क्लब भी

इस द्वीप पर 3 आलीशान होटल है। इसके अलावा सिंडाला में पॉट क्लब भी शामिल है। साथ ही लोगों को खरीदारी करने के लिए दुकानें भी है। इस द्वीप पर 440 कमरे, 88 विला और 200 से अधिक सर्विस्ड अपार्टमेंट हैं। पर्यटक क्याकिंग, वॉटर स्कीइंग और स्कूबा डाइविंग का आनंद ले सकते है। यहां के विले का एक दिन का किराया 4.5 लाख रुपए है।

प्राकृतिक ऊर्जा का इस्तेमाल

निओम को द लाइन प्रोजेक्ट के लिए जाना जाता है। इस प्रोजेक्ट के तहत 170 किलोमीटर तक लंबी इमारतें होगी। यह दुनिया का पहला शहर होगा, जो पूर्ण रूप से 100 फीसदी प्राकृतिक ऊर्जा से संचालित होगा। शहर के सभी इलेक्ट्रिकल उपकरण सोलर, विंड और हाइड्रोजन एनर्जी से चलाए जाएंगे। प्रोजेक्ट में शहर की 95 फीसदी भूमि को प्रकृति के लिए संरक्षित किया जाएगा।

एशियाई शीतकालीन खेलों की मेजबानी करेगा सऊदी अरब

सऊदी अरब के चारों ओर रेगिस्तान है। हालांकि सऊदी अरब शीतकालीन खेल केंद्र बनने की योजना है। आने वाले वर्षों में इस प्रोजेक्ट के तहत ट्रोजेना रिसॉर्ट वैल डी इसेरे, वर्बियर और जरमेट जैसे भव्य स्की रिसॉर्ट्स बनाए जाएंगे। ट्रोजेना 2029 एशियाई शीतकालीन खेलों की मेजबानी करेगा। ट्रोजेना दुनिया का पहला वर्टिकल विलेज होगा, जो लगभग 36 किलोमीटर में फैला होगा। इसे स्वरावत पहाड़ों में बनाया जाएगा। यह क्षेत्र बाकी क्षेत्र की तुलना में औसतन 10 डिग्री सेल्सियस ठंडा है।

300 साल से चल रहा है दुनिया का सबसे पुराना डाकघर

क्या आप जानते हैं कि मंगोलिया में डाकघरों की संख्या कम होने के कारण वहां डाकिए पैदल, घोड़े या ऊँट की सवारी करके सुदूर इलाकों में डाक पहुंचाते हैं। यह दुनिया की सबसे कठिन डाक सेवा में से एक मानी जाती है। वहीं, नामीबिया में वाल्केन पोस्ट ऑफिस 600 साल पुराने बाओबाब वृक्ष के अंदर स्थित था और 1990 तक चालू स्थिति में था। भूटान में एक सोलर पोस्ट ऑफिस है, जो पर्यावरण अनुकूल डाक सेवाओं के लिए एक मिसाल है।

आज हमारे पास संचार के कई माध्यम हैं..मोबाइल फोन, ईमेल, सोशल मीडिया, वीडियो कॉल, वाट्सअप आदि। इनके ज़रिए हम तेज गति और आसानी से किसी से भी संपर्क कर सकते हैं। बावजूद इसके, इनमें वो मिठास और आत्मीयता नहीं हो जो हाथ से लिखी चिट्ठी में होती है। चिट्ठी सिर्फ हाथ से लिखा एक संदेश भर नहीं है, बल्कि एक अहसास है। जब हम किसी को खत लिखते है तो हर शब्द को सोच-समझकर चुनते हैं। इसमें हम अपने जज्बातों को खुलकर और विस्तार से जाहिर कर सकते है। आपके हाथ से लिखे शब्दों की महक जब सामने वाले तर पहुंचती है, तो वो भी उनकी खुशबू से भीग जाता है। यही वजह है कि लोग सालोंसाल अपने प्रियजनों की चिट्ठिया संभालकर रखते है।

दुनिया के अनोखे डाकघर

आज के डिजिटल युग में जहां सब कुछ क्षणिक और व्यस्तताओं से भरा है, सुकून इस बात का है कि अब भी डाकघर बंद नहीं हुए हैं। अब भी कुछ लोग है जो खत लिखते हैं। अब भी पोस्ट ऑफिस में लोग जाते हैं। और जब बात हो रही है पोस्ट ऑफिस की तो आज हम आपको दुनिया के कुछ अनोखे और खास डाकघर के बारे में बताने जा रहे हैं।

हिम्मी डाकघर, चीन

यह दुनिया में सबसे ऊंचाई पर स्थित डाकघर है, जो 5,300 मीटर (17,388 फीट) की ऊंचाई पर तिब्बत पठार में स्थित है। यह डाकघर विशेष रूप से यात्रियों और पर्वतारोहियों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

सबसे पुराना डाकघर, स्कॉटलैंड →

स्कॉटलैंड के छोटे से गांव Sanquhar में स्थित है दुनिया का सबसे पुराना डाकघर, जो वर्ष 1712 से लगातार चालू है। 18वीं शताब्दी में यह पोस्ट ऑफिस लंदन और एडिनबर्ग के बीच पत्र और दस्तावेजों के आदान-प्रदान के लिए स्थापित किया गया था। यह तब से लगातार चालू है, यानी इसे 300 से अधिक वर्षों से इस्तेमाल किया जा रहा है।

अंडरवाटर डाकघर, वानुआतु

वानुआतु के हिडेन आइलैंड पर स्थित यह दुनिया का पहला और इकलौता पानी के अंदर बना हुआ डाकघर है। इसे समुद्र में लगभग 3 मीटर (10 फीट) गहराई में स्थापित किया गया है। यहां वाटर प्रूफ पोस्टकार्ड भेजे जा सकते हैं, जिन्हें विशेष रूप से तैयार किया गया है।

पोर्ट लॉकरॉय डाकघर

इसे पेंगुइन पोस्ट ऑफिस भी कहा जाता है क्योंकि यह हजारों पेंगुइनों के बीच स्थित है। पर्यटकों के लिए ये बेहद आकर्षण का केंद्र है और वे यहां से दुनिया के किसी भी हिस्से में पत्र भेज सकते हैं। यह ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वे के अधीन आता है और सर्दियों के दौरान बंद रहता है।

फ्लोटिंग पोस्ट ऑफिस, भारत

शुरुआत करते हैं भारत से। जम्मू-कश्मीर की डल झील (श्रीनगर) में दुनिया का इकलौता तैरता हुआ डाकघर है। इसे 2011 में स्थापित किया गया था और यह पानी में एक नाव पर बना हुआ है। ये डाकघर पर्यटकों के लिए एक आकर्षण का केंद्र रहता है।

सबसे छोटा डाकघर, अमेरिका

फ्लोरिडा के ओचोपी में दुनिया का सबसे छोटा डाकघर स्थित है। इसका आकार सिर्फ 56 वर्ग फुट (5.2 वर्ग मीटर) है और यह पहले एक सिंचाई उपकरण स्टोररूम था। 1953 में एक आग लगने से स्थानीय डाकघर जल गया, जिसके बाद इस छोटे से स्टोररूम को डाकघर में बदल दिया गया।

जानवर को किस रंग में दिखाई पड़ती है दुनिया

रंगों का हम सभी के जीवन में बहुत ज्यादा महत्व है। चाहे इंसान हो या जानवर सभी के लिए रंग की एक अलग प्रकाश होती है। इस दुनिया में हम अलग-अलग रंगों को देखते हैं, जिससे मन और दिमाग को अलग फील होता है। वहीं, अगर हम बात करें जानवरों की तो वह अलग-अलग रंगों का अनुभव नहीं कर पाते हैं। लेकिन सभी एक निश्चित रंग को देख पाते हैं। कुछ जानवर ऐसे भी होते हैं, जिन्हें कोई एक पार्टिकुलर रंग नहीं नजर आता है। इसके बहुत सारे कारण होते हैं।

कलर विजन

जानवरों में कलर विजन का लेवल शंकु की मौजूदगी और प्रकार पर पूरी तरह से डिपेंड करता है तो चलिए हम आपको उन रंगों के बारे में बताएंगे, जिन्हें अलग-अलग जानवर नहीं देख पाते हैं। सभी में रंगो के देखने की शक्ति और अनुभव विभिन्न होता है।

जानवरों में दो तरह के शंकु

सबसे पहले हम बात करते हैं, बिल्ली और कुत्ते की, तो इन जानवरों में दो तरह के शंकु होते हैं। इसलिए यह नीले और हरे रंग की रोशनी को महसूस कर पाते है। वहीं गाय की बात करें, तो उन्हें पीला और नीला रंग ही नजर आता है, लेकिन वह लाल रंग नहीं देख सकती। अब बात करते हैं भैंस की, तो यह लाल और भूरे रंग के अलावा कोई और रंग नहीं देख सकते। रंगों के अनुभव करने की लिस्ट में बैल भी शामिल है, जिन्हें लाल रंग बिल्कुल भी नजर नहीं आता है। इन्हें केवल हरा, नीला, वायलेट और पीला रंग दिखाई देता है।

जानें कारण

अब सवाल यह उठता है कि आखिर इन्हें लाल रंग क्यों नहीं दिखाई देता है, तो आपको बता दें कि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जानवरों में लाल रेटीना रिसेप्टर की कमी होती है। यह सबसे बड़ा कारण है कि जानवरों को लाल रंग नजर नहीं आता। हालांकि, बचपन में लगभग हर किसी को इस बात का डर होता था कि बैल के सामने यदि आप लाल रंग का कपड़ा पहले जाते है तो आपको सिंह से मार देंगे, लेकिन इस बात में जरा सी भी सच्चाई नहीं है। उन्हें लाल रंग का कुछ भी नजर नहीं आता है।

यह है भारत के 3 सबसे डरावने चर्च, दिन में भी जाने से कांप उठते हैं लोग

भारत में कई खूबसूरत और ऐतिहासिक चर्च हैं, जो अपनी अद्भुत वास्तुकला और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं। लेकिन इन चर्चों में कुछ ऐसे भी है, जिनकी डरावनी कहानियां सुनकर ही रूह कांप उठती है। कहा जाता है कि इन चर्चों में अजीबोगरीब घटनाएं होती हैं, जिनके चलते लोग दिन में भी यहां जाने से घबराते हैं। जैसे-जैसे क्रिसमस का त्यौहार नजदीक आता है वैसे-वैसे देश भर के गले-मोहल्ले में जगमगाती लाइटों से सजी दुकानें और पेड़-पौधे दिखाई देते हैं। लोग इस दिन चर्च में जाकर कैंडल जलाते हैं और प्रार्थना करते हैं।

भारत में कई ऐतिहासिक और खूबसूरत चर्च मौजूद है, जिनकी कहानियां भी अद्भुत है। कुछ चर्च ऐसे भी है, जिनकी अपनी डरावनी कहानियों के कारण वह दुनिया भर में प्रसिद्ध है। क्या आपने कभी इन चर्चों के बारे में सुना है, अगर नहीं तो आज हम आपको बताएंगे कि की वह चर्च कहां-कहां स्थित है। इन चर्चों में रात तो दूर, लोग दिन के उजाले में भी जाने से पहले कई बार सोचते हैं।

थ्री किंग्स चैपल चर्च

अगर भारत के सबसे डरावने चर्चों की बात की जाए तो गोवा में स्थित थ्री किंग्स चैपल चर्च का नाम सबसे पहले आता है। खूबसूरत समुद्र तट और ऐतिहासिक चर्चों के लिए मशहूर गोवा में यह चर्च अपने डरावने इतिहास के कारण जाना जाता है। इस चर्च से जुड़ी कहानी बताती है, कि यहां तीन पुर्तगाली राजाओं की मृत्यु हुई थी। बताया जाता है, कि सत्ता के लालच में एक राजा ने बाकी दो राजाओं को जहर देकर मार डाला था। लेकिन अपनी करतूत का भंडाफोड़ होता देख उसने खुद भी आत्महत्या कर ली थी। माना जाता है, कि तब से इन तीनों की आत्माएं चर्च के परिसर में भटकती रहती है।

सेंट जॉन द बैपटिस्ट

मुंबई में स्थित सेंट जॉन द बैपटिस्ट चर्च का नाम भारत के डरावने चर्चों में शामिल है। यह चर्च अपने डरावने किस्सों के कारण फेमस है। स्थानीय लोगों के अनुसार रात के समय यहां एक युवक और दुल्हन की चीख भरी आवाज सुनाई देती है। ऐसा कहा जाता है, कि इन दोनों ने पास के तालाब में कूदकर अपनी जान दे दी थी, तब से उन दोनों की आत्मा भटक रही है।

कदमत्तोम चर्च

कदमत्तोम चर्च केरल कैक प्रसिद्ध और रहस्यमय चर्च है, दक्षिण भारत की खूबसूरती के साथ यह चर्च अपनी डरावनी कहानियों के लिए भी जाना जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस रिसर्च में एक भिक्षु ने अपनी शक्तियों से एक मारते हुए बच्चे को बचा लिया था। जिस वजह से इस काले जादू का केंद्र माना जाने लगा था।

3 ट्रिलियन का आंकड़ा फिर से पार, क्रिप्टो निवेशकों की मौज

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टोकरेंसी में फिर से तेजी आने लगी है। उतार-चढ़ाव के बावजूद लेकिन पिछले कुछ दिनों क्रिप्टो का मार्केट कैप बढ़ गया है। इसका मार्केट कैप अब फिर से 3 ट्रिलियन डॉलर यानी 3 लाख करोड़ डॉलर को पार कर दिया है। पिछली बार 3 ट्रिलियन मार्केट कैप का आंकड़ा 21 नवंबर को था। उसके बाद इसमें लगातार गिरावट आनी शुरू हो गई थी। पिछले महीने क्रिप्टो का मार्केट कैप करीब 4 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े के करीब पहुंच गया था। फिलहाल बिटकॉइन में गिरावट का आंकड़ा गिरा है तो वहीं पाई नेटवर्क को कुछ नुकसान होने लगा है।

कॉइनमार्केटकैप के अनुसार मंगलवार सुबह 11 बजे क्रिप्टोकरेंसी का मार्केट कैप 3.03 ट्रिलियन डॉलर था। वहीं 24 घंटे पहले इसका मार्केट कैप 2.98 ट्रिलियन डॉलर था। ऐसे में इसमें 24 घंटे में 0.05 ट्रिलियन डॉलर (करीब 4.45 लाख करोड़ रुपये) की तेजी आई है। वहीं पिछले 24 घंटे में अलग-अलग क्रिप्टोकरेंसी का रिटर्न मिलाजुला रहा है। ज्यादातर क्रिप्टो हरे निशान पर कारोबार

कर रही हैं। वहीं कुछ में अभी भी गिरावट बनी हुई है।

बिटकॉइन और पाई नेटवर्क का क्या हाल?- पिछले 24 घंटे में बिटकॉइन में कुछ तेजी आई है। मंगलवार सुबह 11 बजे बिटकॉइन करीब 0.80 प्रतिशत की तेजी के साथ करीब 88 हजार डॉलर पर कारोबार कर रही थी। पिछले 7 दिनों में इसमें आई गिरावट थमी है। हालांकि निवेशकों का नुकसान अभी भी बना हुआ है। 7 दिनों में बिटकॉइन 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ कारोबार कर रही है।

वहीं पाई नेटवर्क कॉइन की स्थिति कुछ गड़बड़ होने लगी है। 24 घंटे में यह 1.74 प्रतिशत गिर गई है। इस गिरावट के साथ सुबह 11 बजे यह करीब 0.2380 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। इसका पिछले 7 दिनों का रिटर्न भी कुछ कम हुआ है। 7 दिनों में यह निवेशकों को करीब 6 फीसदी रिटर्न दे चुकी है। मौजूद गिरावट के बाद भी इसके पिछले कुल समय का रिटर्न अच्छा रहा है।

किस क्रिप्टो ने दिया ज्यादा रिटर्न?

पिछले 24 घंटे में रिटर्न के मामले में एक क्रिप्टो ने अच्छी-अच्छी क्रिप्टोकरेंसी को पीछे छोड़ दिया है। इसका नाम कास्पा है। 24 घंटे में इसका रिटर्न 16 फीसदी से ज्यादा रहा है। मंगलवार सुबह 11 बजे यह क्रिप्टो 0.04813 डॉलर (करीब 4.29 रुपये) पर कारोबार कर रही थी।

अरबपतियों की लिस्ट में भारी उथल-पुथल, लैरी पेज बने दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी शेयर बाजारों में सोमवार को टेक शेयरों में आए तेजी के तूफान का असर अमेरिकी अरबपतियों के नेटवर्थ पर दिखा। टेक बिलेनियर्स पर डॉलर की ऐसी बारिश हुई की अरबपतियों की लिस्ट में उथल-पुथल मच

गई। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे स्थान पर लैरी पेज आ गए हैं। गूगल शेयर 6 प्रतिशत से अधिक उछलकर 318.57 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गए। इसका फायदा लैरी पेज को मिला।जेफ बेजोस चौथे से पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं और वॉरेन बफे ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के टॉप-10 से बाहर हो गए हैं।

सोमवार को एक झटके में ही दुनिया के टॉप-10 अरबपतियों में से 9 की संपत्ति में करीब 65 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। ये सभी अरबपति अमेरिका के हैं और टेक बिजनेस से जुड़े हैं।

सबसे बड़ा फायदा एलन मस्क को- सबसे बड़ा फायदा एलन मस्क को हुआ। टेस्ला के शेयर में 6 फीसद से अधिक की उड़ान से उनकी संपत्ति एक ही दिन में 19.1 अरब डॉलर बढ़ गई। इस उछाल के साथ ही एक बार फिर मस्क इस साल के टॉप गेनर्स की लिस्ट में आ गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक अब उनकी दौलत 441 अरब डॉलर हो गई है।

6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी इकोनॉमी! इनकम टैक्स और जीएसटी कटौती से बूस्ट के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि टैक्स कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। भारत का

वास्तविक जीडीपी चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से जून अवधि में पांच तिमाहियों में सबसे तेज 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी वृद्धि अनुमानों के आधिकारिक आंकड़े 28 नवंबर को जारी होने वाले हैं। एसएंडपी ने अपनी 'इकोनॉमिक आउटलुक एशिया-पैसिफिक रिपोर्ट' में कहा, ''हमारा अनुमान है कि भारत की जीडीपी वित्त वर्ष 2025-26 (मार्च 2026 को समाप्त) में 6.5 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जिसमें जोखिम दोनों ओर संतुलित होंगे। अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के बावजूद मजबूत खपत से प्रेरित घरेलू वृद्धि मजबूत बना हुई है।''

आयकर कटौती का है असर- एसएंडपी ने कहा, ''माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की कम दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी और इस वर्ष शुरू की गई आयकर कटौती एवं ब्याज दरों में कटौती का पूरक बनेंगी।

ओपन हो गया एसएमई आईपीओ, ग्रे मार्केट दिखा रहा 2 लॉट पर 5000 का फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। एसएसएमडी एग्रोटेक इंडिया आईपीओ ओपन हो गया है। कंपनी के आईपीओ का साइज 34.09 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 28 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। कोई भी प्रमोटर अपनी हिस्सेदारी कंपनी में से घटा नहीं रहा है। यानी आईपीओ से जुटाए पैसे का उपयोग कंपनी के विस्तार में किया जाएगा। इस आईपीओ पर दांव लगाने की सोच रहे निवेशकों के लिए गुड न्यूज है। ग्रे मार्केट में कंपनी की स्थिति अच्छी है।

एसएसएमडी एग्रोटेक इंडिया आईपीओ 25 नवंबर यानी आज से 27 नवंबर तक खुला रहेगा। कंपनी की तरफ शेयरों का अलॉटमेंट 28 नवंबर को किया जाएगा। इसकी लिस्टिंग बीएसई एसएमई में प्रस्तावित है।

एसएमडी एग्रोटेट इंडिया इंडिया आईपीओ का प्राइस बैंड 114 रुपये से 121 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 1000 शेयरों का एक लॉट बनाया है। लेकिन किसी भी रिटेल निवेशक को कम से कम 2000 लॉट पर एक साथ दांव लगाना होगा। जिसकी वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 242000 रुपये का इंवेस्टमेंट करना होगा।

क्या चल रहा है जीएमपी?

एग्रोटेक इंडिया आईपीओ का जीएमपी आज 5 रुपये प्रति शेयर है। जोकि कंपनी की 4.13 प्रतिशत के प्रीमियम पर लिस्टिंग को दर्शाता है। अगर यही ट्रेंड रहा तो निवेशकों को ये लॉट पर 5000 रुपये का फायदा हो सकता है। बता दें, कल यानी सोमवार के मुकाबले कंपनी के जीएमपी कोई बदलाव नहीं हुआ है। श्री डाइमेंशन कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर नियुक्त किया गया है। वहीं, बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। निकुंज स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड को मार्केट मेकर किया गया है।यह एक एग्रो कंपनी है। कंपनी के पोर्टफोलियो में चावल, रामदाना, चना दाल, इडली रावा, चावल पाउडर आदि शामिल है।

12 अरब के मार्केट पर कब्जे की तैयारी!

मुकेश अंबानी और कुमार मंगलम बिड़ला में है सीधी टक्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही इकॉनमी है। देश में संपन्नता बढ़ने के साथ ही लोग लग्जरी आइटम्स पर ज्यादा खर्च कर रहे हैं। बहुत से भारतीय लग्जरी सामानों पर खूब खर्च करते है, लेकिन वे अक्सर विदेश जाकर खरीदारी करते हैं। अब यह ट्रेंड बदल रहा है। भारत का लग्जरी रिटेल बाजार 2023 में करीब 7.7 अरब डॉलर का था और 2028 तक यह 12 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। जाहिर है कि इस बाजार पर कब्जा करने के लिए बड़ी-बड़ी कंपनियों में होड़ मची है। रिलायंस इंडस्ट्रीज और आदित्य बिड़ला ग्रुप के रिटेल बिजनेस पहले से ही इस क्षेत्र में एक-दूसरे को टक्कर दे रहे हैं।

पेरिस का मशहूर डिपार्टमेंट स्टोर गैलरीज लाफायेट सी महीने मुंबई में खुला है। इसने रिलायंस इंडस्ट्रीज के जियो वर्ल्ड प्लाजा को सीधी टक्कर दी है। जियो वर्ल्ड प्लाजा में पहले से ही गुच्ची और डायर जैसे कई बड़े लग्जरी ब्रांड्स के शोरूम हैं। इस लॉन्च से रिलायंस और आदित्य बिड़ला ग्रुप के बीच मुकाबला और भी कड़ा हो गया है। गैलरीज लाफायेट भारत में आदित्य बिड़ला ग्रुप के साथ मिलकर काम कर रहा है।

क्या होगा फायदा?

दूसरी ओर, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल अपने एथनिक लग्जरी सेगमेंट को मजबूत कर रहा है। उन्होंने भारतीय डिजाइनर ब्रांड्स में बड़ी हिस्सेदारी खरीदी है, जिनमें सब्यसाची और तरुण तहिलियानी से बड़े नाम शामिल हैं। डेलॉइट इंडिया के पार्टनर आनंद रामनाथन का कहना है कि जब बड़े लग्जरी ब्रांड्स भारत में आ जाएंगे, तो उसके बाद छोटे ब्रांड्स भी आएंगे।

गैलरीज लाफायेट आने वाले 250 से ज्यादा ब्रांड्स में से लगभग 70 प्रतिशत ब्रांड्स भारत में पहली बार कदम रख रहे हैं। इनमें गिवेंची, बालमैन, जिल सैंडर और मैसन मार्जीला से बड़े नाम शामिल हैं। यह नई प्रतिस्पर्धा भारत के लग्जरी बाजार के लिए एक अच्छा संकेत है। इससे न केवल ग्राहकों को ज्यादा विकल्प मिलेंगे, बल्कि यह बाजार को और भी बड़ा बनाने में मदद करेगा।

चीन से पीछे है भारत

बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के एमडी और पार्टनर पारुल बजाज के मुताबिक भारत का लग्जरी रिटेल मार्केट एक अहम मोड़ पर है। यह चीन के बाजार से करीब 15-20 साल पीछे है। लग्जरी अब सिर्फ खास मौकों पर खर्च करने वाली चीज नहीं रह गई है, बल्कि यह खुद को व्यक्त करने का जरिया बन गई है। अकेले पर्सनल और एक्सपीरियंटल लग्जरी अगले दशक में तीन गुना बढ़ने की उम्मीद है। यही वजह है कि कंपनियां इस बाजार के मौके का फायदा उठाने के लिए आगे आ रही हैं।

रिलायंस रिटेल अपनी रिलायंस ब्रांड्स जरिए लग्जरी और प्रीमियम ब्रांड्स का एक पोर्टफोलियो बना रही है। इस पोर्टफोलियो में अब 90 से ज्यादा ब्रांड्स शामिल हो गए है, जिनमें से 30 से ज्यादा लग्जरी ब्रांड्स हैं। इनमें बालेनसिएगा, बरबेरी टिफनी ऐंड कंपनी।

जैसे नाम शामिल हैं। रिलायंस का पोर्टफोलियो ज्यादातर पश्चिमी ब्रांड्स पर केंद्रित है। इसके साथ ही, उन्होंने कुछ भारतीय डिजाइनर्स के साथ भी साझेदारी की है। इन कंपनियों में रिलायंस ने थोड़ी या पूरी हिस्सेदारी खरीदी है।

क्रोमा की ब्लैक फ्राइडे सेल: सभी कैटेगरीज़ में 50 प्रतिशत तक की छूट

स्मार्टफोन, टीवी, वाशिंग मशीन, लैपटॉप और रेफ्रिजरेटर पर 22 नवंबर 2025 से आकर्षक डील

मुंबई, एजेंसी। भारत का प्रमुख, ओम्नी-चैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर, क्रोमा ने अपने सालाना ब्लैक फ्राइडे सेल की घोषणा की है। इसमें सभी कैटेगरी पर 50त तक की भारी छूट दी जा रही है। क्रोमा की ब्लैक फ्राइडे सेल 22 नवंबर से शुरू होकर 30 नवंबर 2025 तक चलेगी।

क्रोमा में मिल रहा है, नए साल से पहले स्मार्ट खरीदारी करने और बड़ी बचत करने का बेहतरीन मौका! स्मार्टफोन, लैपटॉप, टीवी, वॉशिंग मशीन, ऑडियो गियर और घरेलू उपकरणों पर आकर्षक डील मिल रही है।

इन्फिनिटी रिटेल लिमिटेड के एक प्रवक्ता ने जानकारी दी, ब्लैक फाइडे अब भारत के सबसे बहुप्रतीक्षित शॉपिंग वीक में से एक है, और इस साल हमने सार्थक मूल्य में गिरावट

और आसान भुगतान विकल्पों पर ध्यान केंद्रित किया है ताकि ग्राहक आत्मविश्वास के साथ अपग्रेड कर सकें। ऑनलाइन और स्टोर में उपलब्ध उत्पादों की विशाल श्रेणी और कई एक्सचेंज ऑफर्स, बैंक ऑफर्स और ईएमआई लाभों के साथ, हम खरीदारों को सही कीमतों पर सही उत्पाद खोजने में मदद करने के लिए तैयार हैं। भारत भर के क्रोमा स्टोर और ऑनलाइन डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.क्रोमा.काम पर या टाटा नेउ ऐप के जरिए उपभोक्ता सभी ब्लैक फाइडे ऑफर का लाभ उठा सकते हैं।

यह ऑफर केवल भाग लेने वाले बैंकों द्वारा दिए गए लागू कैशबैक ऑफर या छूट के साथ उपलब्ध है। इस ऑफर में पुराने उत्पादों के लिए एक्सचेंज वैल्यू (विनिमय मूल्य) भी शामिल हो सकती है, यदि वे उत्पाद पात्र हैं। यह ऑफर केवल चुनिंदा ब्रांडों, उत्पाद वर्गों और श्रेणियों पर ही मान्य है। ऑफर स्टोर और शहर के अनुसार अलग हो सकता है। नियम और शर्तें लागू।

श्वेता तिवारी के साथ लॉन्च किया चिक क्रिक क्रेम के लिए 10 ऑन 10 हेयर कलर कैंपेन

गोवा। केविनकेयर के भरोसेमंद हेयर-केयर ब्रांड चिक ने क्रेम कैटेगरी में कदम रखते हुए नया टेलीविजन कैंपेन- 10 ऑन 10 हेयर कलर लॉन्च किया है, जिसमें टीवी अभिनेत्री श्वेता तिवारी मुख्य भूमिका में हैं। 30 सेकेंड की इस टीवीसी में चिक क्रिक क्रेम के 10 मिनट में चमकदार बालों का रंग देने का वादा दिखाया गया है। यह अभियान उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में हिंदी में प्रसारित होगा और यूट्यूब पर भी देखा जा सकता है।

फिल्म की शुरुआत में श्वेता तिवारी अपने दो दोस्तों के साथ हैं, जो अचानक आए प्लान में शामिल होने से हिचकिचा रहे हैं क्योंकि उनके बाल ग्रे हैं और उन्हें रंगने में समय लगेगा। श्वेता उन्हें नई चिक क्रिक क्रेम से परिचित कराती है – यह 10 मिनट में काम करने वाला फॉर्मूला, सिंगल-यूज़ सैशे में उपलब्ध है, जिससे बालों को रंग जल्दी और आसानी से किया जा सकता है। इसमें आंवला और भृंगराज शामिल हैं और यह सिर्फ 10 में प्रभावी परिणाम देता है। फिल्म में दोस्त रंग बदलने के बाद पहले की तुलना में नए रूप में दिखाई देते है, जिससे बालों के रंग और आत्मविश्वास में बदलाव स्पष्ट देखने को मिलता है।

केविनकेयर के पर्सनल केयर बिज़नेस हेड, श्री रजत नंदा ने कहा, हम यह दिखाना चाहते थे कि बालों का रंग बदलना समय लेने वाला या महंगा नहीं होना चाहिए। चिक क्रिक क्रेम हर किसी के लिए तेज़, सुविधाजनक और किफायती विकल्प है। श्वेता तिवारी इस अभियान के लिए सही चेहरा हैं, क्योंकि वह हिंदी-भाषी दर्शकों के बीच लोकप्रिय और भरोसेमंद हैं।

विदेशी सिम से 90 दिन में आईफोन-17 एक्टिव करने पर भारी जुर्माना; ग्रे मार्केट पर एपल का बड़ा शिकंजा

नई दिल्ली, एजेंसी। एपल के आधिकारिक वितरकों ने भारतीय मोबाइल फोन रिटेलरों को चेतावनी दी है। इसमें कहा है, अगर नए आईफोन, खासकर आईफोन-17 सीरीज को खरीद के 90 दिनों के भीतर विदेशी सब्सक्राइबर आइडेंटिटी मॉड्यूल (सिम) कार्ड से सक्रिय किए गए तो उन्हें भारी जुर्माना देना होगा। इसका उद्देश्य फोनों को अवैध रूप से ग्रे मार्केट में भेजने से रोकना है।

हालांकि जुर्माने की सटीक राशि स्पष्ट नहीं है। लेकिन एपल की नीतियों के अनुसार, ऐसे मामलों में खुदरा विक्रेता का स्टोर कोड ब्लॉक हो सकता है। इसका उद्देश्य रूस, अफ्रीका और मध्य पूर्व जैसे उच्च लाभ वाले बाजारों में आईफोन के निर्यात को रोकना है। इस ग्रे मार्केट के कारण भारत में आपूर्ति में कमी आ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय स्टोरों से आईफोन-17 मॉडल तेजी से गायब हो रहे हैं, क्योंकि खुदरा विक्रेता बड़ी मात्रा में विदेशी बाजारों में फोन भेज रहे हैं जहां लाभ मार्जिन अधिक है। कुल आईफोन निर्यात का 3 से 5 प्रतिशत अनौपचारिक माध्यमों से आता है। इसका आधा हिस्सा रूस जाता है। वहां एपल ने यूक्रेन युद्ध के बाद परिचालन बंद कर दिया था। अकेले अक्तूबर में ही एपल का आईफोन निर्यात 1.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो भारत के कुल स्मार्टफोन निर्यात का एक-तिहाई है। इसके चलते भारत में आईफोन की भारी कमी हो गई है, खासकर 256जीबी और 512जीबी स्टोरेज वाले

आईफोन-17 मॉडल्स की। एपल ने नई आईफोन-17 सीरीज पर कैशबैक ऑफर को पहले के 6,000 से घटाकर अब 1,000 रुपये कर दिया है। इससे खरीदारों के लिए फोन और महंगे हो गए हैं।

त्योहारी सीजन के ठीक बाद एपल ने कई मॉडलों की छूट में भारी कमी कर दी थी। इसका मतलब कि अब ग्राहकों को नए आईफोन के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी। फ्लिपकार्ट व अमेजन समेत ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही रिटेलर्स के पास सीमित स्टॉक है। कई स्टोर मालिकों ने पुष्टि की है कि बेस मॉडल या तो पूरी तरह बिक चुके हैं या बहुत कम संख्या में उपलब्ध हैं। ब्लूमबर्ग दिल्ली। एपल के आधिकारिक वितरकों ने भारतीय मोबाइल फोन रिटेलरों को चेतावनी दी है। इसमें कहा है, अगर नए आईफोन, खासकर आईफोन-17 सीरीज को खरीद के 90 दिनों के भीतर विदेशी सब्सक्राइबर आइडेंटिटी मॉड्यूल (सिम) कार्ड से सक्रिय किए गए तो उन्हें भारी जुर्माना देना होगा। इसका उद्देश्य फोनों को अवैध रूप से ग्रे मार्केट में भेजने से रोकना है।

हालांकि जुर्माने की सटीक राशि स्पष्ट नहीं है। लेकिन एपल की नीतियों के अनुसार, ऐसे मामलों में खुदरा विक्रेता का स्टोर कोड ब्लॉक हो सकता है। इसका उद्देश्य रूस, अफ्रीका और मध्य पूर्व जैसे उच्च लाभ वाले बाजारों में आईफोन के निर्यात को रोकना है। इस ग्रे मार्केट के कारण भारत में आपूर्ति में कमी आ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय स्टोरों से आईफोन-17 मॉडल तेजी से गायब हो रहे हैं, क्योंकि खुदरा विक्रेता बड़ी मात्रा में विदेशी बाजारों में फोन भेज रहे हैं जहां लाभ मार्जिन अधिक है।

संविधानः लोकतंत्र की आत्मा और सुशासन का आधार

ललित गर्ग

संविधान दिवस केवल इतिहास का स्मरण नहीं है, यह भविष्य की जिम्मेदारी का बोध भी है। इसे मनाते हुए हमें अपनी राष्ट्रीय प्रतिज्ञा दोहरानी चाहिए कि हम संविधान की रक्षा करेंगे, उसके मूल्यों को जीवन में उतारेंगे और अपने देश को ऐसा बनाएंगे जैसा हमारे संविधान ने परिकल्पित किया है, न्यायपूर्ण, समानतामूलक, स्वतंत्र और बंधुत्वपूर्ण। इसी में भारत का भविष्य है, इसी में हमारी लोकतांत्रिक शक्ति का चरम है, और इसी में एक प्रगतिशील राष्ट्र की आत्मा बसती है।

संविधान किसी भी राष्ट्र का चरित्र, मयार्दा और दिशा निर्धारित करता है। यह केवल विधिक दस्तावेज नहीं होता, बल्कि एक जीवंत मूल्य-व्यवस्था होती है जो राष्ट्र की आत्मा को परिभाषित करती है। संविधान दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र की स्थिरता, एकता और प्रगति का आधार हमारे संविधान की दूरदर्शिता, उदारता और संतुलन है। इसलिए किसी भी राष्ट्र में सुशासन की पहली और अनिवार्य शर्त यही है कि संविधान सर्वोच्च प्राथमिकता पर रहे, केवल शासन के लिए ही नहीं, बल्कि नागरिक जीवन के हर व्यवहार, आचरण और विचार में भी।

भारत गणराज्य का संविधान 26 नवम्बर 1949 को बनकर तैयार हुआ था। संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ॰ भीमराव आंबेडकर के 125वें जयंती वर्ष के रूप में 26 नवम्बर 2015 से भारत सरकार द्वारा संविधान दिवस सम्पूर्ण भारत में हर वर्ष मनाया जा रहा है। इससे पहले इसे राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था। संविधान सभा ने भारत के संविधान को 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में 26 नवम्बर 1949 को पूरा कर राष्ट्र को समर्पित किया और 26 जनवरी 1950 से संविधान अमल में लाया गया। भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता, व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता, सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया गया।

भारत का संविधान दुनिया के सबसे विस्तृत एवं आधुनिक संविधानों में माना जाता है। यह हमें केवल अधिकार ही नहीं देता, बल्कि कर्तव्यों की भावना भी जगाता है। यह हमें समानता, न्याय और स्वतंत्रता से सज्जित करता है, साथ ही यह भी बताता है कि इन आदर्शों को जीवित रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। जब किसी राष्ट्र में संविधान की अवहेलना शुरू होती है, तब लोकतंत्र डगमगाने लगता है। इसलिए संविधान का सम्मान करना एक विधिक प्रक्रिया का पालन मात्र नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र की बुनियाद है। आज संविधान दिवस पर यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि संविधान की प्रासंगिकता आज भी उतनी ही दृढ़ता से बनी हुई है या नहीं? उत्तर स्पष्ट है-हाँ, क्योंकि हमारा समाज परिवर्तनशील है,

चुनौतियाँ बदलती हैं, लेकिन न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे मूल आदर्श समय से परे हैं। संविधान की उपयोगिता तभी सिद्ध होती है जब शासनकर्ता उसे सर्वोपरि मानें और नागरिक उसे जीवन का नैतिक मार्गदर्शक बनाएं। इसी संदर्भ में यह भी विचारणीय है कि संविधान को केवल हाथ में लेकर जगह-जगह प्रदर्शन करना, जैसाकि कुछ राजनीतिक नेता, विशेषकर राहुल गांधी, करते हैं, क्या सचमुच संविधान के सम्मान का प्रतीक है? संविधान की प्रति का सार्वजनिक प्रदर्शन तब सार्थक होता है जब उसके मूल्यों को जीवन में उतारा जाए, उसके अनुच्छेदों का पालन किया जाए, उसके प्रति संयम, गरिमा और श्रद्धा रखी जाए। संविधान को राजनीतिक हथियार बनाकर भीड़ भावनाओं को उकसाने का प्रयास, संविधान की आत्मा के विरुद्ध है। संविधान को मंचों पर लहराना सम्मान नहीं, बल्कि उसकी गंभीरता का अवमूल्यन है। संविधान कोई राजनीतिक पोस्टर या प्रदर्शन की वस्तु नहीं, वह राष्ट्र की मयार्दा का दस्तावेज है, जिसे विवेक, संयम और ईमानदारी से समझने एवं पालन करने की आवश्यकता होती है।

संविधान निमार्ता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का दृष्टिकोण भी यही रहा कि संविधान तभी सफल होगा जब उसके अनुयायी चरित्रवान, प्रतिबद्ध और राष्ट्रहित साधक हों। बाबा साहेब ने कहा था-ह्यसंविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे चलाने वाले अच्छे नहीं होंगे तो वह खराब सिद्ध होगा।ह्व उनका यह चिंतन आज सबसे अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने संविधान को बनाया, पर उससे भी अधिक उन्होंने एक नैतिक चेतना जागृत की कि संविधान की शक्ति उसके लेखों में नहीं, बल्कि उस नागरिक चेतना में है जो उसे पालन करने के लिए तैयार रहती है। अंबेडकर का यह भी आग्रह था कि संविधान को केवल राजनीतिक बहस का साधन न बनाया जाए, बल्कि समाज सुधार और मनुष्य निर्माण की दिशा में उसका प्रयोग हो। उनके अनुसार संविधान को समझना यानी भारतीय समाज की आत्मा को समझना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संविधान को सर्वोच्च सम्मान देते हुए उसे शासन का आधारस्तंभ बनाया है। वे बार-बार कहते रहे हैं कि ह्यसंविधान हमारी शासन-व्यवस्था का पवित्र ग्रंथ है।ह्व उनकी दृष्टि में संविधान केवल कानूनों का संग्रह नहीं बल्कि अच्छे शासन, सामाजिक विश्वास और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। संसद के आरंभिक सत्र हों, प्रमुख राष्ट्रीय अवसर हों या आम जनता से संवाद, हर बार उन्होंने संविधान को सर्वोच्च स्थान दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि ह्यसंविधान का पालन करना केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति का सर्वोच्च रूप है।ह्व उनकी सरकार की प्राथमिकता यही रही है कि प्रत्येक नीति, प्रत्येक निर्णय और प्रत्येक योजना संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप हो। मोदी के नेतृत्व में कई ऐसे प्रयास हुए जिनका उद्देश्य संविधान के प्रति जन-जागरण बढ़ाना था, जैसे ह्यसंविधान के प्रति कर्तव्य पालनह्व अभियान, लोकतांत्रिक संस्थाओं को सुदृढ़ करना, पारदर्शी शासन एवं नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा।

उन्होंने संविधान दिवस को केवल समारोह न बनाकर राष्ट्रीय आत्मचिंतन का पर्व बनाने का प्रयास किया, जिससे हर नागरिक संविधान को केवल पढ़े नहीं बल्कि महसूस करे, समझे और जिए।

संविधान का सम्मान केवल शासन की जिम्मेदारी भर नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक के जीवन का हिस्सा होना चाहिए। यदि नागरिक संविधान को केवल विद्यालयों की पाठ्यपुस्तकों में सीमित मानते रहेंगे, तो यह राष्ट्र अपने लोकतांत्रिक आदर्शों से दूर होता जाएगा। संविधान का वास्तविक सम्मान तब है जब हम अपने दैनिक जीवन में समानता का पालन करें, न्याय को महत्व दें, धर्मनिरपेक्ष दृष्टि रखें, किसी के साथ भेदभाव न करें, हिंसा या अराजकता के बजाय संवाद एवं शांति का मार्ग चुनें। आज जब दुनिया में असहिष्णुता, चरमपंथ और राजनीतिक कटुता बढ़ रही है, तब हमारा संविधान एक शीतल छाया की तरह हमें संरक्षण देता है। यह हमें बताता है कि राष्ट्र केवल सत्ता परिवर्तन का खेल नहीं बल्कि मूल्यों की निरंतरता है। संविधान इन्हीं मूल्यों को स्थिर रखता है।

संविधान दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि संविधान का सम्मान केवल राष्ट्रीय पर्वों पर नहीं बल्कि प्रतिदिन के जीवन में होना चाहिए। नागरिकों के मन में संविधान के प्रति आदर की आदत विकसित हो, यह तभी संभव है जब समाज में संवैधानिक शिक्षण को मजबूत किया जाए, देश के नागरिकों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों का बोध कराया जाए और हर स्तर पर संवैधानिक आचरण को प्रोत्साहित किया जाए। आज आवश्यकता है कि संविधान को राजनीतिक विवादों से ऊपर उठाया जाए। उसे नारा, प्रदर्शन और विरोध की वस्तु न बनाया जाए। बल्कि उसे एक ऐसे प्रकाश स्तंभ के रूप में देखा जाए जो हमें न्यायपूर्ण, समतामूलक और शांतिपूर्ण समाज की ओर ले जाता है। यदि हम संविधान का सम्मान करेंगे तो राष्ट्र मजबूत होगा; यदि हम इसकी अवमानना करेंगे तो लोकतंत्र कमजोर होगा।

संविधान दिवस केवल इतिहास का स्मरण नहीं है, यह भविष्य की जिम्मेदारी का बोध भी है। इसे मनाते हुए हमें अपनी राष्ट्रीय प्रतिज्ञा दोहरानी चाहिए कि हम संविधान की रक्षा करेंगे, उसके मूल्यों को जीवन में उतारेंगे और अपने देश को ऐसा बनाएंगे जैसा हमारे संविधान ने परिकल्पित किया है, न्यायपूर्ण, समानतामूलक, स्वतंत्र और बंधुत्वपूर्ण। इसी में भारत का भविष्य है, इसी में हमारी लोकतांत्रिक शक्ति का चरम है, और इसी में एक प्रगतिशील राष्ट्र की आत्मा बसती है।

संपादकीय

खतरनाक मंसूबे

नापाक पाक की ओर से सीमावर्ती राज्य पंजाब को अस्थिर करने की साजिश पिछली सदी से लगातार की जा रही है। लेकिन अब नशे का नश्तर सुनियोजित ढंग से इसके सीने पर जिस ढंग से चलाया जा रहा है, वह परेशान करने वाला है। पंजाब के पाक सीमा से लगे जिलों में नशीले पदार्थों की आपूर्ति लगातार जारी है। लेकिन अब इस साजिश में एक विचलित करने वाला अनैतिक मोड़ देखने को मिल रहा है। इसमें पाक स्थित ड्रग माफिया भारतीय सीमा में नाबालिगों को एक नशा आपूर्तिकर्ता के तौर पर भर्ती कर रहे हैं। यह कोई मामूली साजिश नहीं है, बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया जा रहा है। ये तकनीकी बदलावों, कानून की खामियों और सबसे बढ़कर बच्चों की मासूमियत का फायदा उठाने का कुत्सित प्रयास ही है। दरअसल, सीमा पार बैठे नशा माफिया कानून के छिद्रों व परिस्थितियों का लाभ उठाने से नहीं चूकते। अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर और फाजिल्का के किशोरों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। इन किशोरों में कई आर्थिक तंगी से जूझ रहे परिवारों से हैं। जिन्हें चंद रुपयों का प्रलोभन दिया जाता है। उन्हें स्मार्टफोनों का लालच भी दिया जाता है। इसके अलावा जो किशोर नशे की दलदल में धंस चुके हैं उनकी कमजोर नस को पकड़कर उन्हें मुफ्त ड्रग्स का लालच दिया जाता है। किसी भी देश के किशोरों का नशे के संजाल में फंसना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। बच्चे भविष्य के भारत के कर्णधार होते हैं। यदि वे अभी से नशे की दलदल और नशीले पदार्थों की आपूर्ति में लग जाएंगे तो देश-समाज का भविष्य कैसा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। जिस काम को किशोर लालच से अंजाम दे रहे हैं, सही मायनों में वह बेहद खतरनाक है। वे ड्रोन से गिराए गए हेरोइन के पैकेट व कुछ मामलों में खतरनाक अवैध हथियार उठाते हैं और उन्हें ड्रग माफिया द्वारा बताए गए एजेंटों तक पहुंचाते हैं। दरअसल, आमतौर पर किशोरों की सामान्य सक्रियता को संदिग्ध नहीं माना जाता। उनका साफ-सुथरा रिकॉर्ड उन्हें कानून प्रवर्तन अधिकारियों की नजर से बचा लेता है। यदि नाबालिगों की गिरफ्तारी होती भी है तो वे भारतीय कानूनों के हिसाब से गंभीर सजा से बच जाते हैं। इस तरह, उनकी कम उम्र ही उन्हें सीमा पार बैठे नशे के तस्करों के लिये उपयोगी बना देती है। इन बच्चों के खिलाफ कार्रवाई करते समय प्रवर्तन एजेंसियों को उदार रवैया अपनाना चाहिए। दरअसल, कुछ बच्चे परिस्थितियों के मारे भी होते हैं। वे मूलतः अपराधी नहीं होते। कुछ शातिर अपराधी उनका इस्तेमाल करके इस अपराध की दलदल में धकेल देते हैं। सही मायनों में वे सीमा पार से रची गई साजिश और हमारी अपनी व्यवस्था की कमजोरियों के कुचक्र व उससे उपजी आपराधिक व्यवस्था में आसानी से फंस जाते हैं। असल में, भारतीय किशोर न्याय कानून का उद्देश्य नाबालिगों को सुधारना और सुरक्षा करना होता है। लेकिन इस कानून की मूल भावना का लाभ संगठित नेटवर्कों द्वारा अपने मंसूबों को अंजाम देने को उठाया जा रहा है।

चिंतन-मनन

भावना भी समझें

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है। दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन वाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए। सड़क पर नहीं, अन्यत्र कहीं। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके। उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई।

हर आदमी ?से ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है-भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व यह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूं, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या, मन की समस्या और भावना की समस्या पर समवेत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।

भर गये सदियों के घाव, आस्था का हो रहा विजयगान, केसरिया ध्वज लहराते ही नया युग शुरू

नीरज कुमार दुबे

आज अयोध्या की धरती पर एक ऐसा क्षण उत्पन्न हुआ जो केवल ईंट-पत्थर और वास्तुकला का नहीं, बल्कि पीढ़ियों की आस्था, अनवरत संकल्प और सामूहिक स्मृति का साक्षी बना। जब केसरिया धर्मध्वज गर्व से श्रीराम जन्मभूमि के शिखर पर लहरा उठा, तो वह केवल एक ध्वज नहीं था– वह सैकड़ों वर्ष के अरसे से बँधी हुई वेदना का, अटूट विश्वास का और उन अनगिनत लोगों के संघर्ष का प्रतीक बन गया जो इस पवित्र भूमि को पुनः उसकी गरिमा प्रदान करने के लिये अग्रसर थे।

विवाह पंचमी के अभिजीत मुहूर्त पर, वैदिक मंत्रों की गूँज और ह्यजय श्रीरामह्व के उद्घोष के बीच जो आराधना हुई, वह व्यक्तिगत श्रद्धा से ऊपर उठकर राष्ट्र के सांस्कृतिक स्मरण का साझा अनुष्ठान बन गई। मंदिर के चारों ओर निर्मित परकोटे की शिल्पकला, मुख्य मंदिर की दीवारों पर उकेरे गए 87 प्रसंग और कॉपर-शिल्प की 79 समृद्ध झांकियाँ, यह सब केवल स्थापत्य कौशल का प्रदर्शन नहीं, बल्कि रामकथा के विविध आयामों का मूर्त रूप हैं जो हमारी परंपरा की बहुरंगी विविधता को दर्शाते हैं।

यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं रहा; यह उन अनेकों साधना-यात्रियों, संतों, पुरोहितों, शिल्पकारों, वास्तुकारों, अनुगामियों, श्रमिकों और दानदाताओं की कहानियों का संगम रहा जिनकी तपस्या और त्याग भारत के इतिहास में विशेष स्थान रखते हैं। जिन लोगों ने वर्षों, दशकों तक अपनी ऊर्जा समर्पित की, वह आज जहां भी रहे हों, उनके मन में आज निश्चित रूप से आत्म-संतोष का भाव रहा होगा। साधु-संतों की भक्ति-भाषाएँ, श्रद्धालुओं की भीड़ और नगरवासियों की आतिथ्य-भावना ने भी यह प्रमाणित किया कि आस्था और सामूहिक विश्वास किस तरह किसी स्थान की आत्मा को पुनर्जीवित कर सकते हैं।

नया ध्वजारोहण केवल अतीत का जश्न नहीं है; यह भविष्य की दिशा का संकेत भी है। आज की अयोध्या, जहाँ प्राचीन रामकथा और आधुनिक योजनाओं का अप्रत्याशित संगम दिख रहा है, वह इस बात का उदाहरण है कि विरासत और विकास साथ-साथ फल-फूल सकते हैं। महर्षि वाल्मीकि हवाई अड्डे से लेकर आधुनिकीकरण किए गए रेलवे टर्मिनलों, रामपथ और भक्ति-पथ तक, ये सब उस दृष्टि का हिस्सा हैं जो तीर्थ को वैश्विक रूप से सुलभ, सुरक्षित और आदर्श-आधारित बनाने की कल्पना करती है।

इस पवित्र क्षण पर, हमें उन अनगिनत नामरहित कर्मयोगियों को भी याद करना चाहिए जिनका श्रम बिना किसी प्रचार-प्रसार के मंदिर निर्माण को साकार करने में सहायक रहा। वे श्रमिक जिनके हाथों ने पत्थरों को संवारा; वे शिल्पकार जिनकी कला ने कथानक को जीवन दिया; वे पुरोहित, संत और पंडित जिनके अनुष्ठानिक ज्ञान ने मार्ग दिखाया; और वे स्वयं सेवक व आयोजक जिनकी रात-दिन की मेहनत ने समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की, इन सबका आभार केवल शब्दों में सीमित नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही राम मंदिर आंदोलन के नेतृत्वकताओं, भागीदारों तथा श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के संकल्प को सिद्ध करने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता के बिना आज के इस दिन की कल्पना करना संभव नहीं था।

आज, उन समुदायों और परिवारों का भी अभिवादन आवश्यक है जो शांतिपूर्ण और संयत भाव से इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बने रहे। भीड़ के उत्साह में जो संयम और अनुशासन दिखा, वह सामाजिक सहिष्णुता और साझा गर्व का प्रतीक था। संतों के भावपूर्ण शब्दों ने इस क्षण को दैवीयता का अनुभाव बना दिया और भक्तों की आशा-आभा ने यह संकेत दिया कि यह भूमि अब एक नए अध्याय में प्रवेश कर रही है– जहाँ आध्यात्मिकता और सामाजिक

विकास साथ-साथ आगे बढ़ने का वादा करते हैं। आज का दिन हमें यह भी संदेश देता है कि किसी भी महान लक्ष्य की पूर्ति के लिये संकल्प, सहनशीलता और सामूहिक भागीदारी अनिवार्य हैं।

बहरहाल, जब केसरिया ध्वज आकाश में लहरा रहा था, तब उसके साथ एक नयी आशा भी ऊँची हुई कि यह स्थान उन मूल्यों का प्रसार भी करेगा जो व्यक्ति को नैतिक, दयालु और समाज-प्रेरित बनाते हैं। अयोध्या की यह गाथा निश्चित रूप से आने वाली पीढ़ियों को श्रद्धा, सेवा, समर्पण और साझा-सपनों के लिये प्रेरित करेगी। जय श्रीराम।

'हमेशा ऑनलाइन' रहने के मायाजाल की दौड़ में थकते युवा

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज का भारतीय समाज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है जहाँ तकनीक अवसर भी दे रही है और संकट भी खड़ा कर रही है। सोशल मीडिया का तेजी से बढ़ता दायरा इस संक्रमणकाल का सबसे बड़ा प्रतीक है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स और अन्य प्लेटफॉर्म ने आम लोगों को वह मंच दिया है, जिसकी कल्पना कुछ दशक पहले संभव नहीं थी। लेकिन यह सशक्तिकरण जितनी उम्मीदें लेकर आया था, उतने ही उलझाव उसने मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्तर पर पैदा कर दिए हैं। युवा पीढ़ी लाइक, व्यूज, फॉलोअर्स और डिजिटल सेलिब्रिटी बनने की सतही चाह में उलझकर मानसिक थकान और सामाजिक दूरी के ऐसे भंवर में फंसती जा रही है जो दिखाई तो नहीं देता, पर भीतर तक कमजोर कर रहा है। भारत में सोशल मीडिया उपयोगकताओं की संख्या 50 करोड़ पार कर चुकी है-यह दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल समुदायों में से एक है। यह संख्या जितनी विशाल है, उससे कहीं अधिक विशाल है वह दबाव, जो इसने युवाओं के मन पर डाला है। सुबह उठते ही फोन उठाकर रात को आंख बंद होने तक स्क्रीन पर स्क्रोल करते रहने की आदत आज सामान्य लगती है, लेकिन यह सामान्यता ही सबसे बड़ा खतरा बन चुकी है। लाइक-व्यूज के माध्यम से मान्यता पाने की चाह युवाओं को धीरे-धीरे वास्तविक जीवन से काट रही है।

सोशल मीडिया का सबसे आकर्षक और सबसे खतरनाक पहलू यह है कि यह एक समानांतर दुनिया रचता है-एक ऐसी दुनिया जहाँ आप अपनी इच्छानुसार छवि गढ़ सकते हैं, अपनी वास्तविकता से अलग व्यक्तित्व प्रदर्शित कर सकते हैं और अपनी जिंदगी को चमकदार फ्रेम्स में पिरो सकते हैं। लेकिन इस दुनिया में स्वीकृति की कीमत बहुत भारी है। कुछ सेकंड का ध्यान पाने के लिए लगातार नए पोस्ट, नई तस्वीरें, नए रील्स और नई अभिव्यक्तियाँ देनी पड़ती हैं। युवाओं में यह दबाव बढ़ रहा है कि यदि उनकी पोस्ट को पर्याप्त लाइक या व्यूज नहीं मिले, तो वे किसी अदृश्य प्रतियोगिता में पिछड़ गए हैं। यह डिजिटल पहचान की एक ऐसी प्रतिस्पर्धा है जिसमें न कोई स्पष्ट लक्ष्य है, न कोई अंत, और न ही कोई वास्तविक विजेता। हर युवा अपनी ही छवि की तुलना दूसरों से करता है। किसी और की मुस्कुराहट, जीवनशैली, शरीर, छुट्टियाँ, करियर, रिश्ते-सब कुछ तुलना का आधार बन जाता है। यह तुलना आत्म-सम्मान को चोट पहुंचाती है और धीरे-धीरे युवा महसूस करने लगते हैं कि वास्तविक जीवन में जितना वे पाते हैं, वह पर्याप्त नहीं है।

कई सर्वे बताते हैं कि 18-34 आयु वर्ग के 59% युवा स्वीकार करते हैं कि सोशल मीडिया उनके मानसिक संतुलन को प्रभावित कर रहा है। इनमें चिंता, तनाव, अनिद्रा, ओवरथिंकिंग, अत्यधिक उत्तेजना और आत्म-संदेह जैसी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। युवाओं के दिमाग में हर समय दो सवाल घूमते रहते हैं-इस पोस्ट पर कितने लाइक आए? लोग मेरे बारे में क्या सोच रहे होंगे? इन सवालों का बोझ इतना बढ़ चुका है कि वास्तविक उपलब्धियाँ भी कई बार डिजिटल प्रतिक्रिया के बिना युवा को अधूरी लगती हैं। आत्मविश्वास की नींव खुद के मूल्य पर नहीं, बल्कि दूसरों की डिजिटल स्वीकृति पर टिकने लगती है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने वाले युवाओं में अवसाद और अकेलेपन की समस्या तेजी से बढ़ी है। बाहर से वे ह्लकनेक्टेडह्व दिखते हैं, लेकिन भीतर वे अत्यधिक अलगाव महसूस करते हैं। वास्तविक बातचीत में कमी आने से भावनात्मक अभिव्यक्ति भी कमजोर हो गई है। आज कई परिवारों में यह आम दृश्य है कि भोजन की मेज पर बैठे सभी लोग मोबाइल स्क्रीन में झुके हैं। माता-पिता कभी समझ नहीं पाते कि बच्चे किस पोस्ट को बनाने में इतना वक्त लगा रहे हैं, या क्यों एक तस्वीर को कई बार परफेक्ट एंगल से लेना आवश्यक है। युवा पीढ़ी की भावनाएँ, संवाद शैली और प्राथमिकताएँ तेजी से डिजिटल स्वरूप में बदल रही हैं, जबकि बुजुर्ग अभी भी वास्तविक संवाद और संबंधों को महत्व देते हैं। इस पीढ़ीगत अंतर ने परिवारों को भावनात्मक रूप से दूर कर दिया है।

दोस्तों के साथ घूमने जाना अब एक अनुभव नहीं, बल्कि कंटेंट बनाने का अवसर बन गया है। हर जगह ह्लपोस्ट करने लायकह्व तस्वीर ढूंढना मानो एक अनिवार्य कार्य बन गया है। रिश्ते धीरे-धीरे वास्तविकता से हटकर प्रदर्शन के माध्यम बन रहे हैं। कई युवा स्वीकार करते हैं कि वे सोशल मीडिया पर दिखने वाले ह्लपरफेक्ट रिश्तोंह्व से प्रभावित होकर अपने संबंधों को लेकर अनावश्यक उम्मीदें पाल लेते हैं, जो बाद में निराशा का कारण बनती हैं।

सोशल मीडिया की सबसे बड़ी समस्या है-हमेशा उपलब्ध रहने का दबाव। नोटिफिकेशन की लगातार झंकार, मैसेज का तुरंत जवाब देने की आदत, किसी नए ट्रेंड में पीछे न छूटने का डर, और हर समय अपडेटेड दिखने की चाह युवाओं की मानसिक ऊर्जा को धीरे-धीरे खत्म कर रही है। डिजिटल थकान आज एक वास्तविक समस्या बन चुकी है। कई युवा रात को देर तक नींद नहीं ले पाते क्योंकि उन्हें लगता है कि वे कुछ मिस कर देंगे। दिन में उनकी एकाग्रता भंग रहती है क्योंकि दिमाग हर समय स्क्रीन की ओर खिंचता रहता है। यह चक्र अंतहीन है और जितना समय बढ़ता है, उतनी थकान गहराती जाती है।

प्लेटफॉर्म्स का उद्देश्य सरल है-उपयोगकर्ता को जितना अधिक समय स्क्रीन पर रोके रखा जाए, उतना अधिक लाभ। एल्गोरिद्म इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि उपयोगकर्ता स्क्रोल करना बंद ही न करे। वीडियो एक के बाद एक चलते रहते हैं, नोटिफिकेशन लगातार आकर्षित करते रहते हैं और कंटेंट का चयन इस प्रकार किया जाता है कि उपयोगकर्ता को लगे-ह्लबस थोड़ा और। ह्व इस रणनीति का सबसे अधिक प्रभाव युवा दिमागों पर पड़ता है, जो अभी भावनात्मक और बौद्धिक रूप से परिपक्व हो रहे होते हैं। उन्हें यह समझ नहीं आता कि सोशल मीडिया की यह दुनिया उनके समय, ऊर्जा और आत्मसम्मान को लगातार प्रभावित कर रही है।

समस्या जितनी बड़ी है, उसका समाधान भी उतना ही व्यवहारिक है-डिजिटल अनुशासन। युवाओं को प्रतिदिन एक निश्चित समय तय करना चाहिए-इससे आदतें नियंत्रित होंगी और थकान कम होगी। अनावश्यक नोटिफिकेशन बंद करने से मन पर होने वाला दबाव कम होता है। खुद को दूसरों के बनाए ह्यहाइलाइट रीलह्व से तुलना करना बंद करना जरूरी है। परिवार, दोस्तों, किताबों, प्रकृति, खेल और रचनात्मक गतिविधियों पर ध्यान देना सकारात्मक ऊर्जा देता है। स्कूलों-कॉलेजों में डिजिटल व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य पर पाठ्यक्रम जोड़ना समय की मांग है। अभिभावकों को भी बच्चों में मोबाइल उपयोग की आदतों पर संयमित और संवेदनशील निगरानी रखनी चाहिए।

युवाओं को यह समझने की आवश्यकता है कि उनकी वास्तविक प्रतिभा, भावनाएँ, रचनात्मकता और मेहनत किसी स्क्रीन पर आए आंकड़ों से अधिक मूल्यवान हैं। जीवन का अर्थ डिजिटल तालियों से नहीं, बल्कि वास्तविक अनुभवों, रिश्तों और आत्मविकास से बनता है। सोशल मीडिया ने दुनिया को छोटा जरूर बनाया है, लेकिन इसका उपयोग यदि संयमित न हो तो यह हमारे ही जीवन का दायरा छोटा कर देता है। समय आ गया है कि युवा इस मायाजाल से जागें, स्क्रीन से थोड़ी दूरी बनाएं और अपनी वास्तविक पहचान की ओर लौटें। क्योंकि लाइक-व्यूज की यह दौड़ अंतहीन है-और इसमें थकना निश्चित है। लेकिन जीवन की दौड़ के रास्ते अनंत हैं, अर्थपूर्ण हैं और सच्चे हैं।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

दो दीवाने शहर में फिल्म ने मुझे मुश्किल दिनों से निकलने में मदद की

बॉलीवुड में रोमांस और दिल छू लेने वाली कहानियों को हमेशा खास जगह दी जाती है। इस कड़ी में संजय लीला भंसाली का प्रोडक्शन एक ऐसी ही फिल्म लेकर आ रहा है, जिसका नाम है दो दीवाने शहर में। इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर लीड रोल में नजर आएंगे।

इस फिल्म को रवि उद्यावर डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म के बारे में सिद्धांत चतुर्वेदी ने कहा, जब मैं दो दीवाने शहर में फिल्म की शूटिंग कर रहा था, उस समय मैं अपने निजी जीवन में कुछ मुश्किल भरे दौर से गुजर रहा था। मेरे लिए यह फिल्म सिर्फ एक काम नहीं थी; यह एक ऐसा अनुभव था जिसने मुझे क्रिएटिविटी के तौर पर चुनौती दी और व्यक्तिगत रूप से मुझे उन मुश्किल दिनों से निकलने में मदद की। सिद्धांत ने बताया कि फिल्म उनके दिल के बहुत करीब है और उम्मीद जताई कि शूटिंग के दौरान जो जुड़ाव उन्होंने महसूस किया, वही फिल्म देखने के दौरान दर्शक भी करेंगे। उन्होंने आगे कहा, कहते हैं कि परफेक्ट जैसा कुछ नहीं होता। बस आपको किसी ऐसे इंसान की जरूरत होती है जो आपके लिए दुनिया से लड़ सके और आप भी उनके लिए हमेशा खड़े रहें। फिल्म की कहानी एक अनोखे और खूबसूरत रोमांस को दर्शाती है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर इसे दो दिल, एक शहर, और एक इंपरफेक्टली परफेक्ट लव स्टोरी बताया। फिल्म की घोषणा करते हुए भंसाली प्रोडक्शन ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, दो दिल, एक शहर, और एक इंपरफेक्टली परफेक्ट लव स्टोरी... इस वैलेंटाइन डे आपको इश्क से इश्क हो जाएगा। दो दीवाने शहर में 29 फरवरी 2026 को रिलीज हो रही है। संजय लीला भंसाली इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं, और उनके साथ प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार भी इस प्रोजेक्ट में हैं। फिल्म रवि उद्यावर फिल्म्स के सहयोग से बनाई जा रही है।

द फैमली मैन 3 में अपने किरदार पर बोलीं निमरत कौर

मनोज बाजपेयी की अदाकारी वाली वेब सीरीज द फैमिली मैन 3 प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है। अभिनेत्री निमरत कौर ने इस सीरीज में अहम रोल अदा किया है। अपने रोल के बारे में उन्होंने कई बातें कही हैं। उनके मुताबिक द फैमिली मैन के नए सीजन में मीरा की भूमिका निभाना एक रोमांचक मौका था।

सीरीज में कैसा है निमरत का किरदार?

कौर ने फिल्म द लंचबॉक्स, एयरलिफ्ट और दसवीं में बेहतरीन अभिनय किया है। निमरत कौर द फैमिली मैन 3 में श्रीकांत तिवारी (मनोज बाजपेयी) की दुश्मन हैं। जयदीप अहलावत के साथ उन्होंने विलेन का रोल किया है। अपने किरदार के बारे में निमरत ने कहा वह एक कड़वी चॉकलेट है, एक कैरेक्टर के तौर पर बहुत स्वादिष्ट है। वह आम इंसान की पहुंच से दूर है। कौर ने आगे कहा कि उन्हें अपने किसी भी आने वाले प्रोजेक्ट पर इतना अच्छा रिएक्शन कभी नहीं मिला, जितना उन्हें तब मिला जब उन्होंने बताया कि वह द फैमिली मैन 3 का हिस्सा हैं।

शो ऑफ करने लगीं

निमरत कौर ने कहा शुरू में मैं धीरे से जवाब देती थी क्योंकि मैं आम तौर पर शांत रहने वाली इंसान हूं। बाद में, मुझे समझ आया कि मुझे हर किसी से, परिवार से, दोस्तों से और लोगों से अच्छा रिएक्शन मिल रहा है। फिर मैंने शो ऑफ करना शुरू कर दिया। जब कोई मुझसे पूछता आप आगे क्या करने वाली हो? तो मैं कहती मैं द फैमिली मैन 3 करने वाली हूं। ऐसे रोल का इंतजार रहता है

अपने किरदार के बारे में कहा

ये ऐसा किरदार है जिसे आपको बनाना होता है, ये आपको दिया जाता है। इसके बाद उम्मीद की जाती है कि आप इसके साथ न्याय करें। इसलिए, मैं हमेशा ऐसे रोल का इंतजार करती हूं, मुझे ऐसे सेट पर बहुत मजा आता है।

सीरीज में हैं ये कलाकार

द फैमिली मैन 3 में शारिब हाशमी, प्रियामणि, अश्लेषा ठाकुर, वेदांत सिन्हा, श्रेया धनवंतरी और गुल पनाग हैं। सीरीज पर दर्शक अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

कॉमिक टाइमिंग के जादूगर, जानें कैसे बने बॉलीवुड के रोम-कॉम किंग

बॉलीवुड में कुछ ऐसे कलाकार होते हैं जो अपने चेहरे की मासूमियत, हंसी और स्क्रीन पर अपनी कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों का दिल जीत लेते हैं। कार्तिक आर्यन ऐसे ही एक कलाकार हैं, जिन्होंने रोमांस और कॉमेडी से बॉलीवुड में एक अलग मुकाम हासिल किया है। उनकी फिल्में दर्शकों का लंबे समय से मनोरंजन करती आई हैं। उनकी फिल्मों में अभिनय के साथ-साथ ह्यूमर का जबरदस्त मेल देखने को मिलता है, जिसके चलते उन्हें आज बॉलीवुड का रोम-कॉम किंग कहा जाता है। कार्तिक आर्यन का जन्म 22 नवंबर 1990 को मध्य प्रदेश के शहर ग्वालियर में हुआ। उनका असली नाम कार्तिक तिवारी है, लेकिन उन्होंने बॉलीवुड में आने के लिए अपना सरनेम बदलकर आर्यन रख लिया। उनके माता-पिता दोनों डॉक्टर हैं, इसलिए उनके परिवार की पहली इच्छा थी कि कार्तिक भी डॉक्टर बने। लेकिन कार्तिक के दिल में फिल्मी दुनिया का सपना था। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा और धीरे-धीरे एक्टिंग की ओर भी आकर्षित होते गए। 2011 में कार्तिक आर्यन ने बॉलीवुड में कदम रखा और प्यार का पंचनामा फिल्म से डेब्यू किया। इस फिल्म में उनका किरदार रजत नाम के लड़के का और उन्होंने एक सीन में लगभग पांच मिनट का लंबा मोनोलॉग बिना रुके कहा। यह मोनोलॉग आज भी बॉलीवुड की यादगार पलों में गिना जाता है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही और कार्तिक की प्रतिभा को खूब सराहा गया। इस मूवी ने उनके लिए फिल्म इंडस्ट्री में दरवाजे खोल दिए।

इसके बाद उन्होंने कई रोमांटिक फिल्मों में काम किया, लेकिन उनकी असली पहचान तब बनी जब उन्होंने प्यार का पंचनामा 2, सोनू के टीटू की स्वीटी, और लुका छुपी जैसी फिल्में की। इन फिल्मों में उन्होंने अपने कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों का दिल जीत लिया। सोनू के टीटू की स्वीटी में उनका किरदार ऐसा था जो दर्शकों के दिलों में तुरंत उतर गया। लुका छुपी में उनकी मासूमियत और मजेदार अंदाज ने फिल्म को और भी हिट बनाया। इन फिल्मों के जरिये कार्तिक ने साबित किया कि वह सिर्फ रोमांटिक हीरो नहीं, बल्कि कॉमेडी में भी माहिर हैं।

कार्तिक आर्यन ने इसके अलावा पती-पत्नी और वो जैसी फिल्मों में भी शानदार प्रदर्शन किया। कॉमेडी के साथ-साथ कार्तिक ने भूल भुलैया 2 और भूल भुलैया 3 जैसी हॉरर-कॉमेडी फिल्में भी की, जो सुपरहिट रहीं। इसके अलावा, उन्होंने धमाका और फेडी जैसी फिल्में कर करके अपने अभिनय की सीमा को और बढ़ाया। धमाका में उन्होंने एक जर्नलिस्ट का किरदार निभाया, जबकि फेडी में वह एक शर्मीले और शांत डेंटिस्ट बने, जिसमें उनका डार्क और सस्पेंस से भरा अंदाज देखने को मिला।

करियर में अपनी मेहनत और अभिनय से उन्होंने कई पुरस्कार भी जीते। उन्हें स्टारडस्ट अवार्ड, जी सिने अवार्ड्स, आईफा, और फिल्मफेयर आदि में नामांकन और पुरस्कार मिल चुके हैं। हाल ही में उन्हें भूल भुलैया 3 और चंदू चैंपियन के लिए भी कई पुरस्कार मिले।

नए शो में हितेन तेजवानी के साथ काम करेंगी मोनालिसा

अभिनेत्री मोनालिसा ने 21 नवंबर को अपना जन्मदिन धूमधाम से मनाया। अपने स्पेशल दिन पर भी मोनालिसा ने काम किया, आखिर मामला नए शो का जो है। मोनालिसा ने एक पोस्ट शेयर करते हुए अपने नए शो पर अपडेट दिया है, जिसमें वे हितेन तेजवानी के साथ काम करेंगी। मोनालिसा ने लिखा, यह जन्मदिन नई शुरुआत के साथ खास रहा, वर्किंग बर्थडे, मिलिए सूर्या और शनाया से, एक नया किरदार शानदार को-एक्टर के साथ शो में। क्योंकि सास भी कभी बहू थी फेम हितेन के साथ काम करते हुए मोनालिसा ने कहा, शानदार अनुभव रहा। हितेन ने भी लिखा है, शुक्रिया मोना जी, धमाल करते हैं। मोनालिसा ने बर्थडे सेलिब्रेशन की फोटोज भी शेयर की हैं, जिनमें अपने पति के साथ नजर आ रही हैं।

राशी खन्ना ने फरहान अख्तर को बताया शानदार इंसान

एक्ट्रेस राशी खन्ना इन दिनों अपनी नई फिल्म '120 बहादुर' को लेकर काफी उत्साहित हैं। फिल्म आज यानी शुक्रवार को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। रिलीज के साथ ही राशी ने न केवल अपने को-स्टार फरहान अख्तर की तारीफ की बल्कि दर्शकों से फिल्म के लिए प्यार भी मांगा। इंस्टाग्राम पर बीटीएस तस्वीरों को पोस्ट करते हुए राशी खन्ना ने को-स्टार और फिल्म निर्माता फरहान अख्तर की जमकर तारीफ की। राशी ने फरहान के साथ एक तस्वीर पोस्ट करते हुए फिल्म में अपने किरदार का जिक्र करते हुए लिखा, फरहान सर के साथ शगुन शैतान सिंह का रोल करना ऐसा लगा जैसे किसी ऐसी जगह पर कदम रख दिया हो, जहां सब कुछ अच्छा और आसान हो गया हो। उनमें एक शांत, समझदार इंसानियत है, जो आपको सबसे इंटेंस सीन में भी सुरक्षित महसूस कराती है। अभिनेत्री ने फरहान का आभार जताते हुए आगे लिखा कि फरहान के साथ बिताए हर पल के लिए वह शुक्रगुजार हैं। साथ ही उन्होंने मजाकिया अंदाज में यह भी जोड़ा कि उन सभी मौकों के लिए भी धन्यवाद, जब फरहान सर ने जरूरत पड़ने पर उन्हें हंसाया। राशी ने दर्शकों से फिल्म देखने की अपील करते हुए कहा, 120 बहादुर हमारी फिल्म अब आपकी है। प्लीज जाइए, अपना प्यार बरसाइए। फिल्म की कहानी रेजांग ला की लड़ाई पर आधारित है, जहां 120 भारतीय सैनिकों ने 3,000 चीनी सैनिकों के खिलाफ डटकर मुकाबला किया। यह फिल्म सैनिकों की वीरता और देशभक्ति की भावना को शानदार तरीके से पर्दे पर पेश करती है। 120 बहादुर को एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैपी स्टूडियोज ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। रजनीश घई के निर्देशन में बनी फिल्म में राशी खन्ना ने शगुन का किरदार निभाया है, जबकि फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह के रोल में हैं। झ

रोमांटिक हीरो बनकर लौट रहा हूं, यह मेरे लिए नई शुरुआत है

90 के दशक वाले प्यार की सादगी और गहराई को नए अंदाज में दिखाने वाली फिल्म 'गुस्ताख इश्क' जल्द ही रिलीज होने वाली है। विभु पुरी के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक ड्रामा में पहली बार फातिमा सना शेख और विजय वर्मा साथ नजर आएंगे। फिल्म में रिश्तों, प्यार और भावनाओं की जटिलताओं को पेश किया गया है। इसका खास आकर्षण गुलजार और विशाल भारद्वाज का संगीत है, जिसे दर्शक लेकर काफी उत्साहित हैं। हाल ही में विजय ने बातचीत में अपने अनुभव साझा किए।

90 के दशक की बहुत सी बातें याद आती हैं, खासकर उस दौर का सच्चा प्यार और जज्बात। आपको उस समय की कौन-सी बातें सबसे ज्यादा याद आती हैं?

90 के दशक की बहुत सी यादें हैं। हर चीज में अपना अलग मजा था। मौसम का, फिल्म देखने का, थिएटर की लाइन में लगने तक का। उस समय हर चीज के लिए इंतजार करना पड़ता था, लेकिन लोग उस इंतजार को भी एन्जॉय करते थे। लाइट चली जाती थी तो परिवार या दोस्तों के साथ बातें करते थे, पुराने फोटो एल्बम देखते थे, छोटी-छोटी खुशियां मनाते थे। वही पुरानी खूबसूरत यादें इस फिल्म में फिर से देखने को मिलेंगी।

स्कूल टाइम में जो मासूम प्यार होता था, वो एकतरफा था या दोतरफा? कोई अनुभव शेयर करें?

एकतरफा ही था, क्योंकि कभी बात नहीं की। शायद दोतरफा भी हो, लेकिन मौका ही नहीं मिला।

आपने कभी अपने दिल की बात कही थी?

स्कूल के समय मैं बहुत शर्मीला था, किसी से ज्यादा बात नहीं करता था। 18 साल की उम्र में पहली बार किसी लड़की से बात हुई। उसने खुद मुझे एक चिट्ठी भेजी थी, जिसमें लिखा था- तुम चेक शर्ट में अच्छे लगते हो। इसके बाद हम दोस्त बने, फिर कुछ सालों बाद हमारी डेटिंग शुरू हुई। कुछ समय बाद हमारा रिश्ता खत्म हो गया, और उसके बाद मैं पढ़ाई के लिए पुणे के एफटीआई चला गया।

नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? सुना है, एफटीआईआई में उनकी वर्कशॉप में आप नहीं जा पाए थे, क्या कहानी है?

जब मैं एफटीआई में था, तब नसीर साहब की वर्कशॉप हमारे बैच में नहीं हुई थी। अगले बैच में उनकी वर्कशॉप रखी गई, तो मैं और मेरा एक दोस्त पुणे चले गए। हमने सोचा था कि क्लास में बैठ जाएंगे, लेकिन वहां जाने की अनुमति नहीं मिली क्योंकि वो दूसरे बैच की वर्कशॉप थी। हम बाहर ही पूरा दिन बैठे रहे, बस उनसे मिलने की उम्मीद में। शाम को जब नसीर साहब ने देखा कि हम अब भी बाहर बैठे हैं, तो मुस्कुराकर बोले, कल सुबह 9 बजे आ जाना। इसी तरह हमें उनकी वर्कशॉप में शामिल होने का मौका मिल गया।

विजय आप अपनी को-स्टार फातिमा के बारे में क्या कहेंगे?

फातिमा बहुत डाउन टू अर्थ और सिंपल हैं। बिल्कुल भी एटीट्यूड नहीं है, बड़ी फिल्मों में काम करने के बावजूद बहुत ग्राउंडेड है।

हाल में आपने ओटीटी पर कई अच्छे रोल किए, अब फिर रोमांटिक हीरो बनकर लौट रहे हैं, कैसा लग रहा है?

बहुत नया महसूस हो रहा है, जैसे एक्टर के तौर पर दोबारा जन्म ले रहा हूं। मेरी फिल्में काफी समय बाद थिएटर में आ रही हैं, वो भी बतौर लीड। तो यह मेरे लिए नई शुरुआत है। बस चाहता हूं कि ऑडियंस का प्यार और सपोर्ट मिले ताकि आगे बढ़ता रहूं।

टेस्ट सीरीज में वापसी की आस पर पानी फिरा, भारत को मिला 549 रनों का महा-लक्ष्य, मुश्किल में टीम

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में भारत का निराशाजनक प्रदर्शन मंगलवार को भी जारी रहा। दक्षिण अफ्रीका द्वारा दिए गए 549 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम ने 21 रन पर दो विकेट गंवा दिए। टेस्ट सीरीज़ में 1-0 से पिछड़ रही भारतीय टीम के सामने कल एक कठिन चुनौती है क्योंकि टेस्ट के आखिरी दिन उसके पास केवल आठ विकेट ही बचे हैं। भारत ने चौथे दिन के आखिरी सत्र में विकेट गंवाए और गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस मैच के आखिरी दिन दक्षिण अफ्रीका की स्थिति मजबूत है।

चौथे दिन स्टंप्स तक भारत का स्कोर 27/2 था, जिसमें कुलदीप यादव (4*) और साई सुदर्शन (2*) नाबाद थे। मेज़बान टीम को दो मैचों की सीरीज़ 1-1 से बराबर करने के लिए पाँचवें दिन 522 रनों की ज़रूरत है। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल सस्ते में आउट हो गए। दक्षिण अफ्रीका ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में 26/0 से की और लंच तक 220/4 रन बनाकर ट्रिस्टन स्टब्स (60*) और वियान मुल्डर (29*) स्ट्राइक पर थे।

लंच के बाद के सत्र में नीतीश कुमार रेड्डी ने पहला चौका तब दिया जब स्टब्स ने 74वें ओवर की तीसरी गेंद पर उन्हें चार चौके जड़े। स्टब्स ने आक्रामक रुख अपनाया और 76वें ओवर में रेड्डी के खिलाफ लगातार दो चौके लगाए। 78वें ओवर में, प्रोटियाज़ बल्लेबाज़ ने रवींद्र जडेजा की गेंद पर डीप मिड-विकेट की बाउंड्री के ऊपर से एक गगनचुंबी छक्का जड़ा। 78वें ओवर की तीसरी गेंद पर, स्टब्स, जो अपने शतक की ओर बढ़ रहे थे, जडेजा की गेंद पर बोल्ड हो गए, जिन्होंने 180 गेंदों में 94 रन बनाए।

स्टब्स के आउट होने के बाद, दक्षिण अफ्रीका ने 260/5 पर अपनी पारी घोषित करने का फैसला किया और उन्होंने 549 रनों का मुश्किल लक्ष्य रखा। यह दूसरी बार है जब भारत को घरेलू टेस्ट में 500 से ज़्यादा रनों का लक्ष्य दिया गया है। इससे पहले 2004 में नागपुर में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को जीत के लिए 543 रनों का लक्ष्य दिया था। वह मैच वे 342 रनों से हार गए थे, जो रनों के लिहाज़ से उनकी सबसे बड़ी हार है। भारतीय सलामी बल्लेबाज़ केएल राहुल और यशस्वी बल्लेबाज़ी करने उतरे। जायसवाल ने एक चौका और एक छक्का लगाकर आक्रामक रुख़ दिखाया, जबकि राहुल ने सतर्कता से शुरुआत की।

शमी की फिर हुई उपेक्षा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर समाप्त होने का संकेत तो नहीं

मुम्बई (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की एक बार फिर अनदेखी हुई है। शमी को घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल नहीं किया गया है। शमी लंबे समय से वापसी के लिए इंतजार रहे थे पर टीम में जगह नहीं मिलने से उनका इंतजार लंबा होता जा रहा है। इससे ये भी अटकलें लगायी जा रही हैं कि शमी अब लगता है चयन समिति की योजनाओं का हिस्सा नहीं रहे हैं। अभी वह घरेलू क्रिकेट में बंगाल की ओर से खेल रहे हैं। हाल ही में शमी ने रणजी ट्रॉफी के पहले चरण में बंगाल की ओर से 4 मैचों में 20 विकेट लिए थे और उन्हें सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के लिए भी जगह मिली थी पर इसके बाद भी उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिल पायी है। जिससे कहा जा रहा है उनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर समाप्त हो गया है।

ये भी कहा जा रहा है कि जब शमी घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हुए लगातार विकेट ले रहे हैं तो फिर उन्हें टीम में जगह क्यों नहीं मिल रही है। क्या चयन समित उसने अपनी नाराजगी निकला रही है। शमी ने कुछ समय पहले चयन समिति पर सवाल उठाये थे। तब मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने एक कार्यक्रम में बताया था कि उन्हें फिटनेस की वजह से टीम में शामिल नहीं किया जा रहा है। इसके बाद . शमी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि वह पूरी तरह से फिट हैं और इसी कारण घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं। गौरतलब है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में आराम दिया गया है। फिलहाल ये दोनों तेज गेंदबाज टेस्ट सीरीज में खेल रहे हैं। ऐसे में शमी को अवसर दिया जाना था पर ऐसा नहीं हुआ।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में महाराष्ट्र की कप्तानी करेंगे पृथ्वी शॉ, आईपीएल में वापसी पर रहेगी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पृथ्वी शॉ एक ऐसा नाम जिसे कभी भारतीय क्रिकेट के सबसे चमकदार युवा सितारों में गिना जाता था और अब अपने करियर को फिर से जीवित करने के निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। बीते कुछ वर्षों में खराब फॉर्म, फिटनेस चुनौतियों और ऑफ-फील्ड विवादों ने उनकी प्रगति को गहरी चोट पहुंचाई। लेकिन 2025-26 घरेलू सीजन से पहले महाराष्ट्र में शिफ्ट होकर शॉ ने अपने लिए नई शुरुआत का रास्ता चुना है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी उनके लिए वह मंच बन सकती है, जहां वे दोबारा साबित कर सकते हैं कि उनका टैलेंट अब भी उतना ही खतरनाक है।

पृथ्वी शॉ की नई शुरुआत : बदलाव जिसने सबका ध्यान खींचा

मुंबई क्रिकेट के पोस्टर बॉय रहे पृथ्वी शॉ ने पहली बार अपने घरेलू करियर की दिशा बदलते हुए महाराष्ट्र को चुना। यह कदम न केवल उनकी संघर्षपूर्ण यात्रा का संकेत देता है, बल्कि यह भी बताता है कि वे एक स्वच्छ शुरुआत और बेहतर अवसर की तलाश में हैं। वर्षों की अस्थिरता और टीम चयन में लगातार गिरावट के बाद यह बदलाव उनके करियर का अहम मोड़ माना जा रहा है।

SMAT: करियर को पटरी पर लाने का सुनहरा मौका

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (SMAT), जो टी20 फॉर्मेट में भारत के सबसे बड़े घरेलू टूर्नामेंटों में से एक है, शॉ के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। कल से शुरू होने वाला यह टूर्नामेंट उनके लिए सिर्फ रन बनाने का अवसर नहीं, बल्कि यह दिखाने का मंच है कि वे वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। IPL 2025 के मिनी ऑक्शन को देखते हुए हर पारी, हर रन और हर स्ट्राइक-रेट उनकी बोली पर सीधा प्रभाव डालेगा।

IPL ऑक्शन में झटका और अब उम्मीद की नई किरण

पिछले साल के IPL ऑक्शन में किसी भी टीम ने पृथ्वी शॉ पर बोली नहीं लगाई। यह उनके लिए सिर्फ एक पेशेवर झटका नहीं, बल्कि एक संकेत था कि उनके मार्केट वैल्यू में बड़ी गिरावट आ चुकी है। अब उनकी नज़र SMAT में दमदार प्रदर्शन पर है। अगर वे अपनी पुरानी आक्रामक बैटिंग शैली और कंसिस्टेंसी वापस लेकर आते हैं, तो IPL टीमों का ध्यान उनकी ओर लौट सकता है, खासकर वे फ्रेंचाइजी जो भारतीय ओपनर की तलाश में हैं और विदेशी स्लॉट बचाना चाहती हैं।

लीडरशिप की जिम्मेदारी

इस बार पृथ्वी शॉ को सिर्फ बल्लेबाज नहीं, बल्कि कप्तान की भूमिका भी निभानी है। रुतुराज गायकवाड़ राष्ट्रीय टीम के लिए चयनित होने के कारण महाराष्ट्र की कप्तानी ग्रुप स्टेज तक शॉ को सौंपी गई है। यह भूमिका उनके व्यक्तित्व, मैच्योरिटी और गेम अवेयरनेस को उजागर करने

का शानदार मौका है, वे गुण जिन्हें IPL टीमें बहुत महत्व देती हैं।

दिल्ली कैपिटल्स से शुरुआत और विस्फोटक IPL रिकॉर्ड

शॉ ने IPL में अपने सातों सीजन दिल्ली कैपिटल्स के साथ खेले, जहां उन्होंने 1,892 रन बनाए और 147 की स्ट्राइक-रेट से गेंदबाजों पर हावी रहे। पावरप्ले में तेज शुरुआत दिलाने की उनकी क्षमता आज भी कई टीमों के लिए अमूल्य है। अगर वे पुराना फ्लो वापस पाते हैं, तो IPL 2026 से पहले उनका क्रिकेट करियर दोबारा नई उड़ान पकड़ सकता है।

'दीप्ति शर्मा डब्ल्यूपीएल मेगा नीलामी में सबसे ज़्यादा डिमांड वाली खिलाड़ी होंगी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। जैसे-जैसे टीमें टाटा डब्ल्यूपीएल 2026 मेगा ऑक्शन की तैयारी कर रही हैं और अपनी टीम को मजबूत करना चाहती हैं, सभी की नजरें भारत की टॉप ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा और भरोसेमंद बैट्समैन हरलीन देओल पर हैं, जो उनकी लाइन-अप को मजबूत करेंगी। जियो हॉटस्टार के शो 'मोस्ट वांटेडः टाटा डब्ल्यूपीएल 2026 ऑक्शन' में एक्सपर्ट अंजुम चोपड़ा और वेदा कृष्णमूर्ति ने दीप्ति शर्मा के ऑलराउंड असर और हरलीन देओल की वैल्यू को खास भारतीय खिलाड़ियों के तौर पर बताया, जिन पर हर फ्रेंचाइजी करीब से नजर रखेगी।

अंजुम चोपड़ा ने अपनी राय साझा करते हुए कहा, 'गुजरात जायंट्स को मेगा-ऑक्शन में दीप्ति शर्मा पर जरूर विचार करना चाहिए। दिल्ली कैपिटल्स भी उन्हें एक भारतीय खिलाड़ी के रूप में टारगेट कर सकती है जो बैटिंग और बॉलिंग दोनों को मजबूत करती है। गुजरात और दिल्ली के बाद यूपी वॉरियर्स उनकी सर्विस लेने में दिलचस्पी रखने वाली तीसरी टीम हो सकती है।'

गुजरात जायंट्स द्वारा हरलीन देओल को रिलीज किए जाने पर उन्होंने कहा, 'मुझे हैरानी है कि गुजरात जायंट्स ने हरलीन देओल को रिलीज किया। वह एक मल्टी-टैलेंटेड भारतीय खिलाड़ी है जो थोड़ी बॉलिंग भी कर सकती है, और मुझे उम्मीद है कि वह अपनी बॉलिंग स्किल्स को और डेवलप करेगी। ऑक्शन में उसमें अच्छी दिलचस्पी होगी। दीप्ति शर्मा के साथ, वह एक ऐसी भारतीय खिलाड़ी होगी जिसे हर फ्रेंचाइजी टारगेट करेगी क्योंकि टीमें मजबूत भारतीय बैट्समैन और संभावित लीडरशिप ऑप्शन चाहती हैं।'

वेदा कृष्णमूर्ति ने दीप्ति शर्मा की स्किल्स की तारीफ की और बताया कि मेगा नीलामी में वह सबसे ज़्यादा डिमांड वाली प्लेयर क्यों होंगी। उन्होंने कहा, 'दीप्ति शर्मा पिछले डब्ल्यूपीएल सीजन से एक जानी-मानी मैच-विनर हैं, उन्होंने बैट और बॉल दोनों से शानदार परफॉर्म किया है। उन्होंने हाल ही में खत्म हुए विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड भी जीता। मेगा-ऑक्शन में उनकी डिमांड जरूर ज़्यादा होगी, और हर फ्रेंचाइज उन पर करीब से नजर रखेगी।% टाटा डब्ल्यूपीएल 2026 की मेगा नीलामी 27 नवंबर को होगी जिसे जियो हॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर सीधे देखा जा सकता है।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन वाइल्ड कार्ड प्लेऑफ में सुमित नागल की जीत के साथ शुरूआत

चेंगडू । भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने चीन के मिंगुइ झांग को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन एशिया पेसीफिक वाइल्ड कार्ड प्लेआफ के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश

कर लिया। छठी वरीयता प्राप्त नागल ने 2.6, 6.0, 6.2 से जीत दर्ज की। नवंबर 24 से 29 तक होने वाले इस टूर्नामेंट में आस्ट्रेलियाई ओपन 2026 के मुख्य ड्रॉ के लिये पुरूष और महिला एकल विजेता को वाइल्ड कार्ड मिलेंगे । नागल को शुरूआत में चीन का वीजा लेने में दिक्कत आई। उनका आवेदन खारिज होने के बाद उन्हें चीनी अधिकारियों से सार्वजनिक तौर पर अपील करनी पड़ी। बाद में मसला सुलझने पर वह यहां आ सके। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त बू युंचाओकेते और जिजियांग यांग के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

भारत में खेलकर उत्साहित हैं मुथुसामी

नई दिल्ली । गुवाहाटी टेस्ट की पहली पारी में शानदार शतक लगाने दक्षिण अफ्रीका टीम के भारतीय मूल के ऑलराउंडर सेनुरन मुथुसामी ने कहा है कि भारत में खेलकर उन्हें बेहद खुशी हुई है। मुथुसामी ने कहा है कि साल 2019 में भारत दौरे के बाद उन्हें लगा था कि अब उन्हें यहां कभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलने का कोई अवसर फिर कभी नहीं मिल पाएगा क्योंकि तब वह दो विकेट ही ले पाये थे। इसलिए वह इस बार के भारत दौरे से बेहद उत्साहित हैं। अब 6 साल बाद मुथुसामी ने भारत दौरे में शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित किया है। उन्होंने कहा कि उपमहाद्वीप के हालातों को हमने बेहतर ढंग से सामझा है। मुथुसामी ने इस साल पाकिस्तान दौरे में भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए पहले टेस्ट में ही 11 विकेट लिए थे। वहीं दूसरे टेस्ट में 89 रन की नाबाद पारी खेलीं अब उन्होंने भारत के खिलाफ 109 रन की पारी ऐसे समय में खेली जब टीम ने 201 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। मुथुसामी ने कहा, 'मेरी यात्रा अलग प्रकार की रही है। साल 2019 में भारत से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया पर अधिक सफलता नहीं मिली हालांकि क्रिकेट एक सफर है जिसमें आप बस हर दिन को एक एक करके लेते हैं और ज्यादा आगे की नहीं सोचते।' उन्होंने कहा, 'लेकिन 2019 के बाद मुझे भरोसा नहीं था कि मैं कभी टेस्ट क्रिकेट खेल पाऊंगा। और भारत में खेलने के बारे में तो बिल्कुल भी भरोसा नहीं था।' मुथुसामी ने कहा, ' मैं बस उस समर्थन के लिए आभारी हूं जो मुझे कोचों, परिवार और सहयोगी स्टाफ से मिला।' साल 2019 की पदार्पण सीरीज के बाद उन्हें चार साल बाद टीम में जगह मिली। इस बीच उन्होंने घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था।

सुल्तान अजलान शाह कप : बेल्जियम के खिलाफ 2-3 से हारा भारत

इपोह (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम ने मंगलवार को मलेशिया के इपोह में सुल्तान अजलान शाह कप 2025 में बेल्जियम के खिलाफ फाइटिंग परफॉर्मेंस दी, लेकिन 3-2 से हार गई। सुल्तान अजलान शाह स्टेडियम में हुआ यह हॉकी मैच पहले सोमवार को होना था, लेकिन भारी बारिश की वजह से इसे स्थगित कर दिया गया। भारत के लिए अभिषेक (33') और शिलानंद लाकड़ा (57') ने गोल किए, जबकि पूर्व ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम के लिए रोमन डुवेकोट (17', 57') और निकोलस डी केर्पेल (45') गोल करने वाले खिलाड़ी थे।

सातवें नंबर की टीम भारत ने पक्के इरादे से शुरुआत की, दुनिया की नंबर 3 बेल्जियम को दूर रखा और शुरुआती दबाव का सामना किया। भारतीय गोलकीपर पवन को रीस्टार्ट के दोनों तरफ एक्शन में लाया गया, जिससे उनकी टीम बराबरी पर रही और वे लगातार गेम में आगे बढ़ते रहे। बेल्जियम को मैच शुरू होने के 10 मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर से पहला असली मौका मिला, और जल्द ही उन्होंने दूसरा मौका भी

बनाया। हालांकि, भारतीय डिफेंस ने मजबूती से खड़े होकर यह पक्का किया कि वे पहले क्वार्टर के बाद बराबरी पर रहें।

भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत फ्रंट फुट पर की और मौके की तलाश में अच्छे पास दिए। हालांकि, बेल्जियम ने खेल के दौरान बढ़त बना ली, और रोमन डुवेकोट के गोल की मदद से पवन की रुकावट को तोड़ दिया। तुरंत जवाब की तलाश में, दिलप्रीत सिंह ने भारत के लिए एक अच्छा मूव पूरा किया लेकिन खतरनाक खेल के कारण गोल रद्द कर दिया गया। भारत के जोर लगाने और जांच करने के बावजूद, बेल्जियम ने हाफ टाइम तक अपनी 1-0 की बढ़त बनाए रखी। दूसरे हाफ में भारत ने शुरुआत से ही जोरदार शुरुआत की और अभिषेक के शानदार मूव को गोल में बदलकर बराबरी हासिल की।

मोमेंटम के साथ भारतीयों ने दूसरे गोल की तलाश में बेल्जियम पर दबाव बनाया। हालांकि, निकोलस डी केर्पेल (45') ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बेल्जियम को बढ़त वापस दिला दी। उन्होंने जल्द ही अपनी बढ़त बढ़ा ली, चौथे क्वार्टर की शुरुआत में रोमन डुवेकोट ने गोल करके बेल्जियम को कुछ राहत दी। भारत ने एक बार फिर तुरंत जवाब देने की कोशिश की और 10 मिनट से भी कम समय में पेनल्टी कॉर्नर से गोल करने के करीब पहुंच गया।

शिलानंद लाकड़ा ने कुछ देर बाद रबीचंद्र सिंह के शानदार क्रॉस पर गोल करके भारत को उम्मीद की एक किरण दी। जब मैच खत्म होने में 90 सेकंड बाकी थे, मोहित एचएस ने शानदार स्टॉप लगाकर बेल्जियम को चौथा गोल करने से रोक दिया और भारत को रेस में बनाए रखा। हालांकि, इस कड़े मुकाबले में भारत बराबरी का गोल नहीं कर पाया। पांच बार का सुल्तान अजलान शाह कप विजेता भारत अब बुधवार को मेजबान मलेशिया से खेलेगा।

विराट को टेस्ट नहीं एकदिवसीय से संन्यास लेना चाहिये था : श्रीवत्स गोस्वामी

गुवाहाटी । दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में खेले जा रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए पूर्व क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने कहा कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेटर खेलना जारी रखना था। गोस्वामी ने कहा कि विराट को टेस्ट की जगह पर एकदिवसीय से संन्यास लेना चाहिये था। गोस्वामी ने कहा है कि और एकदिवसीय से संन्यास लेना चाहिये था। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेले श्रीवत्स ने सोशल मीडिया में कहा कि विराट को टेस्ट क्रिकेट नहीं छोड़ना चाहिए था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में भारतीय टीम इंडिया की खराब बल्लेबाजी के बाद गोस्वामी ने कहा कि कोहली का टेस्ट से अचानक संन्यास लेना भारतीय क्रिकेट के लिए नुकसानदेह रहा है। गोस्वामी ने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, मेरा मानना है कि विराट को एकदिवसीय खेलना छोड़ देना चाहिए था और टेस्ट क्रिकेट तब तक खेलते रहना चाहिए था, जब तक कि उनका फार्म बरकरार था। एक खिलाड़ी के तौर पर उनकी ऊर्जा, भारत के लिए खेलने का प्यार और जुनून टीम को हर हाल में जीतने को प्रौत्साहित करता है। गोस्वामी ने साथ ही लिखा, विराट के अंदर जीतने की जो मानसिकता और जोश था, वह वर्तमान टीम में नहीं है। गौरतलब है कि कोहली का कप्तान के तौर पर टेस्ट क्रिकेट में काफी अच्छा रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने 68 टेस्ट मुकाबलों में भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए 40 मुकाबले जीते जबकि 17 मैचों में उन्हें हार झेलनी पड़ी। विराट ने इस साल 12 मई को टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। कोहली ने अंतिम बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 खेली थी जिसमें वह केवल एक शतक ही लगा पाए थे। उन्होंने इंग्लैंड दौरे के पहले अचानक ही संन्यास ले लिया था।

रोहित और विराट की जोड़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में बनाएगी रिकार्ड

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में खेलते नजर आयेंगे। इस सीरीज में प्रशंसकों को विराट और रोहित को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। अब 30 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले एकदिवसीय में उतरते ही रोहित और विराट की जोड़ी सबसे अधिक मैच खेलने का एक नया रिकार्ड अपने नाम करेगी। रोहित और विराट ने अभी तक 391 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। किसी जोड़ी के यह संयुक्त रूप से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेल सबसे अधिक मैच हैं। रोहित और कोहली के अलावा सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की जोड़ी ने भी इतने ही मैच खेले थे। ऐसे में जब रोहित और विराट दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला एकदिवसीय खेलने मैदान पर उतरेंगे तो वह तेंदुलकर और द्रविड़ के इस रिकॉर्ड को तोड़ देंगे। रोहित-कोहली की जोड़ी इस मैच में उतरते ही भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली जोड़ी बन जाएगी। सचिन और सौरव गांगुली की जोड़ी 341 मैचों में एकसाथ उतरी थी। वहीं सचिन और अजहर की जोड़ी 292 मैचों में उतरी। विराट कोहली और महेन्द्र सिंह धोनी की जोड़ी 285 मैचों में उतरी।

पलाश की बहन बोली , मंधाना और हमारे परिवार की निजता का सम्मान करें

इंदौर । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज स्मृति मंधाना के पिता को दिल का दौरा पड़ने के कारण उनकी शादी टल गयी है। इसी मामले को लेकर अब स्मृति के मंगेतर पलाश मुच्छल की बहन पलक ने लिखा है कि शादी टल गयी है। इस संवेदनशील समय में हम आप सभी से अनुरोध करते हैं कि दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करें। स्मृति की शादी का कार्यक्रम रविवार को था पर उनके पिता को सीने में दर्द के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा जिसके बाद स्मृति के पिता को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया और शादी की तैयारियां रोक दी गयीं। इसके बाद स्मृति के मंगेतर पलाश मुच्छल की तबीयत भी खराब हो गई, जिसके बाद उन्हें भी अस्पताल ले जाना पड़ा हालांकि कुछ समय में इलाज के बाद वह होटल लौट आये। .पलाश को वायरल संक्रमण और एसिडिटी बढ़ने के कारण एक निज अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। इलाज के बाद पलाश को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। वहीं मंधाना परिवार के डॉक्टर नमन शाह ने बताया कि उनकी सेहत की निगरानी के लिए मेडिकल टीम तैनात है। अगर उनकी तबीयत में जरूरी सुधार होता है तो उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। अचानक आई इन मुसीबतों से परिवार उबर रहा है और चाहता है कि इन क्षणों में उसकी निजता का सम्मान किया जाये।

भारतीय बल्लेबाजों की नाकामी कोच की गलती नहीं : सुरेश रैना ने गौतम गंभीर का किया बचाव

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने आलोचनाओं से घिरे राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन करते हुए कहा है कि घरेलू टेस्ट मैचों में टीम के हालिया खराब प्रदर्शन के लिए सहयोगी स्टाफ को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि खिलाड़ियों को नतीजों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। पिछले साल न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू मैदान पर बुरी तरह हारने के बाद भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में भी एक और निराशाजनक परिणाम की ओर बढ़ रहा है।

दो मैचों की इस श्रृंखला का पहला मैच गंवाने के बाद भारत के पास अब दूसरे मैच को जीतने की संभावना बेहद कम है। रैना ने कहा, 'गौती भैया (गौतम गंभीर) ने बहुत मेहनत की है और इसमें (टेस्ट टीम की मौजूदा स्थिति) उनकी कोई गलती नहीं है। खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत करनी होगी और अच्छा खेलना होगा। उनके नेतृत्व में हम सीमित ओवरों के प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जहां हमने इस साल की शुरुआत में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और दुबई में एशिया कप जीता था।'

'भारतीय सॉफ्टबॉल क्रिकेट लीग' के जर्सी लॉन्च के मौके पर इसके ब्रांड एम्बेस्डर रैना ने कहा, 'रन तो खिलाड़ियों को ही बनाने होंगे। कोच मार्गदर्शन और सलाह ही दे सकता है।' रैना ने उन सुझावों को खारिज कर दिया कि घरेलू टेस्ट मैचों में खराब प्रदर्शन के कारण मुख्य कोच के रूप में गंभीर का भविष्य खतरे में है। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों को अगर कोई समस्या आ रही है, तो उन्हें कोच से इस बारे में बात करना चाहिए। खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो कोच की भी सराहना की जाएगी। लेकिन टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही है, तो कोच को उसके पद से बर्खास्त नहीं किया जाना चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'मैं गौतम भैया के साथ खेला हूं, उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम से प्यार है, उन्हें क्रिकेट से प्यार है, मैंने उनके साथ विश्व कप खेला है और जीता भी है। उन्होंने देश के लिए वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है और अच्छा प्रदर्शन करना खिलाड़ियों की जिम्मेदारी है।' मौजूदा श्रृंखला में भारतीय टीम के चयन से जुड़े फैसलों की आलोचना पर रैना ने कहा कि घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन ही मानक बना रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों को नियमित रूप से घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए और वहां अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए, अगर वे अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके प्रदर्शन में अपने आप दिखाई देगा।'

उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में खिलाड़ियों के लिए तीनों अंतरराष्ट्रीय प्रारूप से सामंजस्य बिठाना काफी चुनौतीपूर्ण है। व्यस्त कार्यक्रम का असर प्रदर्शन पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'इस श्रृंखला के लिए बेहतर योजना बनाई जा सकती थी क्योंकि खिलाड़ियों को सफेद गेंद (सीमित ओवर) प्रारूप से लाल गेंद (टेस्ट) प्रारूप में ढलने का काफी कम समय मिला।'

रैना ने कहा कि वह 30 नवंबर से शुरू होने वाली दोनों टीमों के बीच वनडे श्रृंखला का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसमें टीम को बेहर अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा का साथ मिलेगा। उन्होंने कहा, 'रो-को (रोहित शर्मा और विराट कोहली)' जरूर वापसी करेंगे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन किया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे टीम को जरूर मजबूत करेंगे। ये दोनों विश्व और भारतीय क्रिकेट के बेहतरीन दूत हैं। जब वे टीम में होंगे तो माहौल अलग होगा, ऋषभ पंत भी कुछ समय बाद वापसी कर रहे हैं, इसलिए वनडे श्रृंखला देखना मजेदार होगा।'

संक्षिप्त समाचार

नाइजीरिया: पोप ने की अपहरणकर्ताओं के कैद में 253 छात्र और 12 शिक्षक की रिहाई की अपील

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के एक कैथोलिक स्कूल से किडनैप हुए 303 स्कूली बच्चों में से 50 कैद से भाग निकले हैं। स्कूल अथॉरिटी ने रविवार को कहा अब अपने परिवारों के पास हैं। जबकि पोप ने अभी भी लापता बच्चों को तुरंत छोड़ने की अपील की है। क्रिश्चियन एसोसिएशन ऑफ नाइजीरिया के चेयरमैन और स्कूल के संचालक मोस्ट रेव. बुलुस दौवा योहाना ने बताया कि अब भी 253 छात्र और 12 शिक्षक अपहरणकर्ताओं के कब्जे में हैं। उन्होंने कहा कि यह जानकारी माता-पिता से संपर्क और मुलाकात के बाद पक्की हुई।

ऑस्ट्रेलिया में चक्रवात फिना ने मचाई तबाही, 19 हजार प्रभावित

डार्विन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी क्षेत्र में शनिवार देर रात आए चक्रवात फिना ने राजधानी डार्विन और आसपास के इलाकों में भारी तबाही मचाई। 205 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं ने हजारों घरों को नुकसान पहुंचाया और सड़कें पानी से डूब गईं। रविवार को पूरा दिन इलाके की बिजली गुल रही। मुख्यमंत्री लिया फिनोचियारो ने कहा कि फिना के कारण संपत्तियों को भारी नुकसान हुआ है और लगभग 19 हजार लोग अंधेरे में रह रहे हैं। हालांकि, गनीमत यह रही इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ।

फिलिपींस में बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं में भ्रष्टाचार, 7 गिरफ्तार

मनीला, एजेंसी। फिलिपींस में बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने कहा कि इस घोटाले में सात लोगों को हिरासत में लिया गया है और कई अन्य की तलाश जारी है। इस मामले में शक्तिशाली सांसद और सरकारी अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं। भ्रष्टाचार के कारण गरीब इलाकों में बाढ़ नियंत्रण परियोजनाएँ अधूरी या निम्न गुणवत्ता की बन रही थीं। इस घोटाले में जाल्डी को, पूर्व सांसद, और कुछ सरकारी इंजीनियर भी आरोपी हैं। पहले मामले में ओरिएंटल मिनडोरो प्रांत की नदी की ढाई करोड़ पेसो की डाइक परियोजना में अनियमितताएं मिलीं। मार्कोस ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों में से एक को क्यूजोन सिटी में एक घर से गिरफ्तार किया गया, जबकि छह अन्य स्वयं पुलिस के सामने आए। राष्ट्रपति ने बाकि संदिग्धों से आग्रह किया है कि वे भी जल्द आत्मसमर्पण करें। उन्होंने कहा कि हम रुकेंगे नहीं, जांच जारी रहेगी।

काठमांडू में नेपाल प्रीमियर लीग मैचों पर सट्टेबाजी करते 8 भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल पुलिस ने रविवार को नेपाल प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट पर सट्टा लगाने के आरोप में 8 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, ये सभी आरोपी त्रिभुवन यूनिवर्सिटी स्टेडियम में खेले जा रहे मैचों पर ऑनलाइन सट्टेबाजी कर रहे थे। पकड़े गए सभी युवक आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं, जिनकी उम्र 19 से 35 साल के बीच है। वे काठमांडू के समाखुसी इलाके में किराए के मकान में रह रहे थे। काठमांडू वैली क्राइम इन्वेस्टिगेशन ऑफिस के प्रवक्ता, पुलिस अधीक्षक काजी कुमार आचार्य ने बताया कि यह समूह टूर्नामेंट पर करीब 5 लाख नेपाली रुपए (लगभग 3 लाख भारतीय रुपए) का अवैध सट्टा लगा रहा था। सूचना मिलने के बाद एक विशेष पुलिस टीम ने उन्हें स्टेडियम के पास बल्कू इलाके से रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 15 मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

बहुत शानदार होगा राष्ट्रपति पुतिन का भारत दौरा: उशाकोव

मास्को, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय व आवास क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का आगामी भारत दौरा बहुत शानदार और कामयाब होगा। रूसी सरकारी टीवी वीजीटीआरके के साथ बातचीत में उशाकोव ने कहा, रूसी और भारतीय पक्ष दौरे की पूरी तैयारी कर रहे हैं। यह एक बहुत शानदार दौरा होगा।

नेपाल में आम चुनाव के लिए अब तक 56 दलों का पंजीकरण

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 5 मार्च 2026 को होने वाले आम चुनाव के लिए अब तक 56 राजनीतिक दल अपने नाम दर्ज करा चुके हैं। रविवार को नेपाली कांग्रेस समेत 12 और दलों ने पंजीकरण कराया। पंजीकरण की अंतिम तिथि 26 नवंबर है। नेपाल के निर्वाचन आयोग के मुताबिक, नए चुनाव की घोषणा के बाद उभरी कई नई पार्टियों सहित आयोग में कुल 132 दल पंजीकृत हैं, लेकिन इनमें से केवल 56 ने आम चुनाव में हिस्सा लेने के लिए औपचारिक पंजीकरण कराया है।

वेनेजुएला में सुरक्षा हालात बिगड़े, एफएए की चेतावनी के बाद कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द

कारकास, एजेंसी। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। ट्रंप प्रशासन वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर दबाव बढ़ा रहा है। शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सैन्य विकल्पों को खुला रखते हुए बी-52 परमाणु-सक्षम बॉम्बर का 'अटैक डेमो' करवाया। इससे पहले यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड विमानवाहक पोत सहित कई युद्धपोत कैरेबियन क्षेत्र में तैनात कर चुका है। इस बीच अमेरिकी विमानन नियामक फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने वेनेजुएला के हवाई क्षेत्र को लेकर अलर्ट जारी किया। वहीं अब रविवार (23 नवबंर) को कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों ने वेनेजुएला की उड़ानें रद्द कर दी है।

छह प्रमुख विदेशी एयरलाइनों ने उड़ान सेवा रोकी

संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से दक्षिण अमेरिकी देश के आसपास बढ़ी हुई सैन्य गतिविधि के कारण 'संभावित खतरनाक स्थिति' के बारे में प्रमुख एयरलाइनों को चेतावनी दिए जाने के बाद छह अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों ने वेनेजुएला के लिए उड़ानें निलंबित कर दी हैं। वेनेजुएला एयरलाइंस एसोसिएशन की अध्यक्ष मारिसेला डी लोआइजा के हवाले से बताया गया है कि स्पेन की इबेरिया, पुर्तगाल की टीएपी, चिली की लैटम, कोलंबिया की एवियनका, ब्राजील की जीओएल और त्रिनिदाद एवं टोबैगो की कैरिबियन एयरलाइंस ने वेनेजुएला के लिए उड़ानें रोक दी हैं।

अमेरिकी चेतावनी और सैन्य तैनाती

मारिसेला दे लोआइजा के मुताबिक इन छह प्रमुख विदेशी एयरलाइनों ने अपनी सेवाएं अनिश्चितकाल के लिए रोक दी हैं। वहीं तुर्किश एयरलाइंस ने 24 से 28 नवंबर तक उड़ानें निलंबित करने की घोषणा की है। उड़ानों पर रोक ऐसे समय लगाई गई है, जब अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव बढ़ गया है। वाशिंगटन ने अपने मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत कैरिबियन में सैनिकों के साथ-साथ दुनिया के सबसे बड़े विमानवाहक पोत को भी तैनात कर दिया है। हालांकि, कराकस इस अभियान को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से बेदखल करने की कोशिश बता रहा है।

अमेरिकी सेना ने कैरिबियन और प्रशांत क्षेत्र में कथित ड्रग नौकाओं पर कम से कम 21 हमले किए हैं, जिनमें कम से कम 83 लोग मारे गए हैं। इस बीच कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेत्रो ने 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए चिंता जताते हुए कहा कि सभी लैटिन अमेरिकी देशों के बीच नियमित उड़ानें जारी रहनी चाहिए। उन्होंने लिखा, 'देशों पर रोक लगाना, वास्तव में लोगों पर रोक लगाने जैसा है, और यह मानवता के खिलाफ अपराध है।'

एफएए की कड़ी चेतावनी

फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) की ओर से चेतावनी में कहा था कि वेनेजुएला में 'अनिर्दिष्ट खतरे' मौजूद हैं, जो देश के ऊपर उड़ रहे विमानों, लैंडिंग और टेकऑफ कर रहे विमानों व जमीन पर खड़े विमानों तक के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं।

पाकिस्तान के पेशावर में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर धमाके, आत्मघाती हमले में तीन जवानों की मौत

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार को संघीय पुलिस दल (कॉन्स्टेबुलरी) के मुख्यालय पर हमला हो गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुख्यालय के पास कई धमाकों की आवाज सुनी गई, जिसके बाद इलाके को खाली करा लिया गया है।

पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, इस हमले में शामिल आत्मघाती हमलावरों को मार गिराया गया है। इस घटना में पुलिस दल के तीन जवानों की मौत हुई है। इसके अलावा दो घायल हुए हैं। पाकिस्तान की द डॉन वेबसाइट के मुताबिक, हमला सुबह करीब 8 बजे सद्दार-कोहत सड़क पर हुआ। पहले एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को मुख्यालय के गेट पर ही उड़ा लिया। इसके बाद कुछ फायरिंग की आवाजें भी सुनी गईं।

इस दौरान एक और हमलावर मुख्यालय में घुसने की कोशिश करने लगा। हालांकि, उसे सुरक्षाबलों ने मार गिराया। इसके बाद सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया और राहत-बचाव अभियान शुरू किया। इस बीच पेशावर के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल लेडी रीडिंग हॉस्पिटल में आपातकाल घोषित कर दिया गया। अस्पताल के प्रवक्ता ने कहा कि छह घायलों को को लाया गया है, जिनकी हालत स्थिर है। बताया गया है कि जिस संघीय पुलिस दल पर हमला हुआ है, उसे नागरिक अर्धसैनिक बल है, जिसे पहले फ्रंटियर कॉन्स्टेबुलरी कहा जाता था। इसी साल जुलाई में शहबाज शरीफ की सरकार ने इसका नाम फेडरल कॉन्स्टेबुलरी रखा था। पेशावर में जिस जगह पर इसका मुख्यालय है, वह जगह काफी भीड़भाड़ वाले इलाके में है। साथ ही सैन्य छावनी भी यहां से काफी नजदीक है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में बीते कुछ वर्षों में आतंकी हमलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत में। इन हमलों में बढ़ोतरी की मुख्य वजह आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के साथ पाकिस्तान सरकार का शांति समझौता टूटना रहा है।

पाकिस्तान में पैरामिलिट्री फोर्स के हेडक्वार्टर पर बंदूकधारियों ने किया हमला, 3 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार को बंदूकधारियों ने पैरामिलिट्री फोर्स के हेडक्वार्टर पर हमला कर दिया। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि कैंपस पर 2 आत्मघाती हमलावरों ने भी विस्फोट किया, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई। सीनियर अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, 'पहले आत्मघाती हमलावर ने मेन गेट पर विस्फोट किया, जबकि दूसरा हमलावर परिसर के अंदर घुस गया।' सीनियर अधिकारी ने कहा, 'सेना और पुलिस की टीमों ने पूरे इलाके को घेर लिया है। फिलहाल स्थिति को सावधानी से संभाला जा रहा है क्योंकि हमें संदेह है कि मुख्यालय के अंदर अभी भी कुछ आतंकवादी मौजूद हैं। उनकी तलाशी की जा रही है।' इससे पहले, गुरुवार रात पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में उग्रवादियों ने पीस कमेटी के कार्यालय पर हमला किया। 2 सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि बंदूकधारियों ने बन्नू जिले के दारा दरिज इलाके में कमेटी के कार्यालय पर हमला किया और पीस कमेटी के प्रमुख कारी जलील के दफ्तर को निशाना बनाया।

वियतनाम में भारी बारिश से 90 की मौत, हजारों घर डूबे

हनोई, एजेंसी। द्व वियतनाम के पहाड़ी इलाकों में इस महीने की शुरुआत से हो रही भारी बारिश और बाढ़ के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। हजारों घर पानी में डूब गए हैं और अब तक 90 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें डाक लाक प्रांत में सर्वाधिक 63 की मौतें हुई हैं, जबकि खान होआ में 14 और लाम डोंग में पांच मौतें दर्ज की गईं। पर्यावरण मंत्रालय के मुताबिक, भूस्खलन के कारण 12 से ज्यादा लोग लापता हैं। सड़कें बाधित होने से कई इलाकों का संपर्क टूट गया है।

पाकिस्तान में दर्दनाक सड़क हादसे : स्वाबी और कराची में छह लोगों की मौत, कई घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में रविवार को अलग-अलग जगहों पर हुए सड़क हादसों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। यह जानकारी अधिकारी बयान के हवाले से मिली है। स्वाबी (खैबर पख्तूनख्वा) में एक बड़ा हादसा तब हुआ जब पेशावर से इस्लामाबाद जा रही एक यात्री वैन अनियंत्रित होकर नदी के पास गहरी खाई में गिर गई।

44 दिनों में 500 बार टूटा गाजा युद्धविराम! इस्राइल की कार्रवाई में 300 से अधिक फलस्तीनी मारे गए

तेल अवीव, एजेंसी। अमेरिका की मध्यस्थता में लागू किए गए गाजा युद्धविराम को इस्राइल ने पिछले 44 दिनों में लगभग 500 बार तोड़ा है, जिसमें सैकड़ों फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है। यह दावा गाजा सरकार के मीडिया ऑफिस ने किया है, जिसकी रिपोर्ट अल जजीरा ने प्रकाशित की। जारी बयान के मुताबिक, 342 फलस्तीनी नागरिक युद्धविराम उल्लंघनों में मारे गए, जिनमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित रहे। सिर्फ शनिवार को ही इस्राइल की ओर से 27 उल्लंघन दर्ज किए गए, जिनमें 24 लोगों की मौत और 87 से ज्यादा लोग घायल हुए।

युद्धविराम समझौते का खुला उल्लंघन : गाजा मीडिया ऑफिस ने इस्राइल की कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून और युद्धविराम समझौते का खुला उल्लंघन है। बयान में कहा गया कि इन हमलों और नाकेबंदी के चलते इस्राइल मानविक और सुरक्षा स्थिति के लिए पूरी तरह जिम्मेदार है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि इस्राइल अब भी गाजा में मानवीय सहायता और मेडिकल सप्लाई के प्रवेश पर कड़ी पाबंदी लगाए हुए है, जबकि युद्धविराम समझौते में इसकी अनुमति दी गई थी।

हालिया हमले में 24 फलस्तीनी मारे गए : शनिवार को इस्राइल ने गाजा के कई इलाकों पर हवाई हमले किए, जिनमें बच्चों सहित 24 फलस्तीनी मारे गए। इस्राइल ने दावा किया कि यह हमला उस समय किया गया जब एक हमास लड़ाके ने तथाकथित येलो लाइन के भीतर इस्राइली सैनिकों को निशाना बनाया। इस्राइल ने कहा कि उसने जवाबी कार्रवाई में 5 वरिष्ठ हमास लड़ाकों को मार गिराया। हालांकि, हमास ने इस्राइल के इस दावे को चुनौती देते हुए सबूत पेश करने की मांग की है। हमास नेता इज्जत अल-रिशेक ने कहा कि अमेरिका और समझौते के मध्यस्थ इस्राइल पर दबाव डालें, ताकि वह युद्धविराम समझौते का पालन करे। उधर, स्थानीय प्रशासन का कहना है कि गाजा के उत्तरी हिस्से में कई फिलिस्तीनी परिवार फंसे हुए हैं, क्योंकि इस्राइली सेना समझौते के विपरीत अपनी तैनाती और अंदर बढ़ाती जा रही है।

सरकारी खर्चों को घटाने के लिए ट्रंप का बनाया डीओजीई विभाग 10 महीने बाद बंद

वॉशिंगटन, एजेंसी। सरकारी खर्च को कम करने के उद्देश्य से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बनाया गया सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) अब बंद हो गया है। यह विभाग उसके कार्यकाल के आठ महीने शेष रहते ही भंग कर दिया गया है, जबकि इसका उद्देश्य जुलाई 2026 तक चलना था। डीओजीई ट्रंप की सरकार को छोटा करने और खर्च कम करने का एक बड़ा कदम माना जा रहा था, लेकिन कई लोगों का मानना है कि इससे बहुत ज्यादा बचत नहीं हो पाया है। मामले में अमेरिकी कर्मचारियों के मामलों के प्रमुख स्कॉट कुपर ने बताया कि अब डीओजीई कोई केंद्रीय विभाग

नहीं रहा। इसके कुछ काम अब कार्मिक प्रबंधन कार्यालय (ओपीएम) कर रही है। बता दें कि डीओजीई जनवरी में शुरू हुआ था। शुरू में यह पूरे वॉशिंगटन में सक्रिय था और सरकारी एजेंसियों को छोटा करने, बजट कम करने और ट्रंप की प्राथमिकताओं के अनुसार काम बदलने की कोशिश कर रहा था।

डीओजीई का प्रचार और विवाद : बीते दिनों डीओजीई ने दावा किया कि उसने अरबों डॉलर बचाए, लेकिन इसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। एलन मस्क ने डीओजीई के काम को बड़े उत्साह के साथ प्रचारित किया और कहा कि यह ब्यूरोक्रेसी के लिए चेनसॉ है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के पहले दिन से सरकारी हायरिंग पर रोक थी। ऐसे में अब यह रोक खत्म हो गई है। डीओजीई के कई कर्मचारियों ने अब नए प्रशासनिक और तकनीकी रोल संभाल लिए हैं। वहीं ट्रंप की टीम अब नियम-कानूनों को कम करने और एआई के जरिए सरकारी नियमों की समीक्षा पर काम कर रही है।

प्रमुख लोगों ने संभाली नई भूमिका

डीओजीई के प्रमुख लोगों ने अब नई भूमिकाएं संभाल ली हैं। एयरबीएनबी के सह-संस्थापक जो गेबीआ अब राष्ट्रीय डिजाइन स्टूडियो का नेतृत्व कर रहे हैं और उनका काम सरकारी वेबसाइटों को और अधिक आकर्षक बनाना है। वहीं डीओजीई के अन्य कर्मचारी, जैसे एडवर्ड कोरिस्टिन, प्रशासन में नई जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। उदाहरण के लिए, जाचरी टेरेल अब स्वास्थ्य और मानव सेवाएं विभाग के मुख्य तकनीकी अधिकारी हैं, जबकि राचेल रिले नौसेना अनुसंधान कार्यालय में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

पोते से मिलने कनाडा गए भारतीय बुजुर्ग पर किशोरियों के उत्पीड़न का आरोप, कोर्ट ने निर्वासन का आदेश दिया

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के सर्निया में 51 साल के भारतीय नागरिक जगजीत सिंह को दो किशोरियों को लगातार परेशान करने के आरोप में दोषी ठहराया गया है। सिंह जुलाई में अपने नवजात पोते से मिलने कनाडा आए थे। अब उन्हें देश से निर्वासित किया जाएगा और भविष्य में कनाडा में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। पुलिस के अनुसार, सिंह ने स्कूल के बाहर धूम्रपान क्षेत्र में लड़कियों के पास जाना शुरू किया। आठ से 11 सितंबर के बीच उन्होंने लड़कियों से बार-बार फोटो लेने की कोशिश की और उनके साथ नशे और शराब के बारे में बातें कीं।

एक लड़की ने बताई आपबीती

मामले में एक लड़की ने बताया कि उसने पहले फोटो लेने से मना किया, लेकिन बाद में सिंह को शांत करने के लिए झिझकते हुए हां कर दी। इसके बाद सिंह ने लड़की के पास हाथ रखकर उसे असहज किया, जिसे लड़की ने हटा दिया। पुलिस ने बताया कि अंग्रेजी नहीं बोलने वाले जगजीत सिंह ने छात्राओं का पीछा भी किया। उन्हें 16 सितंबर को गिरफ्तार किया गया और यौन दुर्व्यवहार और यौन छेड़छाड़ के आरोप लगाए गए। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा किया गया, लेकिन नई शिकायत के बाद फिर गिरफ्तार किया गया।

क्रिमिनल हैरेसमेंट के लिए ठहराए गए दोषी

मामले में 19 सितंबर को सिंह ने यौन छेड़छाड़ के आरोप में दोषी नहीं होने की बात कही, लेकिन क्रिमिनल हैरेसमेंट के लिए दोषी ठहराए गए। सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने कहा कि सिंह का उस स्कूल के बाहर होना बिल्कुल गलत था।

जानें कौन-कौन सी सजा मिली?

बता दें कि सिंह को तीन साल की परिवीक्षा दी गई है। इसके तहत वे किसी भी लड़की से संपर्क नहीं कर सकते, उनके घर, स्कूल या काम की जगह के पास नहीं जा सकते। 16 साल से छोटे किसी भी बच्चे के पास नहीं रह सकते, सिर्फ अपने नवजात पोते को छोड़कर। इसके अलावा वे किसी स्कूल, पार्क, खेल का मैदान या समुदाय केंद्र के 100 मीटर के दायरे में नहीं जा सकते।

कौन लीक कर रहा था पाक के न्यूक्लियर सीक्रेट्स

मुशर्रफ से है कनेक्शन?

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआई के पूर्व ऑपरेशंस चीफ जेम्स लॉलर ने पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया है। इसके मुताबिक, पाकिस्तान के परमाणु वैज्ञानिक डॉ. अब्दुल कादिर खान अन्य देशों को परमाणु तकनीक और सीक्रेट बेच रहे थे। इस बात की जानकारी मिलने पर तत्कालीन पाकिस्तानी राष्ट्रपति मुशर्रफ ने बड़ा नाटकीय व्यवहार किया था। उन्होंने कादिर खान के लिए गालियां तक बकी थीं। बाद में मुशर्रफ ने लंबे समय तक कादिर खान को उनके ही घर में नजरबंद रखा। बता दें कि सीआईए के पूर्व अधिकारी जेम्स लॉलर को अब्दुल कादिर खान के अंतराष्ट्रीय परमाणु तस्करी का खेल उजागर करने के लिए जाना जाता है। एएनआई के साथ इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि सीआईए के डायरेक्टर जॉर्ज टेनेट ने निजी तौर पर मुशर्रफ को कादिर खान की हरकतों की जानकारी दी थी। साथ ही उन्होंने पुख्ता सबूत भी पेश किए थे। इसमें बताया गया था कि खान परमाणु तकनीक से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां लीबिया जैसे देशों को बेच रहे हैं।

बता दें कि अब्दुल कादिर खान का नाम कई विवादों से जुड़ा रहा। इसमें परमाणु तकनीक के प्रसार और अवैध नेटवर्क के संचालन के आरोप शामिल हैं। इसके चलते उन्हें 2004 में नजरबंद भी किया गया था। उन्होंने बाद में इस नेटवर्क में अपनी भूमिका होने की बात मानी, लेकिन मुशर्रफ और बेनजीर भुट्टो पर भी आरोप लगाए। लॉलर के मुताबिक टेनेट ने मुशर्रफ को बताया कि

खान पाकिस्तान को धोखा दे रहे हैं। यह सुनते ही मुशर्रफ भड़क उठे थे। उन्होंने अब्दुल कादिर खान के लिए गंदी सी गाली निकालते हुए कहा, 'मैं उसे मार डालूंगा।' इसके बाद ही मुशर्रफ ने खान को कई साल के लिए हाउस-अरेस्ट कर लिया था। गौरतलब है कि एक्यू खान को मौतों का सौदागर कहा जाता था। लॉलेर ने बताया कि अमेरिकी एजेंसी लंबे समय तक निगरानी के बाद यह जानने में कामयाब हो गई थी कि वह पाकिस्तान को परमाणु संपन्न बना रहे हैं। हालांकि यह जानने में समय लगा कि वह इससे जुड़ी जानकारियां बाहर भी भेज रहे हैं। लॉलर बताते हैं कि इसी वजह से मैंने उसका नाम मौत का सौदागर रखा था। लॉलर ने बताया कि एक्यू खान का नेटवर्क ईरान के परमाणु कार्यक्रम पहुंच गया था। इसकी पुष्टि इस बात से हुई कि तेहरान ने पी1 और पी2 सेंट्रीफ्यूज डिजाइन का इस्तेमाल किया था, जो खान द्वारा तस्करी करके भेजा गया था। खान के नेटवर्क ने बैलिस्टिक मिसाइल और एक चीनी एटॉमिक बम का ब्लूप्रिंट भी भेजा था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान परमाणु संपन्न हो गया तो पूरे मिडिल ईस्ट में 'परमाणु महामारी' फैल जाएगी।

नया बिहार बनाने में जुटी सरकार, अब हर 40 किमी पर फोरलेन, 4 घंटे में पहुंचेंगे पटना

पटना (एजेंसी)। बिहार एनडीए की सरकार एक बार फिर बन गई है। काम का नया जोश भी दिखाई दे रहा है। उत्साहित सरकार अब बिहार के लोगों को घर से 40 किलोमीटर की दूरी पर फोर लेन सड़क देने जा रही है। अगले दो साल में राज्य के किसी भी कोने से चार घंटे में पटना पहुंचने की योजना को साकार करने के लिए पथ निर्माण विभाग इस लक्ष्य के साथ काम करेगा। पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने विभाग का पदभार ग्रहण करने के साथ यह प्रतिबद्धता दोहराई। पत्रकारों से बातचीत में मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आभार व्यक्त किया। कहा कि पथ निर्माण विभाग राज्य के समग्र विकास की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता रहेगी कि अगले पांच साल में एक्सप्रेस-वे और रिंग रोड जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को ससमय धरातल पर उतारने के लिए तेजी से कार्य किए जाएं। साथ ही प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री की ओर से घोषित परियोजनाओं पर प्राथमिकता से काम होगा। मंत्री ने कहा कि मॉनिटरिंग प्रणाली को टेक्नोलॉजी के माध्यम से और भी सशक्त करने एवं पथ निर्माण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अगले पांच वर्षों में ग्रामीण क्षेत्रों को शहरों से जोड़ने, पर्यटन स्थलों तक बेहतर मार्ग उपलब्ध कराने तथा औद्योगिक गलियारों को राज्य के अन्य हिस्सों से जोड़ने की विभिन्न योजनाओं पर तेजी से काम हो। पुराने एवं क्षतिग्रस्त मार्गों का पुनर्निर्माण कराया जायेगा। अगले पांच सालों में आधुनिक तकनीक का उपयोग बढ़ाने, निर्माण गुणवत्ता की निगरानी के लिए डिजिटल सिस्टम अपनाने तथा सड़क सुरक्षा मानकों को कड़ाई से लागू करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद टली यात्रा : इजरायली पीएम नेतन्याहू भारत नहीं आएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में दो सप्ताह पहले हुए घातक आतंकवादी हमले के बाद बढ़ी सुरक्षा चिंताओं के चलते इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस वर्ष के अंत में निर्धारित अपनी भारत यात्रा को एक बार फिर स्थगित कर दिया है। यह हमला पिछले एक दशक में राजधानी में हुआ सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है, जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हुए। इजरायली मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू अब सुरक्षा आकलन के बाद अगले वर्ष भारत आने की नई तारीख तय करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने 2018 में भारत की अपनी आखिरी आधिकारिक यात्रा की थी। पहले ऐसी रिपोर्टें थीं कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू इसी साल के अंत से पहले भारत दौरे पर आ सकते हैं। लेकिन यह तीसरी बार है जब उन्होंने इसी वर्ष निर्धारित अपनी यात्रा रद्द या स्थगित की है। नेतन्याहू ने पहले ही दिल्ली धमाके पर शोक व्यक्त किया था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया- भारत और इजरायल प्राचीन सभ्यताएं हैं जो शाश्वत सत्यों पर खड़ी हैं। आतंक हमारे शहरों पर हमला कर सकता है, लेकिन वह कभी हमारी आत्माओं को हिला नहीं सकता। हमारे राष्ट्रों की रोशनी दुश्मनों के अंधेरे को मात देगी। इससे पहले सितंबर में उनकी भारत यात्रा रद्द की गई थी, जब इजरायल में 17 सितंबर को दोबारा चुनाव कराने की घोषणा के बाद उनके कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ा। इससे पहले भी उन्होंने अप्रैल चुनावों के चलते भारत यात्रा स्थगित की थी। दिल्ली हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों द्वारा किए जा रहे आकलन पूरे होने के बाद ही नेतन्याहू की भारत यात्रा को लेकर नई तारीख तय की जाएगी।

दिल्ली में जहरीली हवा का कहर : कार्यालय में सिर्फ 50 फीसदी स्टाफ, बाकी वर्क-फ्राम होम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में वायु प्रदूषण के स्तर में वृद्धि के चलते सरकार और प्रशासन ने नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सभी सरकारी और निजी कार्यालय अब केवल 50 फीसदी स्टाफ के साथ काम करेंगे, जबकि बाकी कर्मचारी वर्क-फ्रॉम-होम मोड में कार्य करेंगे। यह आदेश ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान लेवल 3 के तहत लागू किया गया है, जिसे कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट निर्धारित करता है। दिल्ली सरकार ने पहले ही स्कूलों के लिए कई प्रतिबंध लगाए हैं। जब वायु गुणवत्ता अत्यधिक खराब हो, तो बच्चों को खुले में खेलने की अनुमति नहीं होगी। सार्वजनिक छुट्टियों और खास अवसरों पर सरकारी कार्यालयों में कम अटेंडेंस रहने की संभावना रहती है। उदाहरण के लिए, गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी पर्व के दिन कार्यालयों में स्टाफ की उपस्थिति कम रहने की उम्मीद जताई गई थी। सीएक्यूएम पूरे एनसीआर क्षेत्र से डेटा एकत्र करता है और औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स व मौसम की स्थिति के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करता है। जीआरएपी लेवल यह तय करता है कि किन परिस्थितियों में शहर कितनी कठिनाइयों का सामना कर सकता है। सर्दियों में यह स्थिति पिछले वर्षों में आम रही है।

सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने ध्वजारोहण समारोह में नहीं बुलाए जाने का आरोप लगाया

लखनऊ (एजेंसी)। फैजाबाद (अयोध्या) संसदीय क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने मंगलवार को कहा कि उन्हें अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण से जुड़े समारोह में आमंत्रित नहीं किया गया। सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने मंगलवार को 'एक्स' खाते पर एक पोस्ट में कहा कि ''रामलला के दरबार में धर्म ध्वजा स्थापना कार्यक्रम में मुझे न बुलाए जाने का कारण मेरा दलित समाज से होना है। तो यह राम की मर्यादा नहीं, किसी और की संकीर्ण सोच का परिचय है। राम सबके हैं।

मेरी लड़ाई किसी पद या आमंत्रण को लेकर नहीं है, बल्कि सम्मान, बराबरी और संविधान की मर्यादा के लिए है।'' उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा था, ''मुझे अभी तक राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह का न्योता नहीं मिला है। यदि मुझे न्योता मिला तो सारा काम धाम छोड़कर मैं नंगे पैर ही वहां जाऊंगा...!''

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत, उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, साधु-संतों, आदिवासियों समेत अनेक श्रद्धालुओं-मेहमानों की मौजूदगी में ध्वजारोहण किया।

वैष्णो देवी कॉलेज में एमबीबीएस की 50 सीटों में 42 पर मुस्लिमों का चयन

-हिंदू संगठनों ने किया विरोध, प्रशासन ने कहा- प्रक्रिया नीट नियमों के अनुरूप

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में हाल ही में स्थापित माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस में एमबीबीएस के पहले बैच के लिए हुए दाखिलों ने एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। विवाद की वजह बना 50 सीटों में से 42 मुस्लिम छात्रों का चयन हुआ है, जिसके बाद बीजेपी, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने कड़ा विरोध किया। इन विरोधियों का आरोप है कि माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के वित्तीय सहयोग से चल रहे संस्थान में हिंदू छात्रों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी।

इंस्टीट्यूट ने इस माह की शुरुआत में नीट मेरिट लिस्ट के आधार पर अपने पहले एमबीबीएस बैच के लिए दाखिला प्रक्रिया पूरी कर ली है। कुल 50 सीटों में से 85फीसदी सीटें जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए आरक्षित थीं। मेरिट के आधार पर 42 मुस्लिम और 8 हिंदू छात्रों का चयन किया गया। दाखिला सूची जारी होते ही हिंदू संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। संगठनों ने तर्क दिया कि- यह संस्थान माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के धन से चलता है इसलिए हिंदू छात्रों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी। बीजेपी ने भी इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देते हुए दाखिला सूची रद्द करने की मांग की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी नेता सुनील शर्मा ने एलजी मनोज सिन्हा से मिलकर विरोध दर्ज कराया और कहा- कि श्राइन बोर्ड को मिलने वाला दान हिंदुओं का है, जो हिंदुओं की भलाई के लिए खर्च होना चाहिए हम चाहते हैं कि प्रवेश उन्हीं को मिले जिनकी माता वैष्णो देवी में आस्था है। इस साल की प्रवेश सूची स्वीकार नहीं है, नियम बदलने चाहिए। इन संगठनों ने यह भी मांग उठाई कि मेडिकल कॉलेज को अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा दिया जाए जिससे धर्म आधारित आरक्षण लागू किया जा सके।

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने विरोध प्रदर्शनों को अनुचित और गैर-संवैधानिक बताया। उन्होंने कहा कि प्रवेश सूची कानूनन और पूरी तरह मेरिट-आधारित है। उमर ने बीजेपी की मांगों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर आप बिना मेरिट के प्रवेश चाहते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट से अनुमति लेकर आएं। संविधान में 'सेक्युलर' शब्द है- अगर आपको यह पसंद नहीं, तो इसे हटा दीजिए। उन्होंने कहा- धर्म के आधार पर प्रवेश देना संविधान के मुताबिक संभव नहीं है। क्या पुलिस भी धर्म के आधार पर काम करेगी? अगर अस्पताल और विश्वविद्यालय लोगों से दान लेकर बने हैं, तो क्या आप कहेंगे कि मुसलमान या गैर-हिंदू वहां इलाज न कराएं? उमर अब्दुल्ला ने यह भी पूछा कि यदि प्रशासन बीजेपी नेताओं को भविष्य में धर्म आधारित आरक्षण देने का आश्वासन दे रहा है, तो यह कैसे संभव होगा। अगर ऐसा है, तो फिर माता वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी और अस्पताल को भी दान-आधारित और धर्म-आधारित संस्थान घोषित कर दें। फिलहाल प्रशासन ने कहा है कि प्रवेश सूची में कोई बदलाव नहीं होगा और प्रक्रिया नीट के नियमों के अनुरूप है।

तिब्बत में चीन के बड़े बांध भारत के लिए खतरा- तिब्बती राष्ट्रपति

लखनऊ (एजेंसी)। तिब्बत के राष्ट्रपति पेम्पा त्सेरिंग ने कहा है कि तिब्बत प्रमुख नदियों का उद्गम स्थल है, जो पूरे एशिया में लगभग दो अरब लोगों को जीवन देता है। लेकिन चीन बड़े पैमाने पर बांध निर्माण कर रहा है, जिससे भारत सहित डाउनस्ट्रीम देशों पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है।

तिब्बत के राष्ट्रपति पेम्पा त्सेरिंग ने लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित एक समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस मौके पर अपने सम्बोधन में कहा कि तिब्बती लिपि भारतीय गुप्त लिपि से विकसित हुई है और नालंदा परंपरा की बौद्ध शिक्षाओं को संरक्षित करने में तिब्बत की ऐतिहासिक भूमिका रही है। उनके अनुसार, ये सांस्कृतिक परंपराएं आज भी प्राचीन भारतीय ज्ञान का महत्वपूर्ण आधार बनी हुई हैं। तिब्बती राष्ट्रपति पेम्पा त्सेरिंग ने लंबे समय से मिले समर्थन के लिए भारत सरकार और भारतीय जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने दलाई लामा और चीन के बीच हुए 17 सूत्रीय समझौते, चीनी सरकार के साथ शांतिपूर्ण संवाद, हजारों तिब्बतियों के भारत में निर्वासन, सिक्योंग से निर्वासित तिब्बती प्रशासन के गठन, दलाई लामा के मार्गदर्शन में लोकतांत्रिक संस्थाओं के विकास तथा विभिन्न तिब्बती बस्तियों की स्थापना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि चीन तेज़ी से तिब्बती बच्चों को बोर्डिंग स्कूलों में दाखिल कर रहा है और उन्हें चीनी भाषा अपनाने पर जोर दे रहा है।

शीतकालीन सत्र से पहले 30 नवंबर को केंद्र सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

पटना (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले केंद्र सरकार ने 30 नवंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की अगुवाई में होने वाली इस बैठक में आगामी सत्र के एजेंडे और विधेयकों पर सभी दलों से चर्चा की जाएगी।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मीडिया को बताया कि सरकार विपक्ष के नेताओं के साथ सभी लंबित तथा प्रस्तावित विधेयकों की सूची साझा करेगी। उन्होंने कहा, हम विभिन्न विभागों के सचिवों के साथ लंबित विधेयकों की समीक्षा करेंगे। इसके बाद सर्वदलीय बैठक में विपक्ष के नेताओं को सूची सौंपी जाएगी और उनके सुझावों के अनुरूप रणनीति तय की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने बताया है, कि संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सरकार द्वारा सुझाई गई तारीखों को मंजूरी दे दी है। कुल 19 दिनों में 15 बैठकें होंगी। निजी सदस्यों के विधेयक 5 व 19 दिसंबर तथा निजी सदस्यों के प्रस्तावों पर चर्चा 12 दिसंबर को तय है। इसी बीच, संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2025 को लेकर उठ रही अटकलों पर केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने स्पष्ट किया है कि चंडीगढ़ को अनुच्छेद 240 के तहत शामिल किए जाने का प्रस्ताव अभी विचाराधीन है।

मंत्रालय ने कहा कि यह प्रस्ताव केवल केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के लिए कानून बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से है। इससे चंडीगढ़ के शासन-प्रशासन या पंजाब और हरियाणा के साथ स्थापित परंपरागत व्यवस्थाओं में किसी प्रकार का बदलाव नहीं होगा। गृह मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है, कि इस मामले पर अंतिम निर्णय सभी हितधारकों से विस्तृत परामर्श के बाद ही किया जाएगा, ताकि चंडीगढ़ के हित पूरी तरह सुरक्षित रहें।

क्या भाजपा में जाएंगे कांग्रेस नेता डीके? पूर्व मंत्री के बयान से कर्नाटक में मची सियासी हड़कंप

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में सीएम की कुर्सी को लेकर बढ़ी रार थमने का नाम नहीं ले रही है। इस सियासी झगड़े का फायदा कोई तीसरा उठा सकता है ऐसी संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। कांग्रेस में जारी कलह के बीच भारतीय जनता पार्टी अलर्ट नजर आ रही है। राज्य के पूर्व मंत्री और विधायक रमेश जिरकिहोली ने कहा कि भाजपा को कांग्रेस सरकार गिराने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने साफ किया है कि अगर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भाजपा में आते हैं, तो उन्हें अन्य विकल्प तलाशने होंगे। खबर है कि शिवकुमार समर्थक कांग्रेस आलाकमान से मिलने के लिए विधायक दिल्ली में डेरा डाले हैं।

जब सवाल किया गया कि क्या शिवकुमार पार्टी बदलेंगे और भाजपा के समर्थन से सरकार बनाएंगे। इसपर जरकिहोली ने कहा कि ऐसी स्थिति की संभावनाएं नहीं हैं। उन्होंने कहा, हालांकि, अगर ऐसा होता है तो मैं उन्हें अपने नेता के तौर पर स्वीकार नहीं कर पाऊंगा। यह इस जीवन में तो संभव नहीं है। अगर शिवकुमार भाजपा में आते हैं, तो मुझे अन्य राजनीतिक विकल्पों की ओर देखना होगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि शिवकुमार के पास कांग्रेस में विधायकों का समर्थन है। अगर यह सच होता, तो वह पहले ही सीएम बन गए होते।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जरकिहोली ने कहा कि मैं भाजपा नेतृत्व से न्यूट्रल रहने की अपील करता हूं। उन्हें इसमें दखल नहीं देना चाहिए, यह दलदल है और हमें इसमें नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, पावर शेयरिंग को लेकर नेताओं के बीच कन्फ्यूजन है। कुछ नेता सीएम को हटाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि वह पद हासिल कर सकें। वो जो चाहते हैं, उन्हें करने दीजिए। हमने अगले चुनावों का इंतजार करना चाहिए और पूर्ण बहुमत के साथ आना चाहिए। यह मेरा निजी विचार है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस के पास अभी जनादेश है। उन्हें उनका कार्यकाल पूरा करने दीजिए। साथ ही बार-बार चुनाव राज्य के लिए अच्छे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार जन विरोधी है और अगर अगले ढाई साल सरकार में रही, तो लोगों की नाराजगी का सामना करेगा। उन्होंने कहा, फिर स्वभाविक रूप से लोग भाजपा को चुनेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, शिवकुमार का समर्थन करने वाले विधायकों का एक और समूह पार्टी आलाकमान से मिलने के लिए दिल्ली पहुंचा है। सूत्रों के अनुसार, कम से कम छह विधायक रविवार रात राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे हैं। सूत्रों ने बताया कि शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग को लेकर जल्द ही कुछ और विधायकों के दिल्ली जाने की संभावना है। इस बीच, सिद्धारमैया ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। अगर वे तय करते हैं कि मुझे (मुख्यमंत्री पद पर) बने रहना चाहिए, तो मैं पद पर बना रहूंगा। आखिरकार, आलाकमान जो भी फैसला करेगा, मैं उसे स्वीकार करूंगा। शिवकुमार को भी उसे स्वीकार करना चाहिए।

एसआईआर सबसे बड़ा चुनावी घोटाला, देश में 17 बीएलओ की मौत-संजय सिंह

लखनऊ (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सासंद संजय सिंह ने एसआईआर को देश का सबसे बड़ा चुनावी घोटाला बता दिया है। संजय सिंह ने कहा कि यूपी और कई राज्यों में एसआईआर के नाम पर 17 बीएलओ की जान जा चुकी है, जबकि 563 लोगों को नोटिस भेजे गए हैं। 181 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की नौकरी खत्म कर दी गई और हजारों परिवार भय और उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं।

आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि जब चुनाव डेढ़ साल बाद होने हैं तो सरकार को एक ही महीने में पूरा एसआईआर क्यों चाहिए? क्या यह चुनाव सुधार है या विपक्ष और वंचित समाज को वोटर लिस्ट से साफ करने की सुनियोजित साजिश? संजय सिंह ने कहा कि बेरोजगारी, पेपर लीक, सामाजिक न्याय पर सरकार जानबूझकर चुप है और नकली मुद्दों के जरिए जनता को भ्रमित करना चाहती है। आप सांसद

ने कहा कि बीजेपी सरकार की तानाशाही और एसआईआर जैसे चुनावी घोटालों के खिलाफ लड़ाई लगातार जारी रहेगी। संसद के शीतकालीन सत्र में आम आदमी पार्टी इसे पूरी ताकत से उठाएगी। संजय सिंह ने कहा कि बिहार से लेकर उत्तर प्रदेश तक लाखों वोटर लिस्ट से काटे जा रहे हैं। बिहार में 80 लाख नाम हटाए गए है। एक ही विधानसभा में 50-60 हजार वोट काटे जा रहे हैं। यहां तक कि रिटायर्ड आईएएस विद्यासागर और उनकी पत्नी का नाम भी काट दिया गया है। क्या इसका मतलब है कि वे भी घुसपैठिए हैं? उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त अज्ञानेश कुमार बीजेपी सरकार के एजेंडा को पूरा करने में इतनी तेजी दिखा रहे हैं कि सरकारी कर्मचारी आत्महत्या तक करने लगे हैं। यह प्रशासनिक नहीं, राजनीतिक निर्देश है और इसके लिए चुनाव आयोग सीधा जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि 17 बीएलओ की मौत पर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज होना चाहिए।

महंत के बिगड़े बोल कहा- कलाम को बताया आतंकी अफजल गुरु का हमदर्द

गाजियाबाद (एजेंसी)। डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद गिरी एक बार फिर अपने विवादित बयानों की वजह से चर्चा में हैं। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति और देश के मिसाइलमैन कहे जाने वाले महान वैज्ञानिक अब्दुल कलाम पर कई आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं। यति ने ना सिर्फ उन्हें अफजल गुरु से हमदर्दी रखने का आरोप लगाया बल्कि उन्हें जिहाद करने वाला तक बता डाला। हैरानी की बात यह है कि यति ने यह सब पुलिसकर्मियों के सामने कहा जो उनके आगे हाथ जोड़ते रहे।

खुद को रोकने वाले पुलिसकर्मियों के सामने यति नरसिंहानंद ने कहा कि वह (अब्दुल कलाम) तीनों सेनाओं का अध्यक्ष होकर जिहाद कर सकता है और हमारा छोटा सा सिपाही भी धर्म के लिए कुछ नहीं कर सकता, क्योंकि सिस्टम हमारा ऐसा ही है। इन टिप्पणियों के बावजूद वहां खड़े पुलिसकर्मी यति को हाथ जोड़ते नजर आए। इससे पहले यति ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। यति नरसिंहानंद ने सोमवार को प्रधानमंत्री आवास जाने का ऐलान किया था। वह इस्लामिक जिहाद को लेकर श्वेत पत्र जारी करने की मांग को लेकर पीएम आवास जाना चाहते थे। लेकिन पुलिस ने उन्हें दिल्ली जाने से रोक दिया। फिर क्या था, यति नरसिंहानंद वहीं खड़े होकर एक से बढ़कर एक विवादित बातें करने लगे। पुलिस द्वारा रोके जाने को लोकतंत्र की हत्या बताते हुए गिरी ने कहा कि इस्लाम का जिहाद मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन है और यदि यह जारी रहा तो बहुत जल्द सारी दुनिया नष्ट हो जाएगी।

इसके बाद वह पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम तक पहुंच गए और उन्हें सबसे कट्टर मुसलमान बताते हुए अफजल के परिवार से मुलाकात, जिहाद जैसे आरोप लगाने लगे। यति ने कहा, अफजल गुरु के परिवार से सारे प्रोटोकॉल तोड़कर मिला। अब्दुल कलाम से कट्टर मुसलमान इस देश में नहीं हुआ। स्वतंत्र भारत के इतिहास में एक ही राष्ट्रपति है जो मृत्युदंड पाए किसी अपराधी के परिवार से मिला। जब तक अब्दुल कलाम उसके परिवारवालों से नहीं मिला था अफजल गुरु ने दया याचिका दायर नहीं की थी। अब्दुल कलाम ने कहा कि दया याचिका दायर करो मैं बैठा हूं यहां पर। कांग्रेस सरकार ने तब तक दया याचिका होम डिपार्टमेंट से भेजी नहीं, वरना...। यति ने अब्दुल कलाम को भारत रत्न देने वाले नेताओं के लिए भी अपशब्द का इस्तेमाल किया।

कई राज्यों में ठंड दिखा रही अपना असर, बर्फीली हवाओं ने जनजीवन किया प्रभावित

- श्रीनगर में पारा -3.2 डिग्री सेल्सियस, दिल्ली में एक्यूआई खराब श्रेणी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में नवंबर में ही ठंड का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है। तापमान गिरने लगा है। कश्मीर घाटी में ठंड ने इस बार नवंबर में ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है। तेज बर्फीली हवाओं और गिरते तापमान ने लोगों के जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है।

मौसम विभाग के मुताबिक श्रीनगर में न्यूनतम तापमान -3.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि बांदीपोरा में पारा -4.1 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़का, जो इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी रात रही। वहीं, हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और मनाली में भी तापमान रिकॉर्ड तोड़ने लगा है। इसके अलावा उत्तराखंड के कई जिलों में भी तापमान तेजी से नीचे गिर रहा है। दिल्ली और एनसीआर लगातार तीसरे सप्ताह से गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

(सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक सोमवार को दिल्ली का एक्यूआई 396 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। आने वाले दिनों में और बुरा हाल होने वाला है। हालांकि एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में स्थिति और भी भयावह है, जहां एक्यूआई 450 के स्तर को पार पहुंच गया। यूपी में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। अब धीरे-धीरे रात के समय ठंडक बढ़ती जा रही है। आने वाले दिनों में ठंडक में इजाफा हो सकता है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पिछले 2-3 दिनों से जारी तापमान में गिरावट का सिलसिला अगले 48 घंटों तक जारी रहेगा। प्रदेश में किसी सक्रिय मौसम तंत्र के न होने और ठंडी और शुष्क पछुआ, उत्तरी-पश्चिमी हवाओं के प्रभाव के कारण सर्दी लगातार बढ़ रही है। 25 नवंबर को प्रदेश में मौसम शुष्क रह सकता है। इस दौरान दोनों हिस्सों में सुबह के समय कहीं-कहीं पर कोहरा छा सकता है। इसी तरह 26, 27 और 28 नवंबर को प्रदेश में मौसम साफ रह सकता है। सुबह कोहरा छा सकता है। 29 और 30 नवंबर को भी प्रदेश में मौसम साफ रहने के साथ ही कोहरा छाने की संभावना है।

बिहार में सर्दी के साथ ही कोहरा भी बढ़ रहा है और साथ ही प्रदूषण भी खतरनाक लेवल तक बढ़ गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण न्यूनतम तापमान 2-4 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। वहीं उत्तराखंड में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने से ठंड बढ़ी है। उत्तराखंड में मौसम लगातार शुष्क बना हुआ है लेकिन तापमान में गिरावट आ रही है। न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई है, जिसके चलते पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर मैदानी जनपदों तक ठिठुरन होने लगी है।

मौसम केंद्र के मुताबिक फिलहाल मौसम का मिजाज अगले कुछ दिनों तक इसी प्रकार बना रहेगा। पर्वतीय क्षेत्रों में पाला गिरने और मैदानी क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्का कोहरा छा सकता है। देहरादून समेत ज्यादातर क्षेत्रों में सोमवार को तेज धूप खिली रही। हालांकि न्यूनतम तापमान में गिरावट आने से दिन के समय भी खासी ठंड महसूस की गई है।

आतंकी हैंडलरों को लेकर देश भर के अल्पसंख्यक संस्थानों पर रखी जाएगी नजर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली धमाके में जिस तरह से फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी का नाम आते पूरे देश के अल्पसंख्यक संस्थान निशाने पर आ गए हैं। अब राज्य सरकारें अपने-अपने अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों पर नजर रखेंगी कि वहां किसी तरह की संदिग्ध गतिविधियां तो नहीं चल रही हैं या फिर किसी तरह की संदिग्ध वित्तीय अनियमितताएं तो नहीं हो रही हैं। बता दें कि दिल्ली धमाकों के तार अबतक अल-फलाह के कम से कम तीन डॉक्टरों से सीधे तौर पर जुड़े पाए गए हैं। खुद फिदायीन हमलावर डॉ उमर उन नबी भी वहीं पढ़ाता था। बता दें कि अल-फलाह ग्रुप का फाउंडर और चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी पहले से ही प्रवर्तन निदेशालय के शिकंजे में है। जब, उसकी यूनिवर्सिटी के तीन डॉक्टरों का नाम टेरर मॉड्यूल के रूप में सामने आया तो कुछ ही दिन बाद ईडी ने इसे गिरफ्तार कर लिया। जवाद के ट्रस्ट से जुड़े करीब दो दर्जन ठिकानों पर ईडी छापा मार चुकी है। जवाद से जुड़ी यूएई की दो प्रॉपर्टी, यूके समेत विदेशी स्रोत से मिले हजारों डॉलर के फंड की जांच हो रही है। ईडी उन लोगों की भी तहकीकात कर रहा है, जो जवाद के लगातार संपर्क में रहे हैं। एक वरिष्ठ सरकारी सूत्र ने बताया, राज्य सरकारों से कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान में नामांकन कराता है, जिसका अतीत संदेहास्पद रहा है, तो उन पर नजर रखें। यह भी कि अगर कोई संदिग्ध गतिविधियों में शामिल पाया जाता है, खासकर अगर वह स्टूडेंट्स के लिए मीडियेटर या हैंडलर के रूप में संदिग्ध गतिविधियों को अंजाम दे रहा है और वह भी विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर से है तो उसको लेकर अलर्ट रहें। रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में इस तरह का फैसला लिया गया है। इस बैठक में एनआईए, ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों के बड़े अधिकारियों के साथ राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों ने आपस में विचार-विमर्श किया है। अब से राज्य सरकारों को जैसे ही अपने अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों में किसी तरह की संदिग्ध गतिविधियों की भनक लगेगी, वह तुरंत केंद्रीय एजेंसियों को अलर्ट करेगा। अधिकारी का कहना है कि राज्य सरकारों को स्पष्ट तौर पर यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि जांच-पड़ताल की वजह से उनके किसी भी अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को किसी तरह की असुविधा नहीं होने पाए।